शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	32.3	23.6
जमशेदपुर	29.0	18.4
डालटनगंज	21.8	17.8

मौसम

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* * *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | सोमवार 04 मार्च 2024 ● फाल्गुन कृष्ण पक्ष 09 , संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 316 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

शहरी क्षेत्र में 4 घंटे में ट्रांसफॉर्मर का फ्यूज ठीक नहीं हुआ, तो देना होगा जुर्माना

24 घंटे के अंदर बदलना होगा ट्रांसफॉर्मर

रवि भारती। रांची

झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग ने पावर सप्लाई करने वाली सभी कंपनियों पर शिकंजा कस दिया है. नियामक आयोग द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि अगर शहरी क्षेत्र ट्रांसफॉर्मर का फ्यूज उड़ गया है, तो उसे अधिकतम चार घंटे के भीतर ठीक करना होगा. नहीं तो उस ट्रांसफॉर्मर से जुड़े सभी उपभोक्ता को 25 रुपए प्रतिदिन के हिसाब से मुआवजा देना होगा. वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में ट्रांसफॉर्मर का फ्यूज उड़ने पर अधिकतम 24 घंटे के भीतर ठीक करना होगा. अगर ऐसा नहीं हुआ तो उस ट्रांसफॉर्मर से जुड़े सभी ग्रामीण उपभोक्ताओं को 25 रुपए प्रतिदिन के हिसाब से मुआवजा देना होगा. झारखंड के बिजली वितरण के पांच लाइसेंसी हैं. इसमें झारखंड राज्य बिजली वितरण निगम, टाटा पावर, सेल बोकारो, जुस्को और डीवीसी शामिल हैं.

- हर हाल में 30 दिन के अंदर देना होगा नया बिजली कनेक्शन
- झारखंड राज्य में बिजली वितरण के हैं पांच लाइसेंसी

24 घंटे में जला ट्रांसफॉर्मर करना होगा दुरुस्त

राज्य के शहरी क्षेत्रों में त्रुटिपूर्ण या जले हुए ट्रांसफॉर्मर को 24 घंटे के अंदर बदलना होगा या दुरुस्त करना होगा. ऐसा नहीं होने पर उस ट्रांसफॉर्मर से जुड़े उपभोक्ताओं को 25 रुपए प्रतिदिन के हिसाब से मुआवजा देना होगा. वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में त्रुटिपूर्ण या जले हुए ट्रांसफॉर्मर को 48 घंटे के अंदर बदलना होगा या दुरुस्त करना होगा. यदि उपरोक्त समय सीमा में ट्रांसफॉर्मर नहीं बदला जाता है तो मुआवजा मांगने पर प्रत्येक उपभोक्ता को 25 रू प्रतिदिन की दर से हर्जाना वितरण कम्पनी द्वारा देय होगा.

प्रोविजनल विद्युत कनेक्शन का भी प्रावधान

नियामक आयोग ने जारी आदेश में कहा है कि ऐसे व्यक्ति या संस्था जिनके पास परिसर का वैध अधिकार या स्वामित्व संबंधित दस्तावेज नहीं है वे भी सप्लाई कोड के नियमानुसार प्रोविजनल विद्युत कनेक्शन ले सकते हैं. वितरण कंपनी को हर हाल में 30 दिन के अंदर नया विद्युत कनेक्शन देना अनिवार्य है. बिजली आपूर्ति में शिकायत या बिल संबंधी शिकायतों का निपटारा निर्धारित समय के अंदर निष्पादित नहीं होता है तो आयोग वितरण कंपनी पर हर्जाना लगा सकता है. सभी बिजली वितरण कंपनी को हर माह उपभोक्ताओं को बिजली बिल देना अनिवार्य है.

*हर हाल में पांचों लाइसेंसी को झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग के आदेशों का पालन करना होगा. उपभोक्ताओं को क्वालिटी बिजली मिले, यह आयोग की पहली प्राथमिकता है. -**अतुल कुमार**, सदस्य तकनीक, झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग.*

5 दिन के अंदर भुगतान पर बिल में दो फीसदी की छूट

बिजली उपभोक्ता अगर 5 दिनों के भीतर बिल का भुगतान करता है, तो उसे बिल के भुगतान पर 2 फीसदी की त्वरित भुगतान छूट प्रदान की जाएगी. ऑनलाइन या किसी भी डिजिटल मोड के माध्यम से भुगतान की गई संपूर्ण बिल राशि के नियत तिथि के भीतर भुगतान करने पर बिल राशि पर एक फीसदी की छूट दी जाएगी. प्रीपेड मीटरिंग पर स्विच करने के लिए संबंधित उपभोक्ता श्रेणी के लिए ऊर्जा शुल्क पर तीन फीसदी की छूट लागू रहेगी और प्रीपेड मीटर की स्थापना के एक महीने के भीतर पूरी सुरक्षा जमा राशि वापस कर दी जाएगी.

पवन सिंह नहीं लड़ेंगे आसनसोल से लोस चुनाव

प्रत्याशी बनाने के लिए भाजपा को दिया धन्यवाद

एजेंसी। नयी दिल्ली

भोजपुरी के स्टार पवन सिंह ने चुनाव मैदान में उतरने के पहले ही हथियार डाल दिए. क्यों? क्या फिल्म अभिनेता से राजनेता बने बिहारी बाबू शत्रुघ्न सिन्हा से मुकाबला की नौबत से बचने के लिए या, 2022 के उपचुनाव में टीएमसी की भाजपा प्रत्याशी पर बड़ी जीत का डर समझने के बाद यह फैसला लिया. या, 2022 के उपचुनाव में टीएमसी के अकेले लड़ने और इस बार वामदल और कांग्रेस समेत इंडिया एलायंस के साझा उम्मीदवार के सामने खुद को अकेला पाने के डर से यह निर्णय लिया. पवन सिंह ने एक्स पर लिखा- पार्टी ने मुझ पर विश्वास करके आसनसोल का उम्मीदवार घोषित किया, लेकिन किसी कारणवश मैं आसनसोल से चुनाव नहीं लड़ पाऊंगा. मतलब, यह तो पक्का है कि उन्हें आसनसोल से ही संकट है.

बिहारी बाबू से पंगा लेना मुश्किल

आसनसोल में बिहारी लोगों की आबादी ठीकठाक है. बिहार से जुड़ाव के कारण इलाका खांटी बंगाली स्वभाव का नहीं है. यहां बिहारियों के खिलाफ शेष बंगाल जैसा भाव नहीं है. भोजपुरी फिल्मों का भी यहां क्रेज है और हिंदी का तो पहले से है. इसी कारण शत्रुघ्न सिन्हा के सामने पवन सिंह को लाया गया था. दोनों बिहारी हैं और दिग्गज के सामने उतरना पवन सिंह को उचित नहीं लगा हो. पवन सिंह की उम्मीदवारी वापसी के फैसले से साबित हो गया कि उनकी शत्रुघ्न से भी बात हुई और पक्का है कि इस सीट पर तृणमूल फिर शत्रु को उतारने वाली है.

जन विश्वास महारैली : परिवारवाद पर हमला करने वाले मोदी पर लालू का पलटवार, पूछा–

आपका परिवार क्यों नहीं?

विशेष संवाददाता। पटना

भाजपा अबतक हिंदू कार्ड खेलने के लिए जानी जाती रही है और पीएम नरेंद्र मोदी को सनातन धर्म का संरक्षक बताती रही है. लेकिन, राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने दोनों मोर्चों पर अब लड़ाई छेड़ दी है. रविवार को पटना के गांधी मैदान में महागठबंधन की जन विश्वास महारैली को संबोधित करते हुए लालू ने कहा कि पीएम मोदी तो हिंदू ही नहीं हैं. उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि कोई हिंदू यह-यह काम नहीं कर सकता, जो पीएम मोदी ने किया है. उन्होंने पीएम मोदी की पारिवारिक जिंदगी पर भी हमला बोला. शनिवार को पीएम मोदी बिहार में आए थे, तो उन्होंने बिना नाम लिए परिवारवाद के बहाने लालू प्रसाद पर हमला बोला था.

लालू प्रसाद ने कहा कि मंडल कमीशन का नतीजा है कि आज हर पिछड़ा वर्ग, दलित, वंचित और गरीब सत्ता के दरवाजे पर खड़ा है. यह नरेंद्र मोदी क्या चीज है? यह मोदी आजकल परिवारवाद पर हमला कर रहे हैं. आप बताओ न, आप का परिवार क्यों नहीं, आपको क्यों नहीं संतान हुआ? ज्यादा संतान होने वाले लोगों को बोलता है कि परिवारवाद है. परिवार के लिए लड़ रहा है. आपके पास परिवार नहीं है और आप हिंदू भी नहीं हैं. जब आपकी माताजी का देहावसान हो गया, तो हर हिंदू अपनी मां के शोक में केस-दाढ़ी मुंड़वाता है. आपने क्यों नहीं छिलवाया? यह बताओ.

रैली में शामिल हुए इंडिया के बड़े नता

पटना में आयोजित जनविश्वास रैली में लाखों की भीड़ जुटी. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव, माकपा के महासचिव सीताराम येचुरी और भाकपा माले के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य समेत विपक्ष के कई दिग्गज पहुंचे. इस रैली के कर्ता-धर्ता बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव थे. सभी नेताओं ने एकस्वर में इंडिया गठबंधन की अगली सरकार दिल्ली में बनने का दावा किया. और कहा कि पटना के गांधी मैदान से इंडिया गठबंधन ने मोदी सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प ले लिया है.

-पेज 11 भी देखें

प्रधानमंत्री मोदी हिंदू नहीं, वो नफरती भी हैं : लालू प्रसाद

राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से विशेष स्नेह दिखाया.

हमने नीतीश को कभी कुछ नहीं कहा

लालू ने सीएम नीतीश के प्रकरण पर भी बात की. कहा- नीतीश कुमार से हमने कोई गाली-गलौज नहीं की. वह पहली बार निकले थे, तब भी गाली नहीं दी थी. तब हमने कहा था कि वह पलटूराम हैं. नहीं पलटना चाहिए था. दुबारा हमसे गलती हो गई. तेजस्वी से गलती हो गई. नरेंद्र मोदी के पैरों के नीचे चले गए.

लालू ने पीएम पर हमला कायम रखा. बोले- देश भर नफरत फैला रहे हो. कहता है कि भगवान में प्राण प्रतिष्ठा कर दिया. बताओ कि बिना प्राण के ही भगवान ही अब तक थे? उन्होंने पीएम मोदी को हिंदू मानने से इनकार करते हुए अपनी बातें पूरी कीं, तो राम-सीता होते हुए बेटी-बेटा तक पहुंचे. उन्होंने कहा- जनकपुर में श्रीराम चंद्र जी की शादी हुई. बिहार जैसे राज्य में एक से एक सूरमा पैदा लिए. इसी गांधी मैदान में न जाने कितनी बार देश भर नेताओं का सभाएं हुईं. यहीं से देश भर संदेश गया. बिहार के हवा में इतना दम हैं कि जो देश के लोग इसका अनुकरण करते हैं. मेरा किडनी का ट्रांसप्लांट हुआ है. हमारी बेटी रोहिणी ने अपनी किडनी मुझे दान दी. मुझे जीवनदान दिया. तेजस्वी यादव काफी मेहनत कर रहे हैं. लोगों को इतनी नौकरी दी. हम रोज पूछते थे- आज कितनी नौकरी दी? सिपाही में कितनी नौकरी दी? फिर यह भी कहा कि आरक्षण जोड़ लो, जब सिपाही को नौकरी दो.

दिल्ली पर हम लोगों को कब्जा करना है

राजद सुप्रीमो ने कहा कि इस रैली की भीड़ को देखकर नीतीश को पता नहीं और कौन-कौन-सी बीमारी हो जाएगी. उन्होंने पुराने अंदाज में कहावत कही. लागल लागल झुल्हनिया में धक्का बलम कोलकाता चलो. इसके बाद लालू यादव ने कहा कि मोदी कहे थे मेरी सरकार बनी तो सब के खाते में 15 लाख आएगा. हम भी विश्वास कर लिए कि हो सकता है आएगा, सब का खाता जन धन योजना के तहत खुला, 15 लाख लेकिन नहीं आया, सब को मोदी ने ठेंगा दिखा दिया. सब मिलकर विपक्षी दल लोकसभा चुनाव लड़ेंगे व मोदी को विदा करेंगे. दिल्ली पर हम लोगों को कब्जा करना है.

राहुल का तंज लोग अंबानी की शादी में खिंचवा रहे सेल्फी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अंबानी परिवार की शादी को लेकर टिप्पणी की है. उन्होंने कहा कि अंबानी के यहां शादी हो रही है. लोग वहां सेल्फी खिंचवा रहे और आप लोग यहां भूखे मर रहे हैं. दुनियाभर से लोग शादी में पहुंच रहे हैं. अब राहुल गांधी जो बोल रहा है, वो कैसे दिखा सकता है. टीवी पर दिखेगा कि अंबानी के बेटे की शादी हो रही है. धूमधाम से शादी हो रही है. राहुल का हमेशा से ये आरोप रहा है कि मीडिया में उनके बयानों को जगह नहीं दी जाती है. राहुल ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा के बाद हमने भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरू की है. इस यात्रा में हमने 'न्याय' शब्द जोड़ा है. हमने न्याय शब्द इसलिए जोड़ा है, क्योंकि देश में जो नफरत फैल रही है, उसका कारण अन्याय है. बेरोजगारी पर सरकार को घेरते हुए कहा कि इस समय देश में 40 साल में सबसे ज्यादा बेरोजगारी है, क्योंकि पीएम मोदी ने जीएसटी और नोटबंदी कर छोटे उद्योगों को खत्म कर दिया है. देश में 50% ओबीसी, 15% दलित और 8% आदिवासी लोग हैं, यानी कुल 73% लोग. आपको देश की बड़ी-बड़ी कंपनियों के मैनेजमेंट में एक भी ओबीसी, दलित और आदिवासी वर्ग का व्यक्ति नहीं मिलेगा.

-पेज 12 भी देखें

तेजस्वी जी, आपके चाचा (नीतीश कुमार) ने एक बार फिर पाला बदल लिया है. वह दोबारा ऐसा कर सकते हैं. लेकिन आगे से उन्हें स्वीकार मत करना. अब नीतीश कुमार भरोसे लायक नहीं रहे. लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन को सभी 40 सीटें जितवानी हैं.

\- **मल्लिकार्जुन खरगे,** कांग्रेस अध्यक्ष

यूपी और बिहार में कुल मिलाकर 120 (80 यूपी में और 40 बिहार में) सीटें हैं. अगर हम यहां भाजपा की हार पक्की करते हैं, तो केंद्र में मोदी सरकार नहीं बना पाएगी. उत्तर प्रदेश 80 हराओ का नारा दे रहा है. अगर यूपी और बिहार ने ठान लिया, तो इनका सूपड़ा साफ हो जाएगा.

\- **अखिलेश यादव,** सपा अध्यक्ष

इधर चला मैं उधर चला... गाने की तरह नीतीश चाचा भी काम करते हैं और बार-बार अपना पाला बदलते हैं. बिहार बचना चाहिए, भाजपा हटनी चाहिए. देश बचाओ, भाजपा हटाओ. गांधी मैदान से हम सब संकल्प लेते हैं कि भाजपा को उखाड़ फेकेंगे.

-तेजस्वी यादव, पूर्व डिप्टी सीएम बिहार

राजनीति के मैदान में उतरीं कल्पना सोरेन

अपने जन्मदिन पर दिशोम गुरु का लिया आशीर्वाद

संवाददाता। रांची

जन्मदिन पर पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना मुर्मू सोरेन ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन और रूपी सोरेन (सास) का आशीर्वाद लिया. इससे पहले सुबह ही उन्होंने बिरसा मुंडा जेल जाकर पति हेमंत सोरेन से भी मुलाकात की थी. सोशल मीडिया एक्स पर उन्होंने लिखा, मेरे पिता भारतीय सेना में थे. वह सेना से रिटायर हो चुके हैं. पिताजी ने सेना में रहकर देश के दुश्मनों का डटकर सामना किया. बचपन से ही उन्होंने मुझमें बिना डरे सच के लिए संघर्ष करना और लड़ना सिखाया है. सोशल मीडिया पर कल्पना ने लिखा, झारखंडवासियों और झामुमो परिवार के असंख्य कर्मठ कार्यकर्ताओं की मांग पर कल (सोमवार) से मैं सार्वजनिक जीवन की शुरुआत कर रही हूं. जब तक हेमंत जी हम सभी के बीच नहीं आ जाते, तब तक मैं उनकी आवाज बन कर आप सभी के बीच उनके विचारों को आपसे साझा करती रहूंगी, आपकी सेवा करती रहूंगी. विश्वास है, जैसा स्नेह और आशीर्वाद आपने अपने बेटे और भाई हेमंत सोरेन को दिया है, वैसा ही स्नेह और आशीर्वाद, मुझे यानी हेमंत जी की जीवन संगिनी को भी देंगे.

बैद्यनाथ राम को मंत्री बनाने का प्रस्ताव प्रोसेस में: सीएम

आशीष टैगोर। लातेहार

सीएम चंपई सोरेन ने कहा कि विधायक बैद्यनाथ राम को मंत्री बनाने का प्रस्ताव प्रोसेस में है. शीघ्र बताएंगे. मुख्यमंत्री रविवार को गढ़वा जाने के क्रम में पत्रकारों से बात कर रहे थे. उन्होंने कहा कि पूर्व की भाजपा सरकार ने कोई काम नहीं किया. गठबंधन की सरकार बनने के बाद प्रदेश में तेजी से काम हो रहा है. यह पूछे जाने पर कि लातेहार में डिग्री कॉलेज नहीं है. दो कॉलेजों का उदघाटन भी हुआ, लेकिन पढ़ाई शुरू नहीं हुई. इस पर सीएम ने कहा कि जब उद्‌घाटन हो गया है तो पढ़ाई भी शीघ्र शुरू होगी. विकास की संभावनाओं को तलाशा जा रहा है. भौगोलिक स्थिति को देखते हुए विकास किया जाएगा.

85% स्थानीय युवकों को रोजगार : एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि सरकार 85% स्थानीय युवकों को रोजगार देने पर कार्य कर रही है. अगर जिले की कोलियरियों में स्थानीय को रोजगार नहीं मिल रहा, तो इसकी जांच करायी जाएगी. इससे पहले उपायुक्त गरिमा सिंह व उप विकास आयुक्त सुरजीत सिंह ने पुष्पगुच्छ भेंट कर सीएम का स्वागत किया. झामुमो नेता व कार्यकर्ताओं ने भी सीएम का स्वागत किया. मौके पर मंत्री मिथिलेश ठाकुर, विधायक बैद्यनाथ राम, विधायक प्रतिनिधि प्रभात कुमार, समसूल होदा, आफताब आलम, अंकित पांडेय, पॉल एक्का, रिंकू कच्छप, गोपाल सिंह, रंजीत कुमार व विशाल कुमार समेत कई झामुमो कार्यकर्ता मौजूद थे.

खास बातें

- भौगोलिक स्थिति देखते हुए हर जिले का होगा विकास

सर्राफा

सोना (बिक्री)	59,600
चांदी (किलो)	75,000

शहबाज शरीफ दूसरी बार पाक के पीएम बने

इस्लामाबाद। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के वरिष्ठ नेता शहबाज शरीफ विपक्ष की नारेबाजी के बीच नवनिर्वाचित संसद में आसानी से बहुमत हासिल करने के बाद रविवार को दूसरी बार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बने. वह गठबंधन सरकार का नेतृत्व करेंगे.

आंदोलन किसान बोले- पैदल, बस और ट्रेन से 6 मार्च को करेंगे दिल्ली कूच

10 को देशव्यापी रेल चक्का जाम का ऐलान

एजेंसी। नयी दिल्ली

किसानों का आंदोलन जारी है. इस बीच किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल और सरवन सिंह पंढेर ने रविवार को कहा कि हमारा दिल्ली चलो मार्च टला नहीं है. हम फैसला होने तक यहां से हिलने वाले नहीं हैं.

वहीं किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा, मैं साफ कर देना चाहता हूं कि दिल्ली जाने का कार्यक्रम टला नहीं है. हम इससे पीछे नहीं हटे हैं. केंद्र सरकार को घुटने के बल लाने के लिए हमने रणनीति तय की है. हम जिन सीमाओं पर बैठे हुए हैं, वहां संख्या बढाएंगे. दूसरे बॉर्डर पर भी किसानों को लाने का प्रयास करेंगे. डल्लेवाल ने आगे कहा कि हमने तय किया है कि 6 मार्च को पूरे देश से हमारे लोग रेल, बस और हवाई मार्ग से (दिल्ली) आएंगे. हमारा 10 मार्च को 12 से 4 बजे तक देशव्यापी रेल रोको आंदोलन होगा. हम लोग अपील करते हैं कि इसमें ज्यादा से ज्यादा लोग शामिल हों.

किसानों की क्या मांगें हैं

फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के लिए कानूनी गारंटी, स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करने, किसानों व कृषि मजदूरों के लिए पेंशन और कृषि ऋ़ण माफ करने सहित आंदोलनकारी किसानों की कई मांगें हैं. किसानों का कहना है कि सरकार जब तक मांगें मान नहीं लेगी, उनका आंदोलन जारी रहेगा.

सरवन सिंह पंढेर क्या बोले

पंजाब किसान मजदूर संघर्ष समिति के महासचिव सरवन सिंह पंढेर ने भी डल्लेवाल की बात दोहराते हुए कहा कि खनौरी और शंभू सीमाओं पर बैठे किसान अपना आंदोलन चलाएंगे. उन्होंने आगे कहा कि भाजपा ने अजय मिश्रा टेनी को टिकट देकर किसानो का अपमान किया है. किसान 14 मार्च को किसान महापंचायत भी करेंगे. इसको लेकर संयुक्त किसान मोर्चा ने कहा कि इसमें 400 से अधिक किसान संघ भाग लेंगे. एसकेएम ने उसने संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा (केएमएम) को एक प्रस्ताव भेजा एकता की अपील की है.

एक्शन मोड में पीएम मोदी

10 दिन में 12 राज्यों का करेंगे दौरा

एजेंसी। नयी दिल्ली

तेलंगाना, तमिलनाडु, ओडिशा, बंगाल, बिहार, जम्मू-कश्मीर, असम, अरुणचल, यूपी, गुजरात और राजस्थान में करेंगे धुआंधार सभाएं

केंद्रीय निर्वाचन आयोग लोकसभा चुनाव 2024 की घोषणा किसी भी समय कर सकता है. चुनाव आयोग की घोषणा के बाद पूरे देश में आचार संहिता लागू हो जाएगी. चुनावी बिगुल बजने से पहले पीएम मोदी अगले 10 दिनों में 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का दौरा करेंगे. पीएम मोदी 29 कार्यक्रमों में शामिल हो सकते हैं. प्रधानमंत्री के भावी कार्यक्रमों के बारे में अधिकारियों ने बताया कि पीएम मोदी तेलंगाना, तमिलनाडु, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, बिहार, जम्मू-कश्मीर, असम अरुणचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात और राजस्थान का दौरा करेंगे। पीएम मोदी राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी एक कार्यक्रम में शामिल होंगे. खबरों के मुताबिक अप्रैल-मई में होने वाले आम चुनाव-2024 से पहले पीएम मोदी अलग-अलग- राज्यों में लाखों करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण कर रहे हैं. सियासी पंडितों का मानना है कि पीएम मोदी अपने 10 साल के कार्यकाल में हुए विकास और भाजपा नीत सरकार के कल्याणकारी एजेंडे की तरफ जनता का ध्यान खींचने का प्रयास कर रहे हैं.

बिहार का फिर दौरा करेंगे मोदी

पीएम का अब ओडिशा की यात्रा पर जाने का कार्यक्रम है. हजारों करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात देने के बाद पीएम मोदी एक कार्यक्रम को भी संबोधित करेंगे. पीएम मोदी ओडिशा के चंडीखोल में भी जनसभा को संबोधित करेंगे. ओडिशा के बाद मोदी बंगाल दौरे पर रवाना हो जाएंगे.

निजी और सेंट्रल के भरोसे झारखंड की बिजली

पीजीसीआइएल के तार से बिजली लेने पर खर्च **357.47 करोड़**

2305 करोड़ की बिजली सेंट्रल सेक्टर से सालाना खरीदी जाएगी

655.25 करोड़ की बिजली नॉर्थ कर्णपुरा प्लांट से वितरण निगम खरीदेगा

रवि भारती। रांची

झारखंड की बिजली व्यवस्था फिलहाल सेंट्रल सेक्टर और निजी कंपनियों पर ही टिकी रहेगी. बिजली वितरण निगम साल भर में 5881.88 करोड़ की बिजली खरीदेगा. इसमें से सेंट्रल सेक्टर से 2305.01 करोड़ की बिजली खरीदी जाएगी. पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एनटीपीसी के नॉर्थ कर्णपुरा पावर प्लांट का उद्घाटन किया था, उस पावर प्लांट के दो यूनिट से 655.25 करोड़ की बिजली खरीदी जाएगी. वहीं पीजीसीआइएल (पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड) के ट्रांसमिशन लाइन से बिजली लेने पर ट्रांसमिशन चार्ज के रूप में 357.47 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे. पोस्को के ट्रांसमिशम लाइन से बिजली लेने पर 1.35 करोड़ और झारखंड ऊर्जा संचरण निगम लिमिटेड के ट्रांसमिशन लाइन से बिजली लेने पर ट्रांसमिशन चार्ज के रूप में 260.49 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे.

10044.63 मिलियन यूनिट खरीदी जाएगी बिजली

बिजली वितरण निगम साल भर में 10044.63 मिलियन यूनिट बिजली की खरीदारी करेगा. इसके तहत घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 6360 मिलियन यूनिट बिजली खरीदेगी. कॉमर्शियल उपभोक्ताओं के लिए 1001 मिलियन यूनिट, सिंचाई के लिए 197 मिलियन यूनिट और उद्योंगों के लिए 2313 मिलियन यूनिट बिजली खरीदेगा. वहीं रेलवे सहित अन्य संस्थानों के लिए 174 मिलियन यूनिट बिजली खरीदेगा. झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग ने कुल 7075.83 करोड़ रुपए राजस्व की स्वीकृति दी है. इसके तहत वितरण निगम कर्मचारियों पर 258.72 करोड़, प्रशासनिक और सामान्य खर्च में 117.11 और रिपेयर और मेनटेनेंश में 300.49 करोड़ सालाना खर्च करेगा.

किससे कितने करोड़ की खरीदी जाएगी बिजली

एनटीपीसी के किस पावर प्लांट से कितने करोड़ की बिजली ली

फरक्का वन और टू	469.96 करोड़
फरक्का थ्री	101.49 करोड़
कहलगांव वन	101.86 करोड़
तालचेर	150.66 करोड़
कहलगांव टू	93.91 करोड़
कोरबा	92.62 करोड़
दारीपल्ली	332.36 करोड़
कांटी	0.18 करोड़
नबीनगर	93.77 करोड़
नॉर्थ कर्णपुरा यूनिट वन और टू	655,25 करोड़

अन्य पावर कंपनियों से कितने करोड़ की बिजली

डीवीसी	1556.30 करोड़
टीवीएनएल	877.46 करोड़
आधुनिक	421.37 करोड़
सोलर	286.43 करोड़
विंड एनर्जी	244.37 करोड़
इनलैंड पावर	181.84 करोड़
सिकिदिरी हाइडल	9.09 करोड़

किस प्लांट से कितने करोड़ की बिजली

रंगीत	17.88 करोड़
तीस्ता	76.01 करोड़

पावर ट्रेडिंग से कितने करोड़ की बिजली

चुक्का	48.69 करोड़
ताला	70.36 करोड़

आईजी, डीआईजी व एसपी के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

लोकसभा चुनाव के लिए प्रशासनिक तैयारियां तेज

संवाददाता। रांची

लोकसभा चुनाव को लेकर अब झारखंड पुलिस को चुनाव मोड में लाने की तैयारी शुरू हो गयी है. पुलिस मुख्यालय ने सभी जोनल आईजी, रेंज के डीआईजी और सभी जिलों के एसपी को चुनाव के लिए तैयार रहने का आदेश दिया है. चुनाव संबंधित प्रशिक्षण के लिए रविवार को सभी जोनल आईजी, रेंज के डीआईजी और जिलों के एसएसपी व एसपी के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है. आईपीएस एवी होमकर, मयूर पटेल, अश्विनी सिन्हा और धनंजय सिंह सभी पुलिस अधिकारियों को चुनाव से संबंधित प्रशिक्षण देंगे.

प्रशिक्षण पर दिया जा रहा जोर : लोकसभा चुनाव स्वच्छ, निष्पक्ष, भयमुक्त व शांतिपूर्ण वातावरण में कराया जाना है. इसके लिए निर्वाचन आयोग नई दिल्ली से जारी मैनुअल के तहत ही प्रशिक्षण पर जोर दिया जा रहा है. लोकसभा चुनाव में प्रतिनियुक्त जवानों को मतदानकर्मियों की सुरक्षा से लेकर बूथ की निगरानी तक की रणनीति से अवगत कराया जाएगा. उन्हें मतदान सामग्री की सुरक्षा, असामाजिक तत्वों, उपद्रवियों से निपटने के तरीके से भी बताये जाएंगे. मतदाताओं को असुविधा न हो, उन्हें मतदान से वंचित न कर पाये और उन्हें अपने पक्ष में मतदान के लिए कोई दबाव बनाये, वैसे लोगों से कैसे निपटना है, उन्हें यह भी बताया जाएगा.

जारी किए गए निर्देश

लोकसभा चुनाव के दौरान लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति, खासकर नक्सली इलाकों में मतदान कैसे कराया जाए, पिछले दिनों चुनाव के दौरान किस तरह की गड़बड़ी का सामना करना पड़ा, किन इलाकों में कौन से नक्सली ग्रुप सक्रिय हैं और उनसे कैसे निपटना है, चुनाव आयोग ने इस संबंध में निर्देश दिये हैं. यह सब बातें झारखंड पुलिस के आईजी अभियान सह राज्य पुलिस के नोडल पदाधिकारी अमोल होमकर ने प्रशिक्षण सत्र में पुलिस अधिकारियों को विस्तार से बतायी.

प्रोटोकॉल के बारे में बताया

झारखंड पुलिस के आईजी स्पेशल ब्रांच प्रभात कुमार लोकसभा चुनाव के दौरान वीआईपी सुरक्षा के नोडल पदाधिकारी हैं. लोकसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री से लेकर कई वीआईपी और स्टार प्रचारकों का आना-जाना रहेगा. ऐसे में वीआईपी सुरक्षा में किस तरह के प्रोटोकॉल का पालन करना है, इसकी जानकारी भी प्रशिक्षण सत्र में अधिकारियों को दी गयी है.

पलामू में सीआरपीएफ की दो कंपनियां फिर होंगी तैनात

रांची/पलामू। लोकसभा चुनाव की तारीख की घोषणा होने महज कुछ ही दिन बचे हैं. चुनाव को लेकर पलामू में एक बार फिर सीआरपीएफ की दो कंपनियां तैनात की जायेंगी. लोकसभा चुनाव से पहले सीआरपीएफ के नेतृत्व में झारखंड-बिहार सीमा पर प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी, टीएसपीसी और जेजेएमपी के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया जाएगा. गृह मंत्रालय और राजस्थान सरकार के सहयोग से पलामू को सीआरपीएफ की दो कंपनी उपलब्ध करायी जा रही है. झारखंड के अन्य जिलों को भी लोकसभा चुनाव से पहले अर्धसैनिक बलों की एक-एक कंपनी उपलब्ध करायी जानी है.

सारंडा में बटालियन की तैनाती की गई

साल 2023 के शुरुआती महीनों में पलामू से सीआरपीएफ को हटाने की प्रक्रिया शुरू की गयी. पलामू में तैनात सीआरपीएफ की 134 बटालियन को सारंडा इलाके में तैनात कर दिया गया है. सीआरपीएफ का मुख्यालय पलामू में है. पर इसकी सभी कंपनियां सारंडा इलाके में तैनात हैं. जिसकी वजह से माओवादी खुद को मजबूत करने के फिराक में हैं. सीआरपीएफ के हटने के बाद नक्सल विरोधी अभियान भी कमजोर हुआ है. नितेश यादव का दस्ता एक इलाके को अपना ठिकाना बनाए हुए हैं.

आई एम वेरीफाइड वोटर अभियान आज से

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार के निर्देश पर सोमवार से पूरे राज्य भर में मतदाता सूची में अपना नाम सत्यापित करने के लिए अभियान चलाया जाएगा. इसको लेकर सोमवार को सभी बीएलओ को बूथ पर रहने के निर्देश जारी किए गए हैं. आम लोगों से अपील की जा रही है कि बूथ पर पहुंचकर मतदाता सूची में अपना नाम जाकर जरूर चेक कर लें. कई बार देखने में आता है कि किसी विसंगतिवश नाम कट जाता है, किंतु मतदाता इससे अनभिज्ञ रहते हैं, ऐसी स्थिति में मतदान के दिन उहापोह की स्थिति उत्पन्न हो जाती है. इसलिए जो लोग अपना नाम चेक करने के लिए कल बूथ नहीं जा सकते हैं, वे कम से कम इतना कार्य जरूर करें कि गूगल प्ले स्टोर से वोटर हेल्पलाइन एप डाउनलोड कर उसमें अपना नाम जरूर सत्यापित कर लें, किसी भी विसंगति की स्थिति में अपने बीएलओ को बताएं या निर्वाचन हेल्पलाइन नंबर 1950 पर कॉल करें. अपना नाम सत्यापित करने के उपरांत मतदाता इस बात का जिक्र अपने सोशल मीडिया हैंडल्स पर भी जरूर कर दें कि उन्होंने अपना नाम चेक कर लिया है. इस दौरान उनसे अपनी पोस्ट में हैशटैग आइ एम वेरीफाइड वोटर का भी प्रयोग करने की अपील की गई.

झारखंड में एसपी रैंक के अधिकारियों की संख्या तो बढ़ी, मगर स्थिति नहीं सुधरी

सौरभ सिंह। रांची

झारखंड में एसपी रैंक के अधिकारियों की संख्या तो बढ़ी, लेकिन स्थिति नहीं सुधरी है. झारखंड में वर्तमान में झारखंड पुलिस में डायरेक्ट आईपीएस के कुल 42 एसपी रैंक के अधिकारी हैं. वहीं स्टेट पुलिस सर्विस के 29 अधिकारी एसपी रैंक के हैं, यानि कुल 71 एसपी स्तर के अधिकारी के बाद एसपी स्तर के 16 पद खाली और छह पद प्रभार में चल रहे हैं. अब यह सवाल उठने ही लगा है कि क्या झारखंड में पुलिस सिस्टम को कमजोर किया जा रहा है. इसके जिम्मेदार कौन हैं? आखिर किन मजबूरियों की वजह से पद खाली रहने के बावजूद आईपीएस अफसरों को पोस्टिंग नहीं की जा रही है? किस बात का इंतजार किया जा रहा है?

16 पद एसपी स्तर के खाली

- स्पेशल ब्रांच एसपी
- एसपी सीएम सिक्योरिटी
- एसपी एससीआरबी
- एसपी एसटीएफ
- एसपी होमगार्ड
- कमांडेंट जैप 4
- कमांडेंट जैप 5
- कमांडेंट जैप 8
- कमांडेंट जैप 10
- कमांडेंट आईआरबी 2
- कमांडेंट आईआरबी 5
- कमांडेंट आईआरबी 8
- कमांडेंट आईआरबी 9
- एसपी जंगल वारफेयर स्कूल
- एसपी सीआईडी
- एसपी सीआईडी

एसपी स्तर के ये पद है प्रभार में

कमांडेंट आईआरबी	10
कमांडेंट एसआईआरबी	01
कमांडेंट आईआरबी	04
कमांडेंट आईआरबी	03
कमांडेंट आईआरबी	01
कमांडेंट आईआरबी	09

प्रमोटी अफसरों पर बढ़ा भरोसा

झारखंड के 24 जिलों में पुलिस के लिए अलग-अलग तरह की चुनौतियां रहती हैं. पुलिस को कानून व्यवस्था से लेकर वीआईपी ड्यूटी और ट्रैफिक व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालनी होती है. जाहिर है कि ऐसी विशेष परिस्थितियों वाले राज्य में पुलिसिंग काफी कठिन होता है. ऐसे में झारखंड सरकार का स्टेट पुलिस सर्विस के अफसरों पर भरोसा बढ़ा है. राज्य में 24 जिलों में से 13 जिलों की कमान प्रमोटी आईपीएस अधिकारियों के हाथ में है.

कुमुद जामताड़ा और घोलप रमेश बने चतरा के डीसी

वंदना दादेल को मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग का अतिरिक्त प्रभार

संवाददाता। रांची

राज्य सरकार ने सात आईएएस अफसरों का तबादला कर दिया है. कार्मिक, प्रशासनिक सुधार और राजभाषा विभाग विभाग ने नोटिफिकेशन जारी कर दी है. वन विभाग की प्रधान सचिव वंदना दादेल को एक बार फिर प्रधान सचिव के अलावा मंत्रिमंडल सचिवालय व निगरानी विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा. वहीं कुमुद सहाय को जामताड़ा और घोलप रमेश गोरख को चतरा डीसी बनाया गया है.

नाम	कहां थे	कहां गये
मनोज कुमार	प्रमंडलीय आयुक्त कोल्हान	सचिव महिला बाल विकास
अबु इमरान	डीसी चतरा	एमडी, झारखंड मेडिकल एंड हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर
शशि भूषण मेहरा	डीसी जामताड़ा	अपर सचिव वित्त विभाग
कुमुद सहाय	अपर सचिव स्कूली शिक्षा	डीसी जामताड़ा
घोलप रमेश गोरख	संयुक्त सचिव वित्त विभाग	डीसी चतरा
किरण पासी	झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद	निदेशक पशुपालन
आदित्य रंजन	निदेशक पशुपालन	झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद

हाल सरकार की नौकरियों का : 8 माह से इंतजार में हैं अभ्यर्थी

दो-दो बार पैसे भरे, नहीं हुई परीक्षा

सत्य शरण मिश्रा। रांची

झारखंड में बेरोजगार युवाओं को नौकरी पाने के लिए बड़े कष्ट उठाने पड़ रहे हैं. सालों बाद सरकारी नौकरियों के लिए विज्ञापन निकलते हैं. फिर परीक्षाएं होकर रद्द हो जाती हैं. संविदा पर मिलने वाली नौकरियों की भी स्थिति कुछ ऐसी ही है. ऐसा मामला स्वास्थ्य विभाग से जुड़ा हुआ है. जहां एक साल के कॉन्ट्रैक्ट पर 5 पदों पर नियुक्ति के लिए जैप आईटी की ओर से दो बार विज्ञापन निकाला गया. दोनों बार अभ्यर्थियों से 500-500 रुपये शुल्क भी लिये गये. 8 महीने बीत चुके हैं, लेकिन अबतक परीक्षा नहीं हुई है.

5 पदों के लिए 2 बार निकाला गया विज्ञापन

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन योजना के तहत 1 जून 2023 को 13 पदों पर नियुक्ति के लिए विज्ञापन निकाला गया था. इन सभी पदों पर 800 से अधिक बेरोजगार युवाओं ने आवेदन किये. 10 अगस्त 2023 को आवेदनों को शॉर्टलिस्टेड किया गया और जिनके आवेदन में त्रुटि थी, उन्हें संशोधन के लिए समय दिया गया, लेकिन 30 नवंबर 2030 को विज्ञापन रद्द कर दिया गया. इन्हीं 13 में से 5 पोस्ट के लिए दो दिसंबर 2023 को फिर से विज्ञापन निकाल कर नियुक्ति के लिए आवेदन मांगे गये. नियुक्तियां जैप आईटी के माध्यम से निकाली गई थी और आवेदकों को प्रति आवेदन 500 रुपये जमा करने थे. इस प्रकार एक ही पद के लिए आवेदकों ने दो-दो बार आवेदन किया और पैसे दिए.

मामले और भी हैं : एक और मामला झारखंड स्टेट आरोग्य समिति का है. जहां 7 जून 2023 को 5 पदों के लिए विज्ञापन निकाला गया था. इन सभी पदों के लिए 15 सितंबर 2023 को इंटरव्यू भी लिया गया, लेकिन साढ़े चार महीने बीत जाने के बाद भी अब तक रिजल्ट नहीं आया है.

दैनिक भोगी मजदूर संघ की बैठक आयोजित

रांची। दैनिक भोगी मजदूर संघ की रविवार को बैठक हुई. बैठक में मजदूरों ने 11 मार्च से बीएसएनएल मुख्य महाप्रबंधक का घेराव करने का निर्णय लिया. साथ ही अनिश्चितकालीन धरना भी देने की योजना बनाई गई. इसके साथ मजदूरों ने कहा कि उनकी मांगों को नहीं माना गया तो तालाबंदी करेंगे. मजदूरों की मुख्य मांगें : सभी मजदूरों को काम पर वापस लो, और कार्यरत मजदूरों को न्यूनतम मजदूरी का भुगतान किया जाए सहित अन्य मांगें. बैठक में राज्य भर के आए कमिटी सदस्यों ने भाग लिया जिसमें प्रमुख सत्येंद्र कुमार, विनोद, सुदामा पाल, राम चंद्र बैठा व अन्य ने भाग लिया.

विदेशी महिला से गैंग रेप के आरोपी कोर्ट में किए गए पेश

संवाददाता। रांची /दुमका

दमका जिले में स्पेन की महिला टूरिस्ट से सामूहिक दुष्कर्म के 3 आरोपियों को रविवार को कोर्ट में पेश किया गया. साथ ही महिला और उसके पति को भी प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में पेश किया गया.

यहां 164 के तहत सामूहिक दुष्कर्म की पीड़ित महिला और उसके पति का बयान दर्ज किया गया है. बता दें कि दुमका के हंसडीहा थाना क्षेत्र में शुक्रवार (1 मार्च) की रात को 7 अपराधकर्मियों ने स्पेन की महिला टूरिस्ट से गैंगरेप किया था. इस घटना के बाद पुलिस हरकत में आई और चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया. बाकी तीन आरोपियों की तलाश में छापेमारी जारी है.

बर्थ स्पेशल पूर्व मुख्यमंत्री ने पत्नी को जन्मदिन पर दिया बुके

हेमंत सोरेन से जेल में मिलीं कल्पना सोरेन

संवाददाता। रांची

कल्पना सोरेन ने रविवार को अपने जन्मदिन पर पूर्व सीएम हेमंत सोरेन से होटवार जेल में मुलाकात की. हेमंत सोरेन ने अपनी पत्नी कल्पना सोरेन को किताबें भी दीं. कल्पना सोरेन ने हेमंत सोरेन के एक्स (पूर्व में ट्विटर) हैंडल पर पोस्ट कर जानकारी दी है. कल्पना ने लिखा कि आज मेरे जन्मदिन के अवसर पर हेमंत जी से जेल में मुलाकात की. उनकी तरफ से अप्रतिम पुष्पगुच्छ मिला. 18 वर्षों में यह पहला अवसर है, जब जन्मदिन के अवसर पर हेमंत जी परिवार के साथ नहीं हैं.

दिशोम गुरु और सास मां से भी लिया आशीर्वाद

अपने जन्मदिन और सोमवार को गिरिडीह में झामुमो के स्थापना दिवस कार्यक्रम में शामिल होने से पहले दिशोम गुरुजी और अपनी सास मां से आशीर्वाद लिया. बता दें कि कल्पना सोरेन ने 2 मार्च को भी एक्स पर पोस्ट कर बताया था कि हेमंत सोरेन ने जेल में पढ़ने के लिए किताबें मांगी हैं. 3 मार्च को उनको किताब देने जाऊंगी. कल्पना ने लिखा था कि हेमंत जी ने पढ़ने के लिए किताबें मांगी है. कल उन्हें यह किताबें देने जाऊंगी. इससे पहले भी हेमंत जी ने झारखंड आंदोलन, मुंडारी, हो और कुड़ुख भाषा आदि से जुड़ी किताबें पढ़ने के लिए मंगायी थी. हेमंत जी को किताबें पढ़ने का हमेशा से शौक रहा है.

हर घर में एक ही उद्घोष – हेमंत है तो हिम्मत है, झारखंड झुकेगा नहीं

हेमंत सोरेन की पत्नी ने लिखा कि आज भले ही केंद्र की भाजपा सरकार के षड़्यंत्र के चलते हेमंत जी को अपनी जनता से दूर हुए. महीने से अधिक हो गये हैं, मगर वह वहां भी पल-पल झारखंड और झारखंडियों के बारे में ही सोचते हैं. भाजपा को लगता है कि एक झारखंडी योद्धा को षड़्यंत्र के तहत परेशान करने की उनकी कोशिश कामयाब हो गयी है, तो यह उनकी बहुत बड़ी और भारी भूल है. हेमंत जी का संघर्ष, हेमंत जी का आत्मविश्वास, हेमंत जी का राज्यवासियों के प्रति अविचल प्रेम और समर्पण को देख झारखंड का हर घर एक ही उद्घोष कर रहा है- हेमंत है तो हिम्मत है, झारखंड झुकेगा नहीं. जय जोहार! इसके साथ कल्पना सोरेन ने तीर धनुष की इमोजी डाली है. **जय झारखंड! झारखंड_झुकेगा_नहीं. कल्पना मुर्मू सोरेन**

CLASSIFIED

तापमान
24.6° अधिकतम 12.6° न्यूनतम

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | सोमवार 04 मार्च 2024 ● फाल्गुन कृष्ण पक्ष 09 , संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 1, अंक : 316 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

रांची गौशाला न्यास समिति के बड़े लोगों के बड़े-बड़े कारनामे

सीएनटी नेचर बदल कर गौशाला की 15.95 एकड़ जमीन बेच डाली

गोचर जमीन पर लोहरदगा के व्यवसायी ने खोल दी एक्वा पॉलिमर फैक्ट्री

कबाड़ी व्यवसायी ने भी कबाड़ का गोदाम खोल दिया, यहीं से कर रहा है धंधा

प्रवीण कुमार । रांची

कांके के बाढ़ू, बुकरु स्थित गौशाला की गोचर जमीन पर एक्वा पॉलिमर पानी टंकी बनाने का प्लांट संचालित है. यह प्लांट लोहरदगा के किसी अरविंद बंका की बतायी जा रही है. रांची गौशाला न्यास समिति की जमीन पर जाकर शुभम संदेश की टीम ने स्थिति का जायजा लिया, तो पता चला कि गौशाला की जमीन पर बड़ा-बड़ा खेल हुआ है. ज्यादातर भूमि आदिवासी खतीयान की है. जब खाता और प्लाट नंबर के आधार पर गहनता से जांच की गयी, तो मामला और भी साफ हो गया. 15.95 एकड़ गौशाला की गोचर जमीन का नेचर बदल कर उसकी बिक्री की गयी है. जमीन के लेसर सदस्यों द्वारा जानकारियां शेयर की जा रही हैं, उससे हर रोज नये-नये खुलासे हो रहे हैं.

गोपलका, केडिया, खीरवाल को सस्ती दर पर बेची जमीन

13 मार्च 2014 को पहले 06.88 एकड़ भूमि डीड नंबर -2526/1930 मात्र 48,62,500 रुपये में गोपालका प्रोजेक्ट के किशन गोपालका के नाम पर रजिस्ट्री की गयी. इसके बाद जुलाई और सितंबर 2021 में 09.7 एकड़ जमीन राजकुमार केडिया और संजीव खीरवाल के नाम पर मात्र 7174 रुपये प्रति डिसमिल की दर से रजिस्ट्री कर दी गयी. बताया जाता है कि बाद में संजीव खीरवाल ने अपने साला अरविंद बंका को एक एकड़ जमीन बेच दी, जिस पर पानी टंकी का प्लांट चल रहा है. सूत्र बताते हैं कि अपने नाम से जमीन कराने के बाद गोपालका और राजकुमार केडिया द्वारा महंगे दामों पर अन्य लोगों भूमि बेची जा रही है. गौशाला से जुड़े सदस्य और गौप्रेमी इससे आहत हैं. सभी का मनना है कि गौवंश संवर्धन के लिए ली गयी भूमि की खरीद-ब्रिकी को किसी भी तरह से जायज नहीं ठहराया जा सकता है. गौशाला को हर हाल में भूमि वापस की ही जानी चाहिए.

अफसर से ले न्यास समिति तक पर उठ रहे सवाल

लोग यह भी सवाल उठा रहे हैं कि कहीं फर्जी कागजात का सहारा लेकर सीएनटी एक्ट की जमीन को जनरल तो नहीं बना दिया गया. साथ ही जमीन को जनरल बना कर बेचे जाने पर गौशाला न्यास समिति पर भी ऊंगली उठायी जाने लगी है. समाज के लोगों का यह भी कहना है कि कही गौशाला समिति व अफसरों के गंठजोड़ ने बेशकीमती जमीन को कब्जियाने या बेचने की नियत से अफसरों के साथ मिलकर खेल तो नहीं किया? गौशाल की इस जमीन को लेकर अब और बड़े गोलमाल का अंदेशा सदस्यों द्वारा जताया जा रहा है.

सीएनटी दायरे की जमीन की कर दी गई रजिस्ट्री

राजकुमार केडिया द्वारा खरीदी गई जमीन खतियान में दर्ज सच के अनुसार सीएनटी जमीन है, लेकिन रजिस्ट्रार ने जमीन की रजिस्ट्री तो कर दी, लेकिन जमीन का म्यूटेशन अब तक नहीं हुआ है.

जमीन पर चल रहा टाइटल सूट का मुकदमा

बाढ़ू, बुकरु स्थित गौशाला की ज्यादातर जमीन अभी भी परती है. गांव के लोग उक्त भूमि पर गाय चराते हैं. गौशाला की यह जमीन भी गायों के चराने के लिए ही मिली थी. एक एकड़ जमीन पर प्लांट चल रहा है और कुछ जमीन पर कबाड़ी व्यवसायी का भी कब्जा है. जमीन के मुहाने पर गोपालका प्रोजेक्ट की एक छोटी सी कोठरी है. गौशाला की जमीन पर गाय चरानेवाले चरवाहों ने बताया कि इस जमीन पर टाइटल सूट का मुकदमा चल रहा है. हलांकि इस बात की पुष्टि किशन गोपालका ने भी की थी. किशन ने बताया था कि कुछ भूमि को लेकर विवाद है. सिविल कोर्ट में केस चल रहा है, वे खुद विधिक शुल्क देकर केस लड़ रहे हैं.

गौशाला की जमीन यानी गोलमाल-घालमेल

कथित तौर पर दान में मिली रांची गौशाला की जमीन मूल रूप से सीएनटी एक्ट के दायरेवाली जमीन है. सोची समझी रणनीति के तहत सीएनटी एक्ट के दायरेवाली जमीन को जनरल जमीन बनाने का खेल हुआ है. गौशाला की इस जमीन को लेकर अब न सिर्फ समाज के लोग सवाल उठा रहे हैं, बल्कि अफसरों की भूमिका को भी संदिग्ध बता रहे हैं. पहले तो गौशाला की जमीन औने-पौने दाम पर बेचे जाने पर सवाल उठाये जा रहे थे. अब तो जमीन सीएनटी एक्ट के दायरे वाली होने पर भी सवाल उठाये जा रहे हैं. लोगों का कहना है कि आखिर अफसरों ने कैसे इस जमीन को जनरल लैंड बनाने का खेल किया और यह सब कब और किसके कार्यकाल में हुआ.

रजिस्टर्ड डीड में दर्ज नहीं है जमीन का विस्तृत ब्योरा

रांची में अक्सर जमीन की रजिस्ट्री के दौरान एक स्टांप डीड पर लगाया जाता है, जिस पर यह लिखा जाता है जमीन सीएनटी के दायरेवाली नहीं है. गोचर की भूमि नहीं है, सरकारी नहीं है और न ही सरकारी योजनाओं के लिए अधिग्रहित की गयी है. लेकिन गौशाला की जिस जमीन की रजिस्ट्री दूसरों को की गयी है, उस डीड में कही भी जमीन के इतिहास का उल्लेख नहीं है.

सुधि पाठकों से अपील

रांची गौशाला न्यास के सदस्यों की ही मानें और उन्होंने जो दस्तावेज उपलब्ध कराये हैं, उसके अनुसार गौशाला ती जमीन में और भी बड़े-बड़े खेल हुए हैं. सदस्यों द्वारा उपलब्ध कराये गये दस्तावेज के आधार पर जमीन तो लेकर हुए कैसे-कैसे खेल की विस्तृत जानकारी हम जारी करते रहेंगे. यदि रांची गौशाला न्यास की जमीन के हेराफेरी से संबंधित आपके पास भी कोई दस्तावेज या जानकारी है, तो आप **शुभम संदेश** के दफ्तर या मोबाइल- वाट्स ऐप नंबर 9142897989 या 7004087511 पर साझा कर सकते हैं. आपका नाम-पता गोपनीय रखा जाएगा. आपके सहयोग से हम जमीन के खेल और इसमें शामिल लोगों की कारगुजारियों को सार्वजनिक करते रहेंगे.

टूटी सड़कें, जाम नालियां, फैली गंदगी, सुध लेने वाला कोई नहीं, परेशान हैं लोग

इन्द्रपुरी व शिवपुरी की सड़कों पर चलना दूभर

तरुण चौबे। रांची

राजधानी रांची के रातूरोड स्थित वार्ड 30 के इन्द्रपुरी और शिवपुरी क्षेत्र में करीब पांच हजार की आबादी रहती हैं, लेकिन हल्की बारिश में ही पूरे क्षेत्र में जल जमाव और गंदगी का अंबार लग जाता है और परेशानी खड़ी हो जाती है. स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ महीने पहले सिवरेज पाइप बिछाने के नाम पर पूरे इलाके की गली को खोद कर सड़क खराब कर दी गई थी. उसके बाद स्थानीय लोगों द्वारा मिट्टी भर-भर कर सड़क को समतल किया गया था, पर कुछ दिनों पहले पाइप लाइन बिछाने के नाम पर फिर से सड़क खोद दी गयी है, जिसके कारण हल्की बारिश होते ही सड़क पर कीचड़ भर जाती हैं. इस समस्या पर न तो नगर निगम, न ही जुडको ध्यान दे रहा है. इस कारण से पूरे इलाके में गंदगी फैली पड़ी है. लोगों का कहना है कि नाली की भलीभांति सफाई नहीं होने की वजह क्षेत्र की नालियां गंदगी से अटी पड़ी हैं. नगर निगम से कहने के बावजूद इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जाता है. क्षेत्र में फैली गंदगी की वजह से लोग काफी परेशान हैं. इसके साथ पूरे इलाके में कई स्ट्रीट लाइट खराब हैं. जिसकी शिकायत कई बार कि गई, पर कोई बनाने नहीं आया है.

निगम जिम्मेवारी तय कर काम करे : काली प्रसाद

शिवपुरी निवासी काली प्रसाद चौधरी ने कहा कि पूरे इलाके में सड़क खोद कर छोड़ दी गयी है. इसके कारण हल्की बारिश होते ही इलाके में कीचड़ भर जाती हैं. इसकी वजह से लोगों के आने जाने में काफी परेशानी होती है. साथ ही साथ नाली की सफाई नहीं होने की वजह से गंदगी फैली पड़ी है. नाली गंदगी से अटी पड़ी है. हल्की बारिश से ही नाली की गंदगी घरों में घुसने लगती है. क्षेत्र की नालियों की सफाई बेहद जरूरी है. ताकि क्षेत्रवासियों को राहत मिल सके. नगर निगम की ओर से जिम्मेवारी तय कर इस पर ध्यान देने की जरूरत है.

नाली का बंद रास्ता खोलने की जरूरत :कुमार गौरव

कुमार गौरव ने कहा कि यहां नाली की सफाई बहुत कम होती है, इससे गंदगी बढ़ गई है. स्लैब जगह से हट कर नीचे चला गया. इससे पानी निकासी का रास्ता बंद है. स्लैब को ऊपर उठा का नाली खोलने की जरूरत है. इसमें सुधार नहीं हुआ तो गंदा पानी बहता रहेगा. इलाके में सड़कों को खोद कर छोड़ दिया गया है. इस कारण आने जाने वाले लोग काफी परेशान हैं. नगर निगम को इस ओर ध्यान देने की जरूरत है.

गली में फैली गंदगी, निगम का ध्यान नहीं : सुनील कुमार

शिवपुरी निवासी सुनील कुमार ने कहा कि पूरे क्षेत्र में चारों ओर गंदगी फैली पड़ी है. निगम का इस ओर सफाई में तनिक भी ध्यान नहीं है. हल्की बारिश में भी जगह जगह जल जमाव की परेशानी बन जाती है. इसका सबसे बड़ा कारण टूटी सड़कें हैं. टूटी सड़क के कारण लोगों का आना जाना मुहाल हो जाता है. क्षेत्र की बेहतर सफाई के लिए नगर निगम को ध्यान देने की जरूरत है.

नालियों की सफाई की है जरूरत : राकेश चौधरी

राकेश चौधरी ने कहा कि क्षेत्र में नालियों की सफाई बेहद जरूरी है. नाली की सफाई भी होती है तो आधी अधूरी सफाई कर निगम कर्मी चले जाते हैं. इसीलिए तो दो दिनों से हो रही हल्की बारिश में भी क्षेत्र में जल जमाव की परेशानी हो जा रही है. पानी की निकासी नहीं होने की वजह से नाली का पानी सड़क पर आ जा रहा है. इसकी सफाई बेहद जरूरी है. निगम को इस ओर ध्यान देने की जरूरत है.

सर्कुलर रोड पर उड़ते धूल से लोग परेशान

रांची। मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि सर्कुलर रोड पर पूरे रास्ते पर डस्ट और मिट्टी गिरायी गयी है, जिससे सड़क पर चलना मुश्किल हो रहा है. सड़क पर इतना अधिक धूल-मिट्टी उड़ रही है कि सुबह, दोपहर स्कूली बच्चों को स्कूल जाने व आने के समय काफी परेशानी हो रही है. उन्होंने कहा कि इस प्रदूषण से सांस की बीमारी हो सकती है. कहा कि गैस पाइपलाइन बिछाने के लिए वर्दवान कंपाउंड क्षेत्र में गड्ढा खोदा गया था, लेकिन पाइप लाइन बिछाने के बाद समतलीकरण नहीं किया गया, जिससे सड़क पर चलने में भारी परेशानी हो रही है, वाहनों से जाम अलग लगा रहता है. नगर निगम को इस दिशा में ध्यान देने की जरूरत है.

स्पेनिश महिला से दुष्कर्म पर झालसा ने खुद लिया संज्ञान

संवाददाता। रांची

दुमका में स्पेन की महिला के साथ रेप की घटना पर झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा) ने संज्ञान लेते हुए दुमका जिला प्राधिकार से रिपोर्ट मांगी है. झालसा ने महिला और उसके पति को सभी कानूनी सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है.

दोनों की सुरक्षा की झालसा के कार्यपालक अध्यक्ष और हाईकोर्ट के जस्टिस एसएन प्रसाद स्वयें मॉनिटरिंग कर रहे हैं. कानूनी प्रावधानों के तहत पीड़ित को अधिकतम दस लाख तक का मुआवजा, बेहतर इलाज और सभी कानूनी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी.दुमका के प्रधान जिला जज सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष ने इस संबंध में जो रिपोर्ट भेजी है, उसमें कहा गया है कि घटना के बाद तत्काल एक टीम का गठन किया गया. टीम सदर अस्पताल पहुंची और पीड़िता को चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराई गई. पीड़िता के पति से मुलाकात कर उनकी उचित देखभाल का भरोसा किया और इस मामले में लिप्त लोगों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जल्द गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया गया. रिपोर्ट में कहा गया है कि घटना के बाद पीड़िता भावनात्मक रूप से टूट गई है लेकिन शारीरिक स्थिति स्थिर है. बाद में दोनों को सर्किट हाउस में लाया गया. यहां पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है.

ब्रीफ खबरें

बीमारी से परेशान महिला ने कुएं में कूदकर दी जान

जमशेदपुर। टुइलाडुंगरी में कुएं से महिला का शव बरामद किया गया. रविवार सुबह लोगों ने कुंए में शव देखा, पुलिस को सूचना दी. पुलिस मौके पर पहुंची. शव को बाहर निकाला. मृतका की पहचान पंजाबी रिफ्यूजी कॉलोनी निवासी 37 वर्षीय बबली कौर के रूप में हुई. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा. परिजनों ने बताया, बबली अपने पति दिलबाग सिंह के साथ रहती थी. दिलबाग सीढ़ी से गिरने से दिव्यांग हो गए थे और उन्हें टीबी की बीमारी भी थी. वहीं बबली भी टीबी से ग्रस्त थी. दोनों के बच्चे नहीं थे पर किसी तरह दोनों गुजारा कर रहे थे. बीते कुछ दिनों से बबली परेशान रहा करती थी. सुबह थाने से फोन आया कि बबली का शव कुंए में पाया गया है.

शराब दुकानदार ने सब इंस्पेक्टर की कर दी पिटाई

संवाददाता। रांची

लालपुर थाना के सर्कुलर रोड स्थित एक शराब दुकानदार ने सब इंस्पेक्टर सुमन कुमार शर्मा की पिटाई की है. सब इंस्पेक्टर को पीटने के बाद दुकानदारों ने उनका आईडी कार्ड भी छीन लिया. इस मामले में सब इंस्पेक्टर ने शराब दुकान डोज के कर्मी सुमित नायक व अन्य के खिलाफ थाना में एफआईआर दर्ज कराया है.

प्रिंट रेट से अधिक कीमत ले रहा था दुकानदार : सब इंस्पेक्टर अपने मित्र शुभांशु, भरत उरांव और सुमित कुमार के साथ शनिवार रात 8 बजे डोज शराब दुकान बियर लेने गये थे. दुकानदार प्रिंट रेट से अधिक कीमत ले रहा था.इसका विरोध करने पर डोज कर्मी ने इन सभी को धमकी दी और विरोध करने पर जमकर पिटाई कर दी. हालांकि सब इंस्पेक्टर सुमन कुमार शर्मा ने अपना परिचय दिया. जिसके बाद भी डोज कर्मी इनकी बात नहीं माने और पिटाई करते रहे. जब सुमन कुमार शर्मा ने अपना आईडी कार्ड दिखाया तो डोज कर्मियों ने उनका आईडी कार्ड भी छीन कर रख लिया. फिलहाल इस मामले में एफआईआर दर्ज कर लिया गया है. जांच की जा रही है.

मामला दर्ज

बड़े इलाके में दो घंटे नहीं रही बिजली

रांची। डोरंडा डिविजन अंतर्गत कई मोहल्लों में रविवार को दो से ढाई घंटे बिजली आपूर्ति ठप रही. सुबह 11 बजे से कुसई में 10 एमवीए का पावर ट्रांसफॉर्मर चढ़ाने और चालू करने का काम किया जा रहा था, जिसके कारण शटडाउन लिया गया था. ट्रांसफॉर्मर चढ़ाने के बाद सभी क्षेत्रों में बिजली बहाल कर दी गई. बीच में मौसम खराब होने की वजह से भी कई मोहल्लों में फ्यूज कॉल आया. जिसके मरम्मत को लेकर भी कुछ समय के लिए आपूर्ति ठप रही. जो आधे घंटे के अंतराल में सभी फीडरों को चालू कर दी गई. इससे डोरंडा, मणिटोला, कुसई, घाघरा, डोरंडा बाजार, दर्जी मोहल्ले, हिनू, अनंतपुर, एयरपोर्ट रोड सहित कई इलाके घंटों प्रभावित रहे.

राजनीति राज्यसभा चुनाव के लिए अधिसूचना आज, नामांकन होगा शुरू

भाजपा आशा लकड़ा पर आजमाएगी जोर!

संवाददाता। रांची

नामांकन वापसी की अंतिम तिथि 14 मार्च निर्धारित

- गठबंधन के कांग्रेस-झामुमो में सस्पेंस बरकरार, अब तक किसी दल ने नहीं की प्रत्याशी की घोषणा

झारखंड में राज्यसभा की दो सीटों पर चुनाव के लिए सोमवार को अधिसूचना जारी होगी. इसी के साथ नामांकन शुरू हो जाएगा. हालांकि अभी अभी किसी भी दल ने अपने प्रत्याशी की घोषणा नहीं की है. नामांकन की अंतिम तिथि 11 मार्च है. रास की दो सीटों पर चुनाव के लिए 21 मार्च को वोट होगा. इसी दिन शाम 5 बजे तक चुनाव का नतीजा जारी कर दिया जाएगा.

बता दें कि रास सदस्य धीरज साहू तथा समीर उरांव का कार्यकाल 3 मई को खत्म हो रहा. रिक्त होने वाली इन सीटों के लिए ही चुनाव होना है. चुनाव आयोग के अनुसार, नामांकन खत्म होने के बाद 12 मार्च को नामांकन की जांच होगी. नामांकन वापसी की अंतिम तिथि 14 मार्च निर्धारित की गई है. 21 मार्च को चुनाव पूर्वाह्न नौ बजे से शाम चार बजे तक होगा. प्रत्याशियों के नामों को लेकर दलों में चल रही चर्चा के अनुसार, रांची नगर निगम की पूर्व महापौर आशा लकड़ा को भाजपा प्रत्याशी बना सकती है. समीर उरांव को लोकसभा चुनाव के लिए लोहरदगा से उम्मीदवार बनाए जाने के कारण तय हो गया है कि भाजपा अपना कोई दूसरा उम्मीदवार देगी.

इंडिया गठबंधन से बनाया जा सकता है उम्मीदवार

जहां तक इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी की बात करें, तो गांडेय से विधानसभा सदस्य रह चुके सरफराज अहमद को राज्यसभा चुनाव में प्रत्याशी बनाया जा सकता है. हालांकि, इसके लिए कांग्रेस की रजामंदी भी जरूरी होगी. बता दें कि सरफराज ने हाल ही में गांडेय विधानसभा सीट से त्यागपत्र दे दिया था. उस समय कहा जा रहा था कि झामुमो हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी की स्थिति में उनकी पत्नी कल्पना सोरेन को मुख्यमंत्री बनाकर उन्हें गांडेय से उपचुनाव लड़ा सकता है. इस संभावना को देखते हुए ही उक्त सीट खाली कराई गई थी. हालांकि कल्पना सोरेन की जगह चंपाई सोरेन को मुख्यमंत्री बना दिया गया. इधर, गांडेय उपचुनाव होगा या नहीं इसपर फिलहाल संशय बना हुआ है.

रिम्स ओपीडी

विभाग — डॉक्टर का नाम

- मेडिसिनः डॉ विद्यापति
- सर्जरीः डॉ शीतल मलुआ
- कार्डियोलॉजीः डॉ प्रकाश कुमार
- ऑर्थोपेडिकः डॉ विनय प्रभात
- न्यूरोसर्जरीः डॉ सीबी सहाय
- टीबी एवं चेस्टः डॉ ब्रजेश मिश्रा
- ऑब्स गायनीः डॉ एसबी सिंह
- सीटीवीएसः डॉ अंशुल कुमार
- न्यूरोलीजीः डॉ सुरेंद्र कुमार
- ईएनटीः डॉ आरके चौधरी
- सायकेट्रीः डॉ अजय बाखला
- प्लास्टिक सर्जरीः डॉ विक्रांत रंजन
- पीएमआरः डॉ अमित चैतन्य
- रेडिशन ऑन्कोलॉजीः डॉ अनूप
- सर्जिकल ऑन्कोलॉजीः डॉ अजीत कुमार कुशवाहा
- यूरोलॉजीः डॉ अरशद जमाल व डॉ राणा प्रताप सिंह

सदर अस्पताल

- मेडिसिनः डॉ बीएन पोद्दार, डॉ रुचिका
- कार्डियोलॉजीः डॉ राकेश झा
- यूरोलॉजीः डॉ पंकज कुमार
- पीडियाट्रिक सर्जरीः डॉ मोहम्मद इमरान
- ऑब्स एंड गायनीः डॉ वंदिता, डॉ समरीना कमल और डॉ उमा सिन्हा
- पीडियाट्रिक : डॉ अमरेश
- हेमाटोलॉजीः डॉ अभिषेक रंजन
- गैस्ट्रोएंटरोलॉजीः डॉ जयंत घोष

शहर में आज

1. बीएयू में राज्यपाल का कार्यक्रम, दोपहर 12 बजे
2. जिला निर्वाचन पदाधिकारी का सोशल मीडिया अभियान हाली क्रास स्कूल लालपुर में दिन के 10 बजे
3. इंटरनेशनल ट्रेड फेयर का चौथा दिन, मोरहाबादी में दिन के 11 बजे
4. शहर के अन्य हिस्सों में कार्यक्रम दिन के 10 बजे से

ब्रीफ खबरें

भाजपा का आजसू के साथ पुराना संबंध : अमर

रांची। भाजपा विधायक दल के नेता अमर बाउरी ने रविवार को कहा कि भाजपा का आजसू के साथ पुराना संबंध रहा है. उन्होंने कहा कि फल और फूल एक साथ है. इसमें किसी को शक नहीं होना चाहिए. लोकसभा चुनाव में गिरिडीह सीट आजसू के खाते में है. यहां से आजसू जिसे भी प्रत्याशी देगा उसे भाजपा के नेता और कार्यकर्ता मेहनत कर जिताएंगे. अमर कुमार बाउरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जलवा ऐसा है कि प्रत्येक सीट पर हमारी जीत होगी. चुनाव चिन्ह कोई रहे, चेहरा कोई रहे, भाजपा जीतेगी. उन्होंने कहा कि पहली सूची में 11 लोगों के नाम तय कर दिए गए हैं. सभी के सभी चुनाव जीतेंगे. साथ ही कहा कि जल्द ही धनबाद और चतरा सीट पर प्रत्याशी के नाम की घोषणा कर दी जाएगी.

होमगार्ड वेलफेयर एसो. की सभा 10 को

रांची। झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन की आमसभा 10 मार्च को आयोजित की जाएगी. प्रदेश अध्यक्ष रवि मुखर्जी ने रविवार को बताया कि 10 मार्च को धुर्वा गोलचक्कर स्थिति मैदान में झारखंड राज्य के होमगार्ड जवानों की आम सभा बुलाई गयी है. उन्होंने कहा कि राज्य के सभी होमगार्ड जवानों से यह अपील की है कि 10 मार्च को समय 10 बजे धुर्वा गोल चक्कर स्थित मैदान में ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचे. आमसभा में होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से सदस्यों की समस्याओं को लेकर विचार मंथन किया जाएगा और उनके समाधान पर चर्चा होगी.

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में चल रहे एग्रोटेक मेले का दूसरा दिन, 165 पशुपालकों ने भी अपने स्टॉल लगाए हैं, कृषक गोष्ठी आयोजित

किसानों के उत्पाद बिचौलिए-जमाखोर कम मूल्य पर खरीद रहे : रविंद्र महतो

संवाददाता । रांची

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में चल रहे एग्रोटेक मेले के दूसरे दिन मुख्य अतिथि के तौर पर झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो शामिल हुए. इनके अलावा राज्यसभा सांसद महुआ माजी और रांची की पूर्व मेयर आशा लकड़ा शामिल रहीं. मेले के दूसरे दिन पशु-पक्षी का प्रदर्शनी लगाया गया है. इस प्रदर्शनी में आसपास के एक दर्जन से अधिक गांवों के 165 पशुपालकों ने अपनी गाय, भैंस, पाड़ा, पाड़ी, बैल, मुर्गी, बकरी, सूअर, खरगोश, बत्तख आदि प्रदर्शित की है. मेले में महिला कृषक गोष्ठी भी आयोजित की गई, जिसे संबोधित करते हुए राज्यसभा

सांसद डॉ. महुआ माजी ने कहा कि झारखंड में प्राकृतिक समृद्धि बहुत अधिक है, फिर भी यहां के अधिकतर लोग गरीब हैं. झारखंड से मजदूरों का पलायन रोकने और मानव तस्करी रोकने के लिए हेमंत सरकार ने बहुत सी कल्याणकारी योजनाएं शुरू की, जिसके सकारात्मक परिणाम मिलने शुरू हो गए हैं.

रविंद्र महतो ने कहा कि किसानों का अधिकतर उत्पाद बिचौलिए और जमाखोर कम मूल्य पर एक साथ खरीद कर भंडारित कर लेते हैं और थोड़ा समय बाद ज्यादा मूल्य पर बेचते हैं. इससे किसानों को कम और बिचौलियों को ज्यादा लाभ होता है. किसानों को उनके कृषि और पशु उत्पादों का सही मूल्य दिलाना सबसे बड़ी चुनौती है, उन्हें समुचित मूल्य मिलने लगे तो उनकी आधी समस्या का समाधान हो जाएगा. उन्होंने आगे कहा कि बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित एग्रोटेक किसान मेला में रविवार को किसानों और वैज्ञानिकों को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा की झारखंड की मुश्किल से 40 प्रतिशत भूमि में ही खेती हो पाती है, शेष 60 प्रतिशत में भी उस मिट्टी और भू-आकृति के अनुरूप फसल लेने की कार्य योजना बननी चाहिए. उन्होंने कहा कि जाड़ा, गर्मी, बरसात सभी मौसम में किसान सूर्योदय से पहले ही खेत में पहुंच जाते हैं और देश भूखा नहीं रहे, इसके लिए दिनभर कड़ी मेहनत करते हैं. इसलिए उनके पेशे को पूरा सम्मान देना चाहिए.

रांची की पूर्व मेयर आशा लकड़ा ने कहा कि राज्य में रोपाई, निराई, गुड़ाई, कटनी, दौनी आदि लगभग 80 प्रतिशत कृषि कार्य महिलाएं ही संपादित करती हैं इसलिए उन्हें नवोन्मेषी तकनीक अपनाकर अपने श्रम, समय और लागत की बचत करनी चाहिए. उन्होंने मड़ुवा, गुंदली, कोदो जैसे श्रीअन्न की खेती बढ़ाने तथा फल-सब्जी के प्रसंस्कृत उत्पाद तैयार करने पर जोर दिया. कुलपति डॉ सुनील चंद्र दुबे ने कहा कि मेला का थीम कृषि नवाचारों द्वारा पोषण, आय एवं रोजगार संवर्धन रखा गया है. झारखंड में कुपोषण एवं अल्प पोषण एक प्रमुख मुद्दा है, जिसके लिए ज्यादा पोषक अनाज और फल सब्जी के उत्पादन व उपभोग पर बल दिया जा रहा है.

भाजपा की बैठक में मरांडी ने कहा : हर कार्यकर्ता एक बूथ, एक गांव को गोद ले

पूर्ण योजना से एनडीए के 400 पार का संकल्प पूरा करें : बाबूलाल मरांडी

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा प्रदेश कार्यालय में रविवार देर शाम नवगठित चुनाव प्रबंधन समिति की बैठक हुई, जिसमें अलग-अलग विभागों की रचना के अनुसार कार्यकर्ता उपस्थित रहे. बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि चुनाव कार्य का प्रबंधन एक महत्वपूर्ण हिस्सा है. पार्टी हमेशा पूर्व योजना और पूर्ण योजना पर काम करती है, जिसके कारण सफलता मिलती है. मरांडी ने कहा कि सभी विभाग महत्वपूर्ण है, जिन्हें जो जिम्मेवारी मिली है उसे पूरा कराना है. हमारा लक्ष्य अपने विभाग को यशस्वी बनाना होना चाहिए. उन्होंने कहा कि प्रदेश के कार्यकर्ता को बूथ तक के कार्यकर्ता को सहयोगी बनना है. उन्होंने कहा कि हर कार्यकर्ता एक बूथ, एक गांव को गोद ले. वहां सर्वाधिक वोट पार्टी के पक्ष में मिले इसे सुनिश्चित कराना भी हमारा दायित्व है.

प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि पार्टी के कार्यकर्ता अब बड़े लक्ष्य को आसानी से पूरा करने के लिए अपने-अपने विभाग के सुचारू संचालन में जुट जाएं. रोड मैप बनाकर काम करने से सफलता आसान हो जाती है. उन्होंने कहा कि जनता का मिजाज भाजपा के साथ है. हम सब को उनके दरवाजे पर बार बार दस्तक देना है. उन्होंने कार्यकर्ताओं को सभी विभागों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी और कार्यों पर चर्चा की. बैठक में नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, समिति के संयोजक एवं सांसद आदित्य साहू, डॉ प्रदीप वर्मा, मनोज सिंह, मृत्युंजय शर्मा सहित प्रदेश के पदाधिकारी, विभाग के संयोजक और सह संयोजक उपस्थित थे.

खास बातें

- प्रदेश भाजपा कार्यालय में हुई चुनाव प्रबंधन समिति की बैठक
- प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह भी रहे उपस्थित

यूथ इंटक के प्रदेश अध्यक्ष रवि चौबे समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल

यूथ इंटक के प्रदेश अध्यक्ष रवि चौबे अपने समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हो गये. रवि चौबे बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री स्व बिंदेश्वरी दुबे के नाती हैं. भाजपा प्रदेश मुख्यालय में आयोजित मिलन समारोह में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने रवि चौबे और उनके समर्थकों को भाजपा की सदस्यता दिलाई. मौके पर भाजपा विधायक दल के नेता अमर बाउरी भी मौजूद थे. बाबूलाल मरांडी ने मिलन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पूरे देश के साथ झारखंड भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए तैयार है.

इन लोगों ने ली भाजपा की सदस्यता

कांग्रेस झामुमो छोड़कर भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने वालों में राहुल प्रभात, अंजनी पांडे, सखर आलम, बिलाल शेख, रिजवान अंसारी, अजीत टुडू, विश्वनाथ मरांडी, अजय मराण्डी, जय प्रकाश, राज शुक्ला, विनोद पासवान, भीम सिंह, विश्वजित सिंह, अजित टुडू, विश्वनाथ मरांडी, नवीन प्रकाश, राज शुक्ला, रविरंजन प्रसाद, मंतोष पाठक, सत्यजीत गुरु, रोशन झा, अश्विनी मिश्रा, अमित कुमार, अजय मरांडी, जयप्रकाश महतो, राजेश गोराई, संतोष यादव, संतन शर्मा, मधुसूदन शर्मा आदि शामिल हैं.

भाजपा की नीति और नियत स्पष्ट है : रवि

रवि चौबे ने बाबूलाल मरांडी और अमर बाउरी सहित प्रदेश नेतृत्व का पार्टी की सदस्यता दिलाने के लिए आभार प्रकट किया. कहा कि भाजपा ही ऐसी एकमात्र पार्टी है जिसकी स्पष्ट नीति है, विकास का संकल्प और नीयत है. कहा कि मैंने पार्टी के कार्यक्रमों से प्रभावित होकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है. पार्टी के संकल्प को पूरा करने में पूरी ताकत लगा दूंगा.

---

13 किलो गांजा और नशीले पदार्थ के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता। रांची

नशा कारोबार के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई की है. एसएसपी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने कार्रवाई की. इस दौरान 13 किलो गांजा और अन्य नशीले पदार्थ के साथ एक व्यक्ति को पंडरा ओपी क्षेत्र के आईटीआई बस स्टैंड के पास से गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार तस्कर का नाम अजीत कुमार साहू है, वह मूल रूप से खूंटी के अड़की थाना क्षेत्र का रहने वाला है, और वर्तमान में पंडरा में रहता है. रविवार को अपने ऑफिस में सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी जानकारी दी.

मुनाफे के लिए करता था गांजा का कारोबार : गिरफ्तार हुए अभियुक्त अजीत कुमार ने पुलिस को बताया कि वो गांजा का अवैध व्यापार निजी मुनाफे के लिए करता था. अजीत का अपराधिक इतिहास रहा है. साल 1999 में वो अड़की थाना खूंटी से जेल गया था.

लोअर बाजार पुलिस ने अवैध हथियार के साथ युवक को दबोचा

संवाददाता। रांची

रांची पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर लोअर बाजार थाना क्षेत्र में छापेमारी कर अवैध हथियार के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार युवक की पहचान सैकी दीन उर्फ सैकी कच्छप (28) के रूप में हुई है. वह पुरुलिया रोड एजी चर्च के पास कांटाटोली का रहनेवाला है. पुलिस ने उसके पास से एक 7.065 बोर की पिस्टल, दो मैगजीन,

तीन जिंदा गोली बरामद की है. गिरफ्तार आरोपी सैंकी पर डोरंडा थाना में आर्म्स एक्ट और हत्या के प्रयास का मामला दर्ज है. वह गुमला से भी जेल जा चुका है.

कुड़मी जाति को न्याय नहीं मिला तो लोकसभा चुनाव में वोट नहीं देंगे

संवाददाता। रांची

विगत 25 फरवरी को रांची के मोरहाबादी मैदान में संपन्न हुई टोटेमिक कुड़मी/कुरमी मोर्चा की हुंकार महारैली की समीक्षा बैठक रविवार को शीतल ओहदार की अध्यक्षता में हुई. उन्होंने कहा कि 25 फरवरी को रांची के मोरहाबादी मैदान में हुई टोटेमिक कुड़मी/कुरमी हुंकार महारैली ऐतिहासिक रही. महारैली में शामिल हुए सभी लोगों के प्रति आभार प्रकट किया और कहा कि सरकार अविलंब टोटेमिक कुड़मी/ कुरमी (महतो) जनजाति को अनुसूचित जनजाति की सूची में सूचीबद्ध करने और कुड़माली भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग के साथ लोकसभा में सबक सिखाने का कार्य करेंगे. उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि कुड़मी जाति को न्याय नहीं मिला तो लोकसभा चुनाव में वोट नहीं देंगे. मौके पर रणधीर चौधरी, रामपोदो महतो, ओम प्रकाश महतो, राजेंद्र महतो, सुषमा देवी, कपिलदेव महतो, हेमलाल महतो, रचिया महतो, थानेश्वर महतो, रूपलाल महतो, सोनालाल महतो, लबूलाल महतो, अनिल महतो, मिथिलेश महतो, प्रदीप महतो, रामदयाल महतो, अघनू महतो, बीरेंद्र महतो, बिनोद बिहारी महतो, सुरेश महतो, रावंती देवी, लालो देवी आदि शामिल थे.

नगड़ी प्रखंड के पीडीएस डीलर सरन तिर्की का लाइसेंस निलंबित किया

रांची। नगड़ी प्रखंड के जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) डीलर के खिलाफ कार्रवाई की गयी है. रांची जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप भगत ने सपारोम पंचायत के राशन डीलर सरन तिर्की का लाइसेंस (अनुज्ञप्ति संख्या-02/96) निलंबित कर दिया है. जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) डीलर शरण तिर्की के खिलाफ कार्डधारी से राशन कार्ड प्रिंट कराने के नाम पर पैसे वसूली की शिकायत मिली थी. साथ ही डीलर राशन कार्डधारियों को डिजिटल वेइंग मशीन की जगह तराजू से तौलकर राशन देता था. शिकायत मिलने के बाद जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने औचक निरीक्षण किया. जांच के क्रम में शिकायत सही पायी गयी. जिसके बाद डीलर का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया. इनके निलंबन के बाद से क्षेत्र में पीडीएस डीलरों के बीच हड़कंप मचा हुआ है.

आप रांची महानगर अध्यक्ष ने थामा आजसू का दामन, सुदेश ने कहा-

'राज्य सरकार ने हर वर्ग को दुखी किया'

संवाददाता। रांची

आजसू पार्टी के नेता सुदेश कुमार महतो ने कहा कि राज्य में वर्तमान हालात अच्छे नहीं हैं. इससे समाज का हर वर्ग दुखी और निराश है। साथ ही गलत नीति निर्धारण से प्रगति का पथ भी अवरुद्ध हुआ है. सुदेश कुमार महतो रविवार को केंद्रीय कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह में बोल रहे थे. इस दौरान आम आदमी पार्टी के रांची महानगर अध्यक्ष सतेंद्र सिंह के नेतृत्व में आप के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पार्टी का दामन थामा. पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने वाले सभी लोगों का स्वागत करते हुए सुदेश कुमार महतो ने कहा कि राज्य और राज्य की राजनीति को नई दिशा देने के लिए आप सभी का आजसू पार्टी में स्वागत है. राज्य में सकारात्मक राजनीतिक परिवर्तन लाने के लिए इच्छाशक्ति का होना आवश्यक है. हम सभी को मिलकर प्रदेश को फिर से अविराम गति से तरक्की के पथ पर

लेकर जाना है. प्रदेश की अच्छाइयों पर जोर देना होगा.

उन्होंने बिगड़ती कानून व्यवस्था के लिए सीधे तौर पर सत्ता को जिम्मेदार बताया. साथ ही कहा कि राज्य को कैसा देखना चाहते हैं यह हमारी सोच में होना चाहिए. आप सभी प्रदेश के दुःख और सुख से जुड़ाव रखने वाले नेता हैं. आजसू के मंच से आप सभी जनता के हक अधिकार की आवाज उठाने का काम करें. मौके पर पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने वाले सतेंद्र सिंह ने कहा कि झारखंड के विकास के उद्देश्य से आजसू पार्टी में शामिल हुआ हूं. झारखंड राज्य के समस्त समस्याओं को दूर करने का प्लेटफॉर्म आजसू है. आजसू युवाओं, मूलवासियों के कल्याण करने वाली पार्टी है. 2024 में हमारी सरकार बनेगी. मिलन समारोह में अखिल झारखंड बुद्धिजीवी मंच के अध्यक्ष डोमन सिंह मुंडा, महासचिव मुकुंद चंद्र मेहता, पार्टी केंद्रीय उपाध्यक्ष हसन अंसारी, मुख्य प्रवक्ता देवशरण भगत, राजेन्द्र मेहता, तरुण गुप्ता, मोसिन खान, रांची जिला अध्यक्ष संजय महतो, वीणा देवी, एस अली मुख्य रूप से उपस्थित रहे.

रेलवे ट्रैक से अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद जांच में जुटी पुलिस

रांची। तुपुदाना-बालसीरिंग रेलवे ट्रैक में रविवार को एक अज्ञात व्यक्ति (44) का शव पुलिस ने बरामद किया. अबतक मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। मृतक काले रंग टीशर्ट पहने हुए था. ग्रामीणों की ओर से आशंका जताई जा रही है कि व्यक्ति की हत्या कर साक्ष्य छुपाने के लिए अपराधियों ने रेलवे ट्रैक में शव को फेंका दिया होगा. घटना की सूचना मिलते ही तुपूदाना ओपी थाना प्रभारी मीरा सिंह के निर्देश पर पुलिस बल के जवान घटनास्थल पहुंचे. साथ ही जीआरपीएफ हटिया पुलिस को घटना की सूचना दी. पुलिस की ओर से आस-पास के लोगों को बुलाकार मृतक की पहचान करायी गयी, लेकिन किसी ने मृतक की शिनाख्त नहीं की.धुर्वा थानेदार राजेश कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है, लेकिन अबतक शव की पहचान नहीं हो सकी है. प्रथम दृष्ट्या मामला रेल से कटकर मौत का प्रतीत होता है.

मेले में रौनक — 11 दिवसीय इंडिया इंटरनेशनल मेगा ट्रेड फेयर का तीसरा दिन, भारी संख्या में उमड़ रहे खरीदार

लुभा रहे हैं खूबसूरत बर्तन, सजावटी आइटम, मखमली चादरें

संवाददाता। रांची

इंडिया इंटरनेशनल मेगा ट्रेड फेयर का आयोजन मोरहाबादी मैदान में किया गया है. रविवार को 3 दिन पूरे हुए. आयोजन 11 मार्च तक जारी रहेगा. यहां करीब 375 स्टॉल्स सज चुके हैं. सभी दुकानदार अपने स्टॉलों के प्रचार में जुट गये हैं. यहां दुबई, थाईलैंड, ईरान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, टर्की, घाना, मलेशिया समेत 12 देश व 20 राज्यों के स्टॉल्स सजे हैं. झारखंड चैंबर, बंगाल चैंबर व जीएस मार्केटिंग की पहल पर रांचीवासियों के लिए ट्रेड फेयर को रूप दिया गया है. जहां घर की जरूरतों की सारी चीजें इसे ट्रेड फेयर

में लोगों को उपलब्ध है. दुबई के ईत्र, टर्की के लैंप, थाईलैंड के एक्सेसरीज, बांग्लादेश की साड़ी, ईरान की शहद समेत मुरादाबादी के खूबसूरत बर्तन, कोलकाता के सजावटी आइटम, जयपुर के मखमली चादरें, मुंबई के आभूषण समेत मुख्य आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं.

लोहरदगा की कलाकृतियां : लोहरदगा की संगीता देवी, अहेलिया देवी अनोखी कलाकृतियां तैयार कर स्टाल सजाया है. स्टॉल में मकई के पत्ते के फूल, पाड़ के पत्ते को गोल्ड कलर कर बनाया, लीची के छिलके से फूल का रूप दिया, केले के पेड़ के छाल से फूल बनाया जो 20 से 40 रूपये के हिसाब से बिक रहे हैं.

वाटर लेस कूलर की अच्छी मांग : मुंबई के राहुल देसाई यहां वाटर लेस कूलर लगा कर बेच रहे हैं. कूलर की कीमत 550 रुपये है. इसके 3 साल तक की मेंटेनेंस की वारंटी दी जायेगी. वाटर लेस होने की वजह से लोग अधिक पसंद कर रहे हैं.

प्रिंटेड कपड़े लोग कर रहे पसंद : दिल्ली के सुखपाल सिंह ने बताया कि प्रिंटेड कपड़ों का स्टॉल सजाया है. यहां कुर्ती, कली कुर्ता, फ्रॉक सूट, टॉप, पंजाबी कुर्ती, बच्चों के कपड़े बिक रहे हैं. इनकी कीमत 200 रुपये से 1000 रुपये तक के हैं.

अल्यूमिनियम फोल्डिंग टेबल पसंद कर रहे लोग

मुंबई के अतिम कुमार ने यहां अल्यूमिनियम फोल्डिंग टेबल का स्टॉल लगाया है. इस टेबल को 5 रूप में बदला जा सकता है. यह टेबल डाइनिंग टेबल, सेंटर टेबल, बेंच, सोफा, टू सिटर टेबर बन जाता है. इसकी कीमत 9800 रुपये है, यहां छूट देते हुए 7200 रुपये में ग्राहकों को उपलब्ध कराया जा रहा है.

दुबई के चॉकलेट रांची में

दुबई के चाकले सजे स्टॉल में, दुर्गे तिवारी ने बताया कि यहां 10 रुपये 500 रुपये तक के चॉकलेट मिल रहे हैं. योनो टॉफी 200 रुपये, बरफी चौको, 200 रुपये, मैजिक कॉफी 20 रुपये, कैंडी 50 रुपये समेत कई तक के चॉकलेट बिक रहे हैं.

सुरक्षा की व्यवस्था

ट्रेड फेयर आने वालों की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था की गई है. सुरक्षा के मद्देनजर फायर फाइटिंग, प्राथमिक उपचार के लिए मेडिकल टीम, एंबुलेंस की व्यवस्था भी है, ताकि जरुरतमंदों को चिकित्सीय सुविधा भी उपलब्ध कराया जा सके.

संतोष कुमार सोनी समर्थकों के साथ जदयू में हुए शामिल

संवाददाता। रांची

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव सह पश्चिम बंगाल प्रभारी एवं एसएफसी मोटिया - मजदूर संघ के केंद्रीय अध्यक्ष संतोष कुमार सोनी अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ रविवार को जदयू में शामिल हुए. हरमू स्थित स्वागतम बैंक्वेट हाल में आयोजित मिलन समारोह में जदयू के प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद खीरू महतो ने उन्हें जदयू की सदस्यता ग्रहण कराई. मिलन समारोह की अध्यक्षता संतोष कुमार सोनी और मंच संचालन तपन राजवार ने किया.

मौके पर खीरू महतो ने कहा की संतोष कुमार सोनी का जदयू परिवार में स्वागत है. उन्होंने कहा कि मेरे राजनीतिक जीवन की शुरुआत मजदूर नेता के रूप में हुई. आधुनिक भारत के निर्माण में मज़दूरों की भूमिका अहम है और जदयू मज़दूर हित में निरंतर कार्य करती रहेगी. साथ ही उनकी मांगों को लेकर संघर्ष करेगी.

खास बातें

- कांग्रेस कमेटी के पदधारी रह चुके हैं संतोष कुमार सोनी
- सांसद खीरू महतो ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई

श्रीश्याम हवेली में खाटू नरेश के दर्शन को उमड़े श्रद्धालु

श्रीश्याम को चढ़ाया छप्पन और सवामनी भोग

राजन बॉबी। रांची

श्रीश्याम हवेली में परिणत दुर्गा बाड़ी परिसर रविवार को श्रद्धा, भक्ति और उल्लास से गुलजार रहा. यहां श्रीश्याम परिवार के निशान अमृत महोत्सव के अंतिम दिन सुबह से रात 11 बजे तक भक्ति के विविध कार्यक्रम हुए. पूजा-पाठ के साथ प्रभु को छप्पन और सवामनी भोग लगाया गया. नृत्य-गीत के साथ फूलों की होली भी खेली गयी. स्थानीय और बाहर से आये भजन गायकों ने खाटू नरेश के दरबार में हाजिरी लगा सब को झुमाया. श्रीश्याम भक्त दिन दुनिया से बेखबर हो अपने इष्ट को रिझाने में जुटे रहे.

इन्होंने दिया योगदान : अध्यक्ष श्रवण जालान, महामंत्री मंटू जालान, महोत्सव संयोजक कमल जालान बंकट,अशोक धानुका, जयदीप राज, पवन लोहिया,राहुल अग्रवाल, अमित चौधरी, पवन जालान, गोपाल चंगाल, पवन शर्मा, मदन सोनी, प्रकाश दलानिआ, महेश सोनी, मनोज अग्रवाल, निरंजन लाल तोदी, विनय भाटिया, आतिश सिंह, विमल झुनझुनवाला, सुनील साबू , अजय केडिया आदि इसके सफल आयोजन में मुख्य योगदान दिया.

मनोहारी श्रृंगार ने मोहा मन

श्रीश्याम हवेली में श्रीश्याम की मनोहारी झांकी ने सब का मन मोहा. सुबह छह बजे पूजा-अर्चना कर श्रीश्याम प्रभु के दिव्य शीश का अलौकिक श्रृंगार किया गया. दर्शन-पूजन को दिनभर दर्शनार्थियों का तांता लगा रहा. श्रद्धालु आते अपने इष्ट का दर्शन कर छप्पन और सवामनी भोग लगाते. फिर भक्ति की बह रही सरिता में डूब जाते देर रात तक ऐसा ही सिलसिला चलता रहा.

501 श्रद्धालुओं ने किया सुंदरकांड का सस्वर पाठ

श्रीश्याम हवेली सुबह साढ़े आठ से दिन के एक बजे तक सुंदरकांड पाठ से गुंजायमान रहा. पाठ वाचक सुरेश जी बजाज के सान्निध्य में 501 श्रद्धालुओं ने सस्वर पाठ कर श्रीराम और हनुमान जी के श्रीचरणों में श्रद्धा अर्पित की. पाठ के दौरान प्रस्तुत भजनों के क्या कहने. भक्तगण सुमधुर भक्ति गीतों पर झूमते हुए अलौकिक दुनिया में देर तक खोए रहे.

भजन गायकों ने खूब झुमाया

श्रीश्याम निशान अमृत महोत्सव के अंतिम दिन स्थानीय और बाहर से आये भजन गायकों ने खूब झुमाया. दिन के डेढ़ बजे पहले श्रीहनुमान मंडल और स्थानीय भजन गायक पवन शर्मा, मदन सोनी और जुगल दरगढ़ आदि ने एक से बढ़ कर एक श्रीश्याम भजन प्रस्तुत कर सब को झुमाया. इनके बाद जयपुर के अमी, राजस्थान की रजनी और पानीपत के आशु वर्मा ने प्रभु के दरबार में हाजिरी लगा भक्ति के खूब रंग बिखेरे.

भक्तों ने खेली पुष्पों की होली

श्रीश्याम निशान अमृत महोत्सव में इत्र वर्षा कर भक्तों ने पुष्पों से खूब होली खेली. पारंपरिक राजस्थानी गीत-संगीत पर घूमर कर श्रीश्याम संग होली खेलने का अद्भुत नजारा मनमोहक रहा. महिला-पुरुषों की टोली भक्ति के साथ मस्ती के आनंद सागर में गोता लगाते रहे.

101 विवाहित जोड़ों ने उतारी आरती

श्रीश्याम हवेली में रात 11 बजे श्रीश्याम की महाआरती उतारी गयी. 101 विवाहित जोड़ों ने नेम-निष्ठा से प्रभु की आरती उतारी. इसी के श्रीश्याम परिवार का तीन दिनी उत्सव संपन्न हो गया. अंत में सभी के बीच प्रसाद रूप में फल, फूल और मिष्टान्न आदि बांटे गये.

अमेरिकी महावाणिज्य दूतावास के अधिकारियों से झारखंड चैंबर ने की वार्ता

झारखंड की अर्थव्यवस्था व विकास की संभावनाओं पर विचार-विमर्श

खास बातें
- औद्योगिक इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए तैयार अनुकूल माहौल की प्रशंसा
- पलायन रोकने को स्थानीय स्तर पर औद्योगिकीकरण आवश्यक

संवाददाता। रांची

अमेरिकी महावाणिज्य दूतावास कोलकाता के आर्थिक और राजनीतिक मामलों के जानकार काजी रुम्मन दस्तमीर और राजनीतिक विशेषज्ञ टिंकू रॉय ने झारखंड प्रवास के दौरान झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों के साथ अनौपचारिक मुलाकात की. होटल रेडिशन ब्लू में हुई मुलाकात के दौरान झारखंड प्रदेश की अर्थव्यवस्था और विकास की संभावनाओं पर सकारात्मक चर्चा हुई. साथ ही सुझावों का आदान-प्रदान हुआ.

काजी रुम्मन दस्तमीर ने झारखंड में औद्योगिक इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए तैयार अनुकूल माहौल और यहां के कुशल श्रमबल की प्रशंसा की. साथ ही अर्थव्यवस्था के विकास के लिए जरूरी संभावनाओं की लक्ष्य प्राप्ति के लिए उद्योग जगत को और किन संसाधनों में बेहतरी की आवश्यकता है पर चैंबर का मंतव्य जाना. चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री ने माईनिंग, टेक्सटाइल, सिल्क, वन उत्पाद, हॉर्टिकल्चर और एग्रीकल्चर के क्षेत्र में झारखंड के बढ़ते कदम पर संतोष जताते हुए कहा कि कुटीर उद्योग से जुड़ी महिला उद्यमियों को आगे बढ़ाने की दिशा में भी चैंबर निरंतर प्रयासरत है.

ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं द्वारा वन उत्पाद से निर्मित वस्तुओं को बेहतर मार्केट मिल सके, इसके लिए प्रत्येक जिले में महिला मार्केट की स्थापना की मांग सरकार से की गई है. यदि बेहतर मार्केट उपलब्ध कराने में सहयोग मिले तब कुटीर उद्योग से जुड़ी महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों को विश्वस्तरीय मार्केट मिल सकेगा.

राज्य से पलायन को रोकने के लिए उन्होंने स्थानीय स्तर पर औद्योगिकीकरण को और अधिक प्रोत्साहन देने की बात कही. दूतावास के अधिकारियों ने राज्य के औद्योगिक विकास के लिए चैंबर के सुझावों को गंभीरता से सुना और उनके स्तर से होने वाले कार्यों के लिए उन्होंने हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया.

अप्रैल में होगा पंजाबी मिलन समारोह का आयोजन

पंजाबी हिंदू बिरादरी की तैयारी, रामनवमी के बाद होगा कार्यक्रम, पूरे झारखंड के पंजाबी होंगे शामिल

संवाददाता। रांची

पंजाबी हिंदू बिरादरी के तत्वावधान में पहली बार वैशाखी त्योहार पर रांची में भव्य पंजाबी मिलन समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें पूरे झारखंड से पंजाबियों को आमंत्रित किया जाएगा.

मिलन समारोह रामनवमी के बाद आयोजित किया जायेगा और कार्यक्रम में लाखों रुपये खर्च किए जायेंगे, जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध कलाकार को आमंत्रित किया जायेगा.यह जानकारी देते हुए बिरादरी के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी अरुण चावला ने बताया कि बिरादरी की रविवार को आयोजित बैठक में यह निर्णय किया गया. बैठक में अध्यक्ष सुधीर उग्गल और महासचिव राजेश मेहरा ने आयोजन का प्रस्ताव रखा. उन्होंने बताया कि बिरादरी द्वारा संचालित लाला लाजपत राय सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शिक्षा का स्तर और अनुशासन को और भी बेहतर करने के लिए किये जा रहे सतत प्रयासों का बेहद ही सकारात्मक परिणाम मिल रहा है. स्ट्राइकर ऐप्स आर्मी स्कूल की पूर्व प्राचार्या गुंजन किंडो को जूनियर विंग का हेड मिस्ट्रेस बनाया गया है.

बैठक में बिरादरी के सदस्यों ने सांसद संजय सेठ को पुनः टिकट मिलने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हार्दिक आभार व्यक्त किया. साथ ही उन्हें ज्यादा मतों से विजयी बनाने का संकल्प लिया गया. पूरी बिरादरी तन,मन और धन से चुनाव में प्रचार करेगी. बैठक में तीन नए सदस्यों प्रवीण खन्ना, हर्ष गक्खड़ और वृषभ जुल्का की संपुष्टि की गई. बैठक में अध्यक्ष सुधीर उग्गल, राजेश मेहरा, रणदीप आनंद, चरणजीत मुंजाल, विनोद माकन, अरुण चावला, राजेश खन्ना, मुकुल तनेजा, अशोक माकन, विजय सखूजा, शिव कुमार स्याल काका, अनूप वाधवा, नरेंद्र तनेजा, दीपक खोसला, राहुल सेठ, अनिल वर्मा, अशोक मिनोचा, मुकेश चौहान, अजय सखूजा, राहुल सूद, चेतन जौहर, मदन सेन कुजारा, विकास चावला, प्रवीण मग्गो, दीपक जुल्का ने विचार व्यक्त किए.धन्यवाद ज्ञापन रणदीप आनंद ने दिया.

श्रीश्याम संघ का फाल्गुन उत्सव 20 मार्च को, निकलेगी शोभायात्रा

संवाददाता। रांची

श्री श्याम संघ इस बार भी धूमधाम से फाल्गुन उत्सव मनाएगा. इसकी तैयारी जोर-शोर से की जा रही है. रविवार को बैठक कर संघ के पदाधिकारियों और सदस्यों ने कार्यक्रम की रूपरेखा तय की. साथ ही उत्सव का पोस्टर भी जारी किया. अध्यक्ष कमलेश संचेती ने बताया की फाल्गुन सुदी एकादशी के पावन मौके पर निशान चढ़ाने का बड़ा महत्व है. इसी भाव से इसका खास आयोजन किया जा रहा है. उन्होंने बताया कि श्रीराधा वल्लभ मंदिर, अपर बाजार में 20 मार्च को सुबह सात बजे पहले श्रीगणेश और निशान पूजन किया जाएगा. इसके बाद यात्रा शुरू होगी. बड़ी संख्या में श्रद्धालु गाजे-बाजे के साथ भक्ति गीतों पर नाचते-झूमते और श्रीश्याम के 501 निशान लहराते हुए इसमें हिस्सा लेंगे. अपर बाजार का भ्रमण कर भक्तगण श्रीश्याम मंदिर अग्रसेन पथ आएंगे.

न्यूज अपडेट

मुस्लिम समाज में सुधार के लिए शिक्षा जरूरी : मुफ्ती

रांची। गुदड़ी स्थित मकतब ए मोहम्मदी में रविवार को वार्षिक बैठक एवं शैक्षणिक प्रदर्शन का आयोजन कारी एहसान मजाहरी की अध्यक्षता में हुई, जिसमें करीब 150 छात्र-छात्राएं शामिल हुए. मकतब के विद्यार्थयों के बीच लेखन, भाषण, इस्लामिक क्विज का आयोजन किया गया. उम्दा प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थयों को मकतब की ओर से सम्मानित किया गया. मुफ्ती अनवर कासमी ने कहा कि मुस्लिम समाज में व्यापक सुधार के लिए शिक्षा जरूरी है. मुफ्ती अब्दुल्लाह अजहर कासमी, मौलाना इकरामुल हक, मौलाना तौफीक अहमद कादरी, सलाउद्दीन उर्फ संजू, मौलाना उमर फारूक कासमी ने भी अपने विचार रखे. संचालन मौलाना उमर फारूक कासमी ने किया.

जन्म दोष दिवस पर रिम्स में कार्यक्रम का आयोजन

रांची। विश्व जन्मजात जन्म दोष दिवस के अवसर पर रविवार को रिम्स के शिशु शल्य विभाग और स्पाइना बिफिडा फाउंडेशन द्वारा सीएमई का आयोजन किया गया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रिम्स निदेशक व न्यूरोसर्जन डॉ. राजकुमार ने जन्मजात दोषों (जन्मजात विकृतियां) को कुपोषण से संबंधित बताया. कार्यक्रम में मुम्बई से आए डॉ संतोष कर्माकर रिम्स और निजी अस्पतालों के शिशु शल्य चिकित्सक, स्त्री व प्रसूति रोग विशेषज्ञ, भ्रूण चिकित्सा विशेषज्ञ, न्यूरोसर्जनों, अस्थि रोग विशेषज्ञ, शिशु रोग विशेषज्ञ और फ़िज़ियोथेरेपिस्ट ने भाग लिया. आयोजन रिम्स के शिशु शल्य विभाग के डॉ. हिरेन्द्र बिरुआ, डॉ. अभिषेक रंजन, डॉ. श्याम सुन्दर साहु, डॉ. अभिषेक कुमार सिंह, डॉ. प्रिया शालिनी लकड़ा व डॉ. इमरान ने किया.

सेट फाउंडेशन ने लगाया रक्तदान शिविर

रांची। आईसीएसआई के ईआईआरसी के रांची चैप्टर ने एनजीओ - सेट फाउंडेशन के संयुक्त सहयोग से रविवार को हरमू स्थित लक्ष्मी कॉम्प्लेक्स में रक्तदान शिविर का आयोजन किया. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सीएस सदस्य, छात्र और कई आम लोग शामिल हुए. सेट फाउंडेशन के स्वयंसेवकों की मदद से नेक काम के लिए शिविर सफलतापूर्वक आयोजित किया गया. रांची चैप्टर के अध्यक्ष सीएस बिनोद केआर बख्शी ने सेट फाउंडेशन को हार्दिक धन्यवाद दिया और प्रत्येक दानदाताओं का स्वागत किया. सेट फाउंडेशन के डायरेक्ट रोहित प्रकाश प्रीत ने कहा कि हमारी एनजीओ आगे आने वाले दिनों में स्वस्थ जागरूकता के लिए एक अभियान की शुरुआत करने जा रही है, जिसमे सीएस इंस्टीट्यूट की सहयोग की वी जरूरत पड़ेगी.

1100 श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया श्रीकृष्ण अन्नपूर्णा भंडारे का प्रसाद

संवाददाता। रांची

श्री कृष्ण प्रणामी चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में रविवार को 138 वें अन्नपूर्णा भंडारा का आयोजन किया गया, जिसमें 1100 से अधिक श्रद्धालुओं ने अन्नपूर्णा प्रसाद ग्रहण किया. पुंदाग में आयोजित उक्त भंडारा कार्यक्रम में संस्था के पवन पोद्दार, अमन अग्रवाल, सरीता अग्रवाल, अनुभा खेतान धीर खेतान द्वारा श्रद्धालुओं के बीच भंडारे का वितरण शुरू किया गया. भंडारे में संस्था ने पूड़ी, आलू-टमाटर मिश्रित सब्जी, वेजिटेबल पुलाव एवं केसरिया खीर का प्रसाद शामिल रहा.

पहाड़ी मंदिर से निकलेगी भव्य शिव बारात

संवाददाता। रांची

पहाड़ी मंदिर से महाशिवरात्रि पर आठ मार्च को भव्य शिव बारात निकाली जायेगी. श्रीशिव बारात आयोजन महासमिति इसकी तैयारी जोर-शोर से कर रही है. अध्यक्ष राजेश कुमार साहू ने बताया कि समिति के 21वें साल पूरे होने की खुशी में इस बार भव्य बारात निकाली जायेगी. उन्होंने बारात के प्रारूप पर चर्चा करते हुए बताया कि महादेव के बारात में उज्जैन से महाकाल तो कोलकाता से शिव-पार्वती, बंगाल से ढाक और काशी से आये भूत-पिचास टोली धमाल मचाएंगे. दस फिट के बाहुबली अपने मनमोहक अंदाज से लुभाएंगे. रामगढ़ से आये ताश -पार्टी के कलाकार भी खूब रंग जमायेंगे. रामदरबार जीवंत और छऊ नृत्य का भी खास आकर्षण रहेगा. विश्व महिला दिवस पर नारी शक्ति के द्वारा अर्धनारीश्वर स्वरूप में 31 शिव तांडव की मनमोहद प्रस्तुति दी जायेगी. यात्रा में शामिल वाहनों को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ थीम पर सजाया जाएगा. उन्होंने बताया कि इससे पहले सोमवार को दिन के एक बजे से हल्दी -मेहंदी , गीत-संगीत एवं महाकाल का भव्य श्रृंगार किया जाएगा . महासमिति के मुख्य संरक्षक पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय , मुख्य संयोजक जितेंद्र सिंह ,विधायक सीपी सिंह ,संयोजक दीपक लाल, प्रवक्ता बादल सिंह आदि प्रेस वार्ता के मौके पर मुख्य रूप से मौजूद थे.

खास बातें
- आज अदा की जाएगी हल्दी-मेहंदी की रस्म
- 31 कन्याएं शिव तांडव की देंगी मनमोहक प्रस्तुति

परंपरा

ईसाई धर्म समाज में सातवीं क्लास से ही शुरू हो जाती है आध्यात्मिक शिक्षा

फादर बनने के लिए 12 साल तक करनी होती है पढ़ाई

बसंत मुंडा। रांची

विश्व में ईसाई धर्म को सबसे और आध्यात्मिक धर्म के रूप में देखा जाता है. इस धर्म में यीशु मसीह को परमेश्वर के रूप में देखा जाता है. ईसाई समाज में धर्म बहनें, सिस्टर, फादर और बिशप का खासा महत्व होता है. इनके बिना चर्च में कोई भी शुभ कार्य नहीं होता है. क्रिश्चियन समुदाय में फादर का अहम योगदान माना जाता है. इनके बिना कलीसिया अधूरा माना जाता है. इसमें वैसे बच्चों को जोड़ा जाता है, जो आगे चलकर कलीसिया की सेवा करना चाहते हैं. बच्चों को साक्षात्कार के माध्यम से फादर बनने की शिक्षा दी जाती है और फादर के माध्यम से बच्चे को सातवीं क्लास से आध्यात्मिक शिक्षा देना शुरू कर देते हैं.

इस धर्म के दर्शन में कलीसिया सेवा को परमेश्वर की बुलाहट माना जाता है. इसलिए अधिकांश मसीही युवा इंटर की पढ़ाई के साथ साथ ओरिएंटेशन कोर्स में दाखिला लेते है, जिसमें आध्यात्मिक ज्ञान, बाइबल से जुडी घटनाएं, बाइबल के सुविचार जैसी शिक्षा ग्रहण करते हैं. इसमें बच्चों की प्रतिभा का निरीक्षण किया जाता है. विशेष ज्ञान और प्रशिक्षण के लिए उन छात्रों को दूसरे राज्यों में भेज दिया जाता है, जहां वे दो सालों तक दूसरे राज्य की भाषा ,संस्कृति और आध्यात्मिक ज्ञान सीखते हैं.

तीन साल का दर्शन शास्त्र पढ़ना जरूरी

बिशप हाउस के सचिव असीम मिंज ने बताया कि पल्ली पुरोहित बनने के लिए शुरू से लेकर फादर बनने तक में 12 साल तक पढ़ाई करना जरूरी होता है. आध्यात्मिक ज्ञान अर्जित करने के साथ साथ तीन साल दर्शन शास्त्र विषय की पढ़ाई जरूरी होती है. जैसे ही कोर्स पूरा होता है. अनुभव को विस्तार देने के लिए पारिश सेवा, लोगों के साथ समन्वय स्थापित करना, गांव-शहर और स्कूल के बच्चों के बीच पढ़ाने के लिए भेजा जाता है.

ईश शास्त्र के साढे तीन साल का कोर्स

फादर यानी पादड़ी बनने के लिए साढ़े तीन साल का ईश शास्त्र को करना जरूरी होता है. इसमें विभिन्न समुदायों के ईश्वर और धर्मों की शिक्षा ग्रहण करते हैं और बाइबल को गहराई से समझने का प्रयास कराया जाता है. 6 महीना या एक साल तक के लिए पुरोहित के साथ जीवन बिताने के लिए डिकन या उपाजयक बनाया जाता है और चर्च के पल्ली पुरोहित का सहयोगी के रूप में पुरोहित के साथ काम करते हैं.

'मेहनती के कदम चूमती है कामयाबी'

संवाददाता। रांची

पुलिस पब्लिक रिपोर्टर की ओर से रविवार को 12वां इंडिया नेशनल अवार्ड का आयोजन होटल रेडिसन ब्लू में किया गया. इसमें झारखंड बिहार छत्तीसगढ़ यूपी सहित झारखंड के विभिन्न जिलों से अपने अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मान पत्र और मेडल से सम्मानित किया गया. मुख्य अतिथि के रूप में विधायक सीपी सिंह शामिल हुए. उन्होंने कहा कि पुलिस पब्लिक रिपोर्ट की पहल सराहनीय है. उन्होंने कहा कि जीवन में कड़ी मेहनत करने वालों की कामयाबी कदम चूमती है. इसलिये हमें समय सम्मान करना चाहिए, क्योंकि गुजरा हुआ पल वापस नहीं आता है. मौके पर डीआईजी कार्मिक नौशाद आलम, पद्मश्री मधु मंसूरी, पूर्व डीआईजी सुबोध प्रसाद, रांची के पूर्व डिप्टीमेयर अजय नाथ शाहदेव , आजसू नेता जितेंद्र सिंह शामिल थे.

इसे सफल बनाने में पत्रकार सरफराज कुरैशी, शाहिद खान, समीर हेजाजी, संदीप मिश्रा, इबरार गद्दी, प्रियंका सिंह, बाल भद्र बराइक, असगर एजाज, नबो दत्ता, रवि वर्मा, जयप्रकाश जायसवाल शामिल रहे.

इन्हें किया गया सम्मानित : मधु सूदन मोदक पुलिस निरीक्षक गोड्डा, फलक फातिमा युवा समाजसेवी धनबाद, रवि शंकर सिंह, परीचारी झारखंड पुलिस, रितेश कुमार थापा, समाजसेवी, साहेब अली समाजसेवी, देवेंद्र कुमार सिंह, पुलिस अवर निरीक्षक रांची, फैज अकरम, समाजसेवी, स्वेताभ जी डायरेक्टर स्काई स्केप एंड लांज रांची समेत 30 लोगों को सम्मानित किया गया.

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने किया 93 करोड़ की योजनाओं का उद्घाटन

केंद्र के आगे हेमंत ने झुकने से इनकार किया: मिथिलेश ठाकुर

संवाददाता। गढ़वा

राज्य के मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने रविवार को गढ़वा आगमण के दौरान 93 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित पांच बड़ी योजनाओं का उद्घाटन किया. इन योजनाओं में सात करोड़ रुपये की लागत से कल्याणपुर में निर्मित नया समाहरणालय भवन, 15 करोड़ रुपये की लागत से बिरसा मुंडा हेलीपैड पार्क, चार करोड़ रुपये की लागत से सोनपुरवा में निर्मित अंतर्राज्यीय बस स्टैंड, कन्या मध्य विद्यालय के मैदान में सात करोड़ रुपये की लागत से निर्मित फुटबॉल स्टेडियम तथा गोविंद उच्च विद्यालय के मैदान में सात करोड़ रुपये की

लागत से निर्मित नीलांबर-पीतांबर बहुद्दश्यीय सांस्कृतिक भवन (टाउन हॉल) का मुख्यमंत्री ने पूजा अर्चना कर एवं फीता काटकर उद्घाटन किया. इस दौरान समाहरणालय परिसर स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण, समाहरणालय स्थित शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित, बिरसा मुंडा हेलीपैड पार्क में स्थापित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण, टाउन हॉल परिसर में स्थापित शहीद नीलाम्बर पीताम्बर की प्रतिमा का अनावरण भी किया. इस दौरान रंका मोड़, घंटा घर के समीप इंदिरा गांधी पार्क में स्थापित इंदिरा गांधी की प्रतिमा, सहिजना मोड़ पर बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया. मौसम खराब होने के कारण मुख्यमंत्री हवाई मार्ग से गढ़वा नहीं पहुंच सके. अंततः सड़क मार्ग से करीब 4.30 बजे गढ़वा पहुंचे. इसके बाद उन्होंने सभी योजनाओं का उद्घाटन किया. देर हो जाने के कारण सिर्फ स्टेडियम नहीं पहुंच सके और न ही मुख्यमंत्री जनसभा को संबोधित कर सके. वे हवाई मार्ग से वापस रांची चले गये.

खास बातें

- समयाभाव के चलते सीएम ने जनसभा को संबोधित नहीं किया
- खराब मौसम के कारण सीएम हवाई मार्ग से गढ़वा नहीं पहुंचे

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने किया ट्वीट

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन समयाभाव के कारण गढ़वा में जनसभा को संबोधित नहीं कर सके. इसका उन्हें काफी अफसोस है. मुख्यमंत्री ने ट्वीट कर कहा कि सुबह से जारी रिमझिम बारिश ने रोकने की बहुत कोशिश की, लेकिन मिथिलेश बाबू के आग्रह और गढ़वा की जनता के प्यार ने उसे विफल कर दिया. यह दिन गढ़वा के लिए ऐतिहासिक है. हमारी सरकार ने इस जिले में विकास की जो लकीर खिंची है, आने वाली पीढ़ियां उस पर गर्व करेंगी. मनिका विधायक रामचंद्र सिंह ने कहा कि मिथिलेश ठाकुर ने गढ़वा के विकास का नमूना पेश किया है. उन्होंने कहा कि बादल चाहे कितना भी घना हो सूर्य को हमेशा के लिए नहीं ढक सकता है. एक दिन सच्चाई सामने आयेगी.

न्यूज अपडेट

जीपीएस सिस्टम को लेकर कोयला ढुलाई बंद

पिपरवार। कोयलांचल क्षेत्र के पिपरवार सीएचपी/सीपीपी से बचरा साइडिंग तक होने वाली कोयला ढुलाई काम को रविवार की सुबह स्थानीय हाइवा डंपर मालिकों ने बंद कर दिया.हाईवा डम्परों में लगे जीपीएस सिस्टम को अपडेट कराने की मांग को लेकर सभी ऑनरों ने ट्रांसपोर्टिंग कार्य को बंद कराया गया. कोयला ढुलाई बन्द होने के बाद बचरा पीपल चौक के पास ट्रांसपोर्टिंग मार्ग पर हाईवा डंपरों की लंबी कतार देखी गई.वही सभी हाईवा ऑनर पीपल चौक में अपना विरोध प्रदर्शन किया. इस संबंध में हाईवा ऑनरों ने बताया कि कोयला ढुलाई के कर में लगे सभी हाईवा डंपरों में जीपीएस सिस्टम लगाया जा रहा है.सीसीएल प्रबंधन के द्वारा ऑरेंज नामक कंपनी को जीपीएस सिस्टम लगाने का टेंडर दिया था.सीएचपी से बचरा साइडिंग तक चलने वाले हाईवा डंपरों में लगाए गए जीपीएस सिस्टम को अपडेट नहीं किया गया है, जिसके कारण डंपरों का लोकेशन नहीं मिल पा रहा है.वही एक मार्च से करीब 20 हाईवा डंपरों का परिचालन नहीं हो पा रहा है, जिसके कारण वाहन मालिकों को काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है.

साहित्योदय ने किया 24 घंटे का अखंड काव्यार्चन

रांची। अंतरराष्ट्रीय साहित्य कला संस्कृति न्यास साहित्योदय ने एक और विश्वकीर्तिमान स्थापित किया है. 24 घंटे तक देवाधिदेव महादेव पर मौलिक रचनाओं की अखंड प्रस्तुति का शिवायन अखंड काव्यार्चन किया गया, जिसमें देश-विदेश के सैकड़ों रचनाकार भाग ले रहे हैं. रविवार प्रातः 9 बजे से प्रारंभ हुआ, जो काव्यार्चन का समापन सोमवार 9 बजे होगा. कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए प्रख्याय गीतकार डॉ बुद्धिनाथ मिश्र ने साहित्योदय के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि जन सामान्य को सनातन ग्रन्थों से जोड़ने का अभूतपूर्व कार्य चल रहा है जो आनेवाले साहित्य के लिए स्वर्णिम युग होगा. साहित्योदय की व्यवस्थापक किशोरी भूषण के सरस्वती वंदना और शिव स्तुति से सत्र की शुरुआत हुई.

सीएचसी से फाइल व डाटा ले जाने की होगी जांच:डॉ पर्ल

कांके। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कांके से हटाए गए प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अजीत कुमार और सेवा से बर्खास्त किए गए ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर प्रियंका कुमारी सिंह रविवार 3 मार्च को 2:30 बजे यहां पदस्थापित ब्लॉक अकाउंट मैनेजर प्रमोद कुमार के साथ आए और कार्यालय से कई महत्वपूर्ण फाइल ले गए. इन लोगों ने कार्यालय के कंप्यूटरों के डाटा से भी छेड़छाड़ की है. यह तीनों जब कार्य कर रहे थे उसे समय ड्यूटी पर डा. संजीत कुमार पंकज और एक सिक्योरिटी गार्ड की ड्यूटी थी. जिन्होंने इन लोगों को ऐसा करते देखा भी है. इस संबंध में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ पर्ल मिंज ने बताया कि आज रविवार की छुट्टी थी. मुझे इस संबंध में कोई भी जानकारी किसी ने नहीं दी. इस कार्य को किया गया. मुझे मालूम चला है कि यह तीनों यहां आकर डेढ़ से 2 घंटे तक कार्यालय में रहकर कुछ फाइलों को देखें हैं और कंप्यूटर को खोलें भी हैं. मुझे 10 दिन पूर्व भी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी बनाया गया है और मुझे किसी भी फाइल, वित्तीय फाइलों और खर्च संबंधी कार्यों का प्रभार डॉ अजीत ने अभी तक मुझे नहीं दिया है.

बुढ़मू में ग्रामीणों ने संजय सेठ का पुतला फूंका

बुढ़मू। भाजपा द्वारा रांची लोकसभा से पुनः संजय सेठ को उम्मीदवार बनाये जाने के विरोध में ग्रामीणों ने उरुगुट्टू, भांट बोडया चौक में रविवार को सांसद संजय सेठ का पुतला दहन किया. मौके पर ग्रामीणों ने सांसद द्वारा क्षेत्र का उपेक्षा करने का आरोप लगाया. साथ ही ग्रामीणों ने कहा कि अगर भाजपा रांची लोकसभा से दूसरा उम्मीदवार नहीं देती है तो ग्रामीण विवश होकर वोट बहिष्कार भी करेंगे. वहीं ग्रामीणों ने झारखंड के स्थानीय नेता को पार्टी का प्रत्याशी बनाने की भी मांग किया. मौके पर ग्रामीणों ने सांसद के विरोध में जमकर नारेबाजी भी किया. पुतला दहन कार्यक्रम में उरुगुट्टू, बरौदी,पतरातू, बंसरी,बोडया,खरकुटोला समेत अन्य गांवों के ग्रामीण शामिल थे.

लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरुक होना होगा: मरांडी

नामकुम। अनगड़ा प्रखंड के गोंदली पोखर चौक शिव व दुर्गा मंदिर के समीप ओम आरोहण संस्था एवं हेल्थ पॉइंट मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल रांची के तत्वावधान में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया . स्वास्थ्य जांच कैम्प का नेतृत्व डॉ शेफाली गुप्ता ने किया . कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित कर किया गया . मुख्य अतिथि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी रहें . डॉक्टरों व उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए बताया कि स्वास्थ्य के प्रति हम सबों को जागरूक रहना चाहिए. किसी तरह का तकलीफ हो तो उससे नहीं टालना चाहिए. जिससे कि ऐसे लोगों को भी लाभ मिले जो यहाँ तक आ नहीं सकतें . 1200 मरीजों ने रजिस्ट्रेशन कराया. मौके पर राज्यसभा सांसद आदित्य प्रसाद शाहू खिजरी पुर्व विधायक रामकुमार पहान भाजपा ग्रामीण जिला अध्यक्ष सुरेंद्र महतो डॉ अनूप मोहन नायर डॉ इलोकि गायका समेत सैकड़ो लोग उपस्थित थे .

सिल्ली थाना परिसर में हुई शांति समिति की बैठक

सिल्ली/मुरी। सिल्ली थाना परिसर में महा शिवरात्रि पर्व को लेकर रविवार को शांति समिति की बैठक आयोजित की गई. नव पदस्थापित थाना प्रभारी मोहित कुमार एवं शांति समिति सदस्यों के बीच परिचय के साथ बैठक का शुभारंभ किया गया. शांति समिति के सदस्यों ने नए थाना प्रभारी का स्वागत किया वहीं थाना प्रभारी ने सभी सदस्यों का आभारव्यक्त किया. बैठक में पुर्व थाना प्रभारी जयकांत पांडे, एसआई रामदेव यादव, मुकेश कुशवाहा , रवि वर्मा, एएसआई राजीव कुंदन, हेमलाल हेम्ब्रम, विनोद चौधरी उपस्थित थे. थाना प्रभारी ने कहा कि शिवरात्रि पर्व के अवसर पर सिल्ली बजार स्थित मंदिर सहित भीड़भाड़ वाले अन्य मंदिरों पर पुलिस बल की गस्ती व निगरानी रहेगा. बैठक में पुर्व प्रमुख कमल नाथ मांझी, सांसद प्रतिनिधि बिनोद साहू , व्यावसायिक संघ के विनोद चौधरी, कांग्रेस पार्टी के नगेन्द्र नाथ गोस्वामी, आजसू पार्टी नगर अध्यक्ष भारत देव साय, मुखिया सीमा कुमारी गोंझु, मुखिया शर्मिला कुमारी, बुद्धदेव कुशवाहा आदि ने अपने-अपने विचार व्यक्त किया.

अंतर विद्यालय स्तरीय खेलकूद महोत्सव का आयोजन

बेड़ो। बेड़ो के पुरियो स्थित संत जगत ज्ञान महर्षि मेंहि पब्लिक स्कूल के प्रांगण में अन्तर विद्यालय स्तरीय खेलकूद महोत्सव का आयोजन किया गया. जिसमें संत जगत ज्ञान सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल नगड़ी तथा संत जगत ज्ञान महर्षि मेंहि पब्लिक स्कूल के बच्चों ने भाग लिया. 100 मीटर दौड़, 200 मीटर दौड़, 400 मीटर रिले रेस, कबड्डी, बैडमिंटन, खो खो आदि अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया. जिसमें विद्यालय के सभी बच्चों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया. खेल कूद प्रतियोगिता में सफल प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र तथा मेडल देकर पुरस्कृत किया गया. खेल कूद महोत्सव में शामिल सभी बच्चे काफी उत्साहित तथा आनन्दित थें. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व भारतीय प्रशासनिक अधिकारी डॉ अरुण कुमार उरांव, विशिष्ट अतिथि डॉ अजय कुमार राज, डॉ दीपिका पूर्णिमा रेड्डी (एन के मेहता अस्पताल), संत जगत ज्ञान सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल नगड़ी विद्यालय के निर्देशक डॉ पंकज राज, प्राचार्या जसमंती देवी, उप प्राचार्या सुनीता सिंह, संत जगत ज्ञान महर्षि मेंहि पब्लिक स्कूल पूरियो बेड़ो के प्राचार्य इंजी. संदीप राज, अतिथि के रूप में अख्तर हुसैन, मो. अताउल्लाह, मो.आसिफ, शिवेन्द्र सौरभ, आकाश रक्षित, रिषभ राज, अनिकेत कुमार, चन्दन प्रजापति, संजय कुमार महतो, बब्बन बैठा, राजेश कुमार, इन्द्र मोहन राय तथा सुजित सिंह उपस्थित थें. सम्पूर्ण कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय प्रबंधन, समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा.

ब्रीफ खबरें

3 दिवसीय यज्ञ समारोह का आयोजन 10 मार्च से

बुढ़मू। बुढ़मू प्रखंड के हेसलपिरी गांव में नवनिर्मित श्री हनुमान मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा सह तीन दिवसीय यज्ञ समारोह का आयोजन 10 से 12 मार्च तक किया गया है. रविवार को यज्ञ के लिए भूमिपूजन आचार्य रुद्रनाथ मिश्रा के सानिध्य में यजमान अजय महतो, सूरज महतो व रामकुमार महतो ने संपन्न किया. मौके पर समिति के रंजीत पटेल, शोभनाथ महतो, सबिता देवी, सोहन कुमार, रीता देवी समेत अन्य मौजूद थे .

आजसू ने डकरा में चलाया जनसंपर्क अभियान

डकरा। खलारी प्रखंड के सभी पंचायतों में जनसंपर्क अभियान चलाया गया.जिसमें आजसू प्रखंड अध्यक्ष विकास कुमार, केंद्रीय सचिव रामजीत गंझु,जिला उपाध्यक्ष नागेश्वर महतो,एवं अर्जुन महतो,के द्वारा यह अभियान चलाया गया.आगामी 5 मार्च को डकरा अंबेडकर पार्क में होने वाले पंचायत प्रभारी पिलर मेंबर सम्मेलन को सफल बनाने के लिए जनसंपर्क किया गया. पिलर मेंबर सम्मेलन में मुख्य रूप से आजसू पार्टी के केंद्रीय प्रवक्ता डॉक्टर देव शरण भगत, कांके विधानसभा प्रभारी डॉ अशोक नाग,एवं केंद्रीय सचिव रामजीत गंझु मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे.

बिजली के खंभे से गिरकर युवक घायल

डकरा। एनके एरिया के सुभाष नगर कॉलोनी में बिजली के खंभे से गिरकर 27 घिरनदेव उरांव नामक एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया. घटना स्थल से सहकर्मियों ने आनन फानन में घायल युवक को डकरा अस्पताल लाया गया. जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए रांची रेफर किया गया. घटना के संदर्भ में मिली जानकारी अनुसार चुरी परियोजना के अंतर्गत सुभाष नगर कॉलोनी में बिजली के तार बदलने का कार्य एक स्थानीय ठेकेदार द्वारा कराया जा रहा था. घिरनदेव 40 फिट पोल में चढ़कर काम कर रहा था .

जेबीकेएसएस लोस व विस चुनाव की तैयारी में जुटी

कांके। झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति के केंद्रीय महासचिव दीपक महतो ने कांके चौक स्थित शिव मंदिर परिसर में प्रेस वार्ता में कहा कि समिति लोकसभा और विधानसभा चुनाव की तैयारी में लगी है. कोर कमेटी की बैठक के पश्चात चुनाव लड़ने संबंधी निर्णय लिया जाएगा और समिति से जुड़े उम्मीदवार मजबूती के साथ चुनाव लड़ेंगे. इन्होंने बताया कि अध्यक्ष जयराम महतो भी लोकसभा चुनाव को लेकर भावी रणनीति बनाने में जुटे हुए हैं. हम लोगों ने जिस झारखंड राज्य की कल्पना की थी.

मधुकॉन कंपनी का काम काज बंद कराएगा मोर्चा

खलारी। रैयत विस्थापित मोर्चा का बैठक रविवार को अंबेडकर पार्क डकरा में बैठक रखा गया . जिसकी अध्यक्षता जालिम सिंह तथा संचालन जगरनाथ महतो ने किया . बैठक में मुख्य रूप से बेरोजगार युवाओं को रोजगार पर चर्चा किया गया. बैठक में मुख्य रूप से एरिया अध्यक्ष बिगन भोगता एवं जालिम सिंह ने कहा कि पूर्व में मोर्चा ने मधुकॉन कंपनी को बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार का मांग की थी, 10 से 15 दिन के अंदर बाकी लोगो को रोजगार दिया जायेगा. बैठक में रंथू उरांव,नरेश गंझु, रामलखन गंझु, इंदिरा देवी,विनय खलखो, प्रभाकर गंझु, अशोक राम, देवपाल मुंडा, सुनीता देवी, आनंद तुरी,वीरू सिंह, जितेंद्र सिंह सहित कई लोग मौजूद थे.

लापुंग के लालगंज में निकली भव्य कलश यात्रा

जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा लापुंग का लालगंज क्षेत्र

संवाददाता। लापुंग

लालगंज स्थित नवनिर्मित पिपलेश्वर धाम शिव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर रविवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गई. कलश यात्रा में भाजपा और कांग्रेस के कार्यकर्ता के साथ-साथ नेताओं ने भी बगैर भेदभाव के हिस्सा लिया. कांग्रेस की विधायक शिल्पी नेहा तिर्की और भाजपा के लोहरदगा संसदीय क्षेत्र के सह संयोजक सन्नी टोप्पो ने बगैर किसी भेद-भाव के शामिल हुए. कलश यात्रा में हिस्सा लेकर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की काफी खुश नजर आ रही थीं. उन्होंने कहा कि धार्मिक अनुष्ठानों में हिस्सा लेने की अनुभूति सचमुच अद्भुत होती है. वहीं सन्नी टोप्पो ने कहा कि तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा समारोह में जितनी मदद होगी वे जरूर करेंगे. वहीं मंदिर निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले लोहरदगा के संजय साहु ने मंदिर निर्माण समिति और गांव के ग्रामीणों को शुभकामनाएं दी. इसके पूर्व कलश शोभायात्रा गाजे बाजे के साथ लालगंज शिव मंदिर परिसर से प्रारंभ होकर लालगंज भंगी नदी पहुंची. वेद मंत्रोंच्चार के बीच कार्यक्रम के सारे अनुष्ठान पुजारी आचार्य तारकेश्वर मिश्रा,फणिनाथ कर, दुर्गा दास, उमेश गिरी, सुनील कर व रामा ठाकुर ने कराया . हजारों श्रद्धालुओं का जनसमूह जय श्री राम जय बजरंगबली ,हर हर महादेव जय माता दी आदि जय कारा लगाते हुए यज्ञ शाला मंडप की परिक्रमा कर अपने-अपने कलश को स्थापित किया. इस दौरान मुख्य यजमान की भूमिका में यजमान नरेश साहु, शंकर साहू कौशल्या देवी ने संयुक्त रूप से रहीं . कलश शोभा यात्रा में मांडर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की व भाजपा नेता सन्नी टोप्पो, समाजसेवी नारायण साव समेत कई सामाजिक गणमान्य तथा विभिन्न राजनीतिक दल के नेताओं कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया. कार्यक्रम यज्ञशाला की परिक्रमा प्राण प्रतिष्ठा समेत कई अनुष्ठान कार्यक्रम तीन दिनों तक किए जाएंगे. वही यज्ञशाला में आने वाले लोगों के लिए आयोजन समिति के द्वारा भंडारे की व्यवस्था की गई थी. वहीं कलशयात्रा में शामिल महिलाओं के बीच विधायक ने साड़ी का वितरण 1001 महिलाओ के बीच भाजपा नेता सन्नी टोप्पो ने नारियल का वितरण किया. कार्यक्रम को सफल बनाने में चरकू साहु, जलिन्दर साहू ने अपनी तरफ से भंडारा का आयोजन किया. इस अवसर पर उपस्थित प्रखंड अध्यक्ष दुखहरण प्रसाद सिंह हरि मोहन साहु, श्यामा प्रसाद सिंह, पवन साहु, इंद्रजीत राय, यशपाल साहु, अजय साहु, विजय सिंह, गोपाल महली, संदीप साहु, विकास साहु, संजय साहू ओतिस साहु, लालगंज कीर्तन मंडली व नकुल सिंह, विधायक प्रतिनिधि सुदामा महली, कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष जयंत बारला, देवेंद्र वर्मा, सुनील तिर्की, जन्मेंजय पाठक, फिरू साहू, सोनी जयसवाल, देवंती देवी सहित कई लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

खास बातें

- विधायक शिल्पी तिर्की व भाजपा नेता सन्नी टोप्पो हुए शामिल
- गाजे-बाजे के साथ निकाली गई भव्य कलश यात्रा

कांग्रेस जिलाध्यक्ष का मुरी हुआ भव्य स्वागत

सिल्ली/मुरी। सिल्ली प्रखंड कांग्रेस कार्यालय मेन रोड सिल्ली में रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष शमीम अख्तर अंसारी का भव्य स्वागत किया गया. इनके साथ रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस उपाध्यक्ष नागेन्द्र नाथ गोस्वामी, जिला सचिव नागेश्वर महतो, सिल्ली प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष कार्तिक चन्द्र महतो, कार्यकारी अध्यक्ष निशाकर महतो, कोषाध्यक्ष मंजूर मोमिन, सिल्ली पश्चिमी मंडल अध्यक्ष गुहीराम महतो, सेवादल के सुनिता देवी, सिल्ली प्रखंड अल्पसंख्यक अध्यक्ष शाहबुद्दीन अंसारी, पंचायत अध्यक्ष प्रकाश मुंडा, जमीलरुद्दीन मोमिन, शिवचरण मुंडा इत्यादि कांग्रेस जनों द्वारा स्वागत किया गया.

पिपरवार में ग्रामीण ट्रक ऑनर एसोसिएशन की बैठक संपन्न

पिपरवार। कोयलांचल क्षेत्र के चिरैयाटांड चार नंबर कांटा घर के समीप विस्थापित ट्रक ऑनर एसोसिएशन की बैठक रविवार को संपन्न हुई. बैठक की अध्यक्षता महेंद्र गंझु एवं संचालन विजय कुमार महतो ने किया . बैठक में मुख्य रूप से एसोसिएशन द्वारा तय किए गए ट्रक भाड़े की नगद भुगतान बढे हुए दर से दिए जाने सहित ट्रक ऑनरों की अन्य ज्वलंत समस्याओं पर चर्चा की गई . इस बैठक में मुख्य रूप से रचित गंझु, लियाकत अंसारी ,अमर महतो, बबलु कुमार, रोहित कुमार, राजेश गंझु, अमृत केशरी, रोहित केशरी, प्रदीप कुमार महतो, फुलेश्वर महतो, सलकु गंझु, महेश कुमार, मुकेश महतो, नईम अंसारी , महेश कुमार , सहित दर्जनो लोग मौजूद थे.

ब्रह्माकुमारी बहनों ने डकरा में निकाली भव्य चैतन्य झांकी

संवाददाता। डकरा

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सुभाषनगर शाखा महाशिवरात्रि के अवसर पर रविवार को शिव चैतन्य झांकी शोभायात्रा निकली गई. झांकी का उद्घाटन लपरा पंचायत के मुखिया पुतुल देवी ने फीता काट कर किया. झांकी में बच्चों ने शिव,पार्वती और ब्रह्मा देव के वेशभूषा धारण कर रथ पर सवार होकर नगर भ्रमण किया. रथ के पीछे सैकड़ो की संख्या में महिलाएं माथे में कलश लेकर चल रही थी. चौक चौराहों में बच्चों के द्वारा जीवन मे शांति की खोज से संबंधित नाटक दिखाए गए. इस अवसर पर शाखा के नियमित बहन बीके प्रीति ने शिव अवतरण संदेश देते हुए बताया कि महाशिव रात्रि का यह पर्व हमें अज्ञान अंधकार से निकाल कर ज्ञान रोशनी की ओर ले जाता है. उन्होंने कहा कि विश्व में चारों ओर चिंता, भय और निराशा का वातावरण है. मानव जीवन विकारों की अग्नि में जल रहा है. गीता में वर्णित अति धर्मग्लानि के सभी चिन्ह प्रकट हो चुके है.

जेबीकेएसएस की राय पंचायत कमेटी का गठन

पिपरवार। नवगठित पार्टी झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति की बैठक पुरानी राय स्थित स्थानीय कार्यालय में हुई. बैठक में वर्तमान राज्य व केंद्र सरकार पर जमकर बरसे. वक्ताओं ने सरकारों पर कई आरोप लगाये.बैठक में शामिल जिला कोर कमेटी व प्रखंड संयोजक मंडल के सदस्य रतिया गंझू, प्रमोद महाजन, बीरबल कुमार, दीपक महतो, कृष्णा महतो, राजेन्द्र महतो, तारकेश्वर महतो, उपेन्द्र महतो, राजेश कुमार एवं नरेन्द्र महतो ने राय पंचायत स्तरीय कमेटी का गठन किया. नवगठित कमेटी में अध्यक्ष लखन महतो, सचिव रामप्रसाद महतो, कोषाध्यक्ष चमन महतो, मिडिया प्रभारी राजु महतो संजय महतो, संगठन सचिव दिलेश्वर महतो, संगठन मंत्री टिकेश्वर महतो, उपाध्यक्ष अनुप कुमार महतो, उपसचिव दिनेश महतो, उपकोषाध्यक्ष सुखनाथ महतो, संरक्षक बिगन महतो,सिटू महतो, सहदेव महतो, जलेश्वर महतो,प्रभु महतो को बनाया गया है.

तैयारी को लेकर सुदेश महतो ने की महिलाओं संग बैठक

सिल्ली में 7 को भव्य रूप से मनाया जाएगा महिला दिवस

संवाददाता। सिल्ली/मुरी

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाने एवं नव निर्मित कलाभवन के उद्घाटन समारोह का भव्य आयोजन को लेकर सिल्ली स्टेडियम परिसर में बैठक हुई. बैठक का आयोजन विधायक सुदेश कुमार महतो की अध्यक्षता की गयी. बैठक में सिल्ली विधानसभा के सक्रिय महिला शामिल हुए. ज्ञात हो कि आगामी 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है. परंतु उस दिन महाशिवरात्रि का पर्व होने के कारण एक दिन पूर्व आगामी 7 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाने का निर्णय लिया गया. आयोजन को लेकर विस्तार से चर्चा किया गया. विधायक ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस अम्बेडकर पार्क के समीप स्थित पहाड़ पर नव निर्मित कला भवन में आयोजित किया जाएगा. कार्यक्रम को लेकर अभी से तैयारी करना है. विधायक ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए रूपरेखा के तैयारी पर भी चर्चा की.

जलसा राय बाजार में जमाले तैयबा कांफ्रेंस सह जश्न-ए- दस्तारबंदी का हुआ आयोजन

बच्चों को पगड़ी पहनाकर हाफिज ए कुरान की उपाधि दी गई

पिपरवार। राय बाजार में जामिया गौसिया रिजविया और अंजुमन इस्लाहुल कमेटी राय ने जमाले तैयबा कॉन्फ्रेंस सह जश्ने दस्तारबंदी जलसा का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में बरेली शरीफ के पीर ए तरीकत उमर रजा खान और साउथ अफ्रीका के मशहूर नात खां शब्बीर बरकाती सहित देश के कई उलेमा मौलाना एवं नात खां शामिल हुए. कार्यक्रम में राय मदरसा से शिक्षा प्राप्त कर चुके छह बच्चों को हाफिज ए कुरान की उपाधि दिलाई गई. पीर- ए- तरीकत उमर रजा खान ने सभी बच्चों को पगड़ी पहनाकर हाफिज ए कुरान की उपाधि दिलाया. मुख्य अतिथि के रूप मे एनके एरिया के पुरनाडीह परियोजना पदाधिकारी शकील अख्तर और विशिष्ट अतिथि में झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस की

अध्यक्ष गुंजन कुमारी सिंह,खलारी के पूर्व जिला परिषद सदस्य अब्दुल्लाह अंसारी, पुलिस मेंस एसोसिएशन आईआरबी थ्री के अध्यक्ष शमशेर खान, कांग्रेस प्रदेश सचिव पिंकी सिंह, राय पंचायत की मुखिया शीला देवी, श्रमिक प्रतिनिधि इस्लाम अंसारी, आरवीएम केंद्रीय उपाध्यक्ष इकबाल हुसैन, कांग्रेस चतरा जिला महासचिव अब्दुल कुदुस, समाजसेवी सुभान अंसारी, अब्दुल अंसारी, भाजपा नेता मो ताज, सकील अंसारी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे. . कार्यक्रम में शिक्षा पर विशेष चर्चा की गई और शिक्षा के प्रति समाज के लोगों को जागरूक करने का आह्वान किया गया. मौके पर जुल्फिकार अली, राजु खान, शोएब आलम उर्फ गोल्डन,साबिर अंसारी, शाहनवाज आलम, मोहम्मद हुसैन, गुड्डु हुसैन, सादिक अंसारी,पप्पू खान, नासिर अंसारी, इरफान अंसारी, नसीम आलम, रजा अख्तर, मुर्तजा अंसारी, अनवर मंसूरी, इमतियाज अन्सारी, बसीर अंसारी, अमीन अंसारी, नसीम अंसारी, अब्दाल अंसारी, राजा खान, मोहम्मद युनूस, गुलाम, असरफ,बबलु सहित हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे.

शब्बीर बरकाती के लिए उमड़ा जन सैलाब

राय बाजार में आयोजित जमाले तैयबा कॉन्फ्रेंस सह जश्ने दस्तारबंदी जलसा कार्यक्रम में साउथ अफ्रीका से आये मशहूर इंटरनेशनल नातखां शब्बीर बरकाती के लिए जन सैलाब देखा गया .रात एक बजे शब्बीर बरकाती के माइक पकड़ने के साथ ही उपस्थित लोगों में जोश भर आया .हल्की बारिश के फुव्वारों के बीच उपस्थित लोगों में गजब का उत्साह देखने लायक था. शब्बीर बरकाती के द्वारा प्रस्तुत किए गए मेरा दिल फिदा है मदीने वाले आका पर और अली अली एंव आमद ऐ हुसैन जैसे अन्य नात शरीफ ने रात भर लोगों की भीड़ जमा कर रखा. शब्बीर बरकाती के नात सुनने और उसकी एक झलक के लिए लोग बेताब दिखे.

राशिफल
आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष धर्म में मन लगेगा. समय उत्तम फल प्रदान करेगा. चंद्र भाग्य और धन वृद्धि करेगा. साझेदारी में शुरू किया गया कार्य लाभ के अवसरों को बढ़ा सकता है. स्थायी संपत्ति खरीदने का मन बनेगा. दांपत्य जीवन में विश्वास बढ़ेगा.

वृषभ किसी महिला से विवाद से बचें. धन आगमन होगा. विरोधी भी आपसे प्रभावित होंगे. कला के क्षेत्र में इच्छित सफलता मिलने के योग हैं. सरकारी राज्यपक्ष के कामों में पर्याप्त सावधानी रखें.

मिथुन व्यापार से बड़ा लाभ का योग बन रहा है. किसी नये कार्य में जोखिम न उठाएं. व्यावसायिक योजना के विस्तार में मित्रों से मदद मिलेगी. पुरानी झंझटों से राहत रह पाएगी. क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखना होगा.

कर्क कार्य होगा, जिससे आय होगी. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. मेहनत व लगन से कार्यक्षेत्र में बेहतर सफलता हासिल कर सकेंगे. अपने व्यसनों पर काबू रखना चाहिए. किसी से भी बोलने से पहले विचार कर लें.

सिंह संतान से लाभ होगा. किसी कार्य के बनाने से मन खुश होगा. रोजगार के बेहतर अवसर मिलने से आय बढ़ेगी. दांपत्य जीवन सुखद रहेगा. प्रसन्नतावर्धक समाचार मिलेंगे. व्यापार में इच्छित लाभ होगा. सूर्य को जल दें.

कन्या किसी बात को लेकर मन में प्रसन्नता बढ़ेगी. कारोबार में वांछित तेजी आने की संभावना कुछ कम रहेगी. विवेक से निर्णय करने पर लाभ एवं सफलता प्राप्त हो सकेगी. नए कार्य का आरंभ लाभदायी रहेगा, पर सोच विचार कर ही करें.

तुला भाई बहन के साथ कोई यात्रा हो सकती है, पर भागदौड़ रहेगी. कुछ हानि भी हो सकती है, धैर्य रखें. काम का बोझ कम करने के लिए जिम्मेदारियों को बांटना आवश्यक है. आर्थिक कामों में परेशानी आने की संभावना है.

वृश्चिक जुबान पर नियंत्रण रखें. विद्यार्थी शिक्षा में सफल रहेंगे. धनार्जन होगा. पूंजी निवेश संबंधी कार्यों में सावधानी रखें. आत्मविश्वास बना रहेगा. कारोबार में उतार-चढ़ाव बना रहेगा. पारिवारिक समस्याओं को प्राथमिकता से हल करें.

धनु समय बहुत ही अच्छा है. भावनात्मक संबंधों में जल्दबाजी में निर्णय न लें. अधिकारी आपकी कार्यशैली से नाराज हो सकते हैं. परिश्रम के अनुरूप सफलता नहीं मिलेगी. संतान की इच्छा पूरी होगी. आय अच्छी होगी.

मकर व्यवसाय ठीक रहेगा. व्यापार में नए प्रस्ताव लाभकारी रहेंगे. सही समय पर लिए गए फैसले लाभ दिला सकते हैं. आवास संबंधी समस्या हल होने के योग हैं. कुछ नया हो सकता है. आलस का त्याग करना चाहिए.

कुंभ उतावली में कोई काम न करें. पुरानी संपत्ति के रख-रखाव पर धन खर्च हो सकता है. सामाजिक, धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी. विद्यार्थियों को पढ़ाई की चिंता रहेगी, पर मेहनत से विजय पायी जा सकती है. काली वस्तु दान करें.

मीन धर्म-कर्म में रुचि रहेगी. लाभ में वृद्धि होगी. कुसंगति से बचें. परिवार में मांगलिक कार्यक्रमों की चर्चा संभव है. संतान की रोजी-रोटी की चिंता समाप्त होने के योग हैं. घर परिवार में खुशहाली होगी. सूर्य को जल दें.

झामुमो के स्थापना दिवस समारोह की तैयारी पूरी

गिरिडीह। झारखंड मुक्ति मोर्चा का 51वें स्थापना दिवस समारोह की तैयारी पूरी कर ली गई है. मुख्य समारोह शहर के झंडा मैदान में सोमवार को होगी. पार्टी के जिला अध्यक्ष संजय सिंह की माने तो स्थापना दिवस समारोह को लेकर मार्ग में 26 तोरण द्वार व 100 से अधिक होर्डिंग बैनर लगाए गए हैं. मालूम हो कि पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद गिरिडीह में स्थापना दिवस को यादगार बनाने की हर संभव कोशिश की जा रही है. समारोह में अधिकाधिक भीड़ जुटाने के लिए पंचायत से लेकर प्रखंड तक बैठक और न्याय यात्रा निकाली गई है. कार्यक्रम में मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के अलावा कई मंत्री और विधायक शामिल होंगे.

मोरहाबादी स्थित बापू वाटिका के पास झामुमो का उपवास कार्यक्रम 17वें दिन भी जारी

केंद्र ने ईडी, सीबीआई लगाकर हेमंत को किया प्रताड़ितः झामुमो

संवाददता।रांची

क्या कहा

- जो लोगों की सेवा में लगा रहा, आज काल कोठरी में बंद
- केंद्र के साथ जाने के बजाय हेमंत ने जेल जाना पंसद किया

झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) ने 17वें दिन भी मोरहाबादी स्थित बापू वाटिका के समक्ष उपवास कार्यक्रम किया. इसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष मुस्ताक आलम ने की. उन्होंने कहा कि एक आंदोलनकारी का बेटा जो रात-दिन लोगों की सेवा में लग रहा आज भारतीय जनता पार्टी के साजिश के तहत काल कोठरी में बंद है. केंद्र सरकार ने ईडी, सीबीआई का सहारा लेकर उन्हें प्रताड़ित करने का काम किया. परंतु हेमंत सोरेन जी जेल जाना पसंद किया पर उनके साथ जाना पसंद नहीं किया. मौके पर केंद्रीय सदस्य समनूर मंसूरी, पवन जेडिया, जिला उपाध्यक्ष अश्विनी शर्मा, कलाम आजाद, बीरु साहू, जनक नायक, सचिव डॉ हेमलाल मेहता, आफताब आलम, मंटू लाला, सुनील साहू, बबलू राम, जिला संगठन सचिव आदिल इमाम, कैथरीना तिर्की, अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष फरीद खान, उपाध्यक्ष शमीम मंसूरी, महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष राखी देवी, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह, सचिव सोनू मुंडा, संयुक्त सचिव साजिद कौसर, संगठन सचिव रमजान रजा, कयूम अंसारी, शमीम बढ़ेहार, क्रीड़ा मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रदीप मिर्धा, रांची विश्वविद्यालय सचिव असद फेराज, नगड़ी प्रखंड अध्यक्ष विनोद तिर्की, पूजा देवी, धूचू तिर्की, सुकरमणी देवी, सोमारी देवी, दयामनी तिर्की, सरिता देवी, दानियल, एक्का, कांके प्रखंड सचिव नवीन तिर्की, रातू प्रखंड अध्यक्ष बेलाल अंसारी, मो नईमउद्दी, किसान मोर्चा जिला कोषाध्यक्ष माइकल रुंडा, सोहेल खान, विजय रविदास, लक्ष्मण राम, राकेश वर्मा, हरीश महतो, नीरज, ओम शर्मा समेत अन्य कार्यकर्त्ता शामिल थे.

लिली फाउंडेशन ने लगाया नेत्र जांच शिविर

घाटशिला। लिली फाउंडेशन, कोलकाता तथा नेताजी नेत्र अस्पताल, रामचान्द्रपुर पुरुलिया के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को विवेकानन्द युवा प्रशिक्षण केन्द्र, काशिदा में नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया.

शिविर में निशुल्क मरीजों का जांच कर मोतियाबिंद मरीजों को पहचान कर ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया. उन मरीजो को नेताजी नेत्र अस्पताल, रामचन्द्रपुर में आंख का ऑपरेशन किया जाएगा. कैप को सफलतापुर्वक संचालित करने में बापिन चौधरी, मजित सिंह, सुप्रिया दास, रत्ना मुखर्जी, अनुप दत्ता, प्रबाल विश्वास, देवला सोरेन, सुजाता राय, सौरभ सरकार, निर्मल नामाता, सुप्रियो हालदार, सुष्टि पातरं, लक्ष्मी चौधरी, सुधांशु कुमार आदि का योगदान महत्वपुर्ण रहा.

लोकसभा चुनाव 2019 में भाजपा ने गंवायी थी राजमहल व सिंहभूम की सीटें

गीता व ताला के जाल में झामुमो कांग्रेस को फंसाएगी भाजपा

सत्य शरण मिश्रा।रांची

लोकसभा चुनाव को लेकर निकाली गई भाजपा उम्मीदवारों की पहली लिस्ट में झारखंड के वह 2 सीटें भी शामिल हैं, जिनमें भाजपा 2019 का चुनाव हार गई थी. भाजपा ने मोदी लहर में राज्य की 14 में 12 सीटों पर कब्जा जमा लिया था, लेकिन सिंहभूम और राजमहल सीट उसके हाथ से निकल गई थी. इसके बाद भाजपा की केंद्रीय टीम ने इन दोनों लोकसभा क्षेत्र में चुनाव हारने की वजह की समीक्षा की. केंद्रीय मंत्रियों और पदाधिकारियों ने इन दोनों लोकसभा क्षेत्रों का कई बार दौरा किया. जीत के आंकड़े जुटाने के लिए नये और मजबूत कैंडिडेट की तलाश शुरू हुई. इसी क्रम में भाजपा ने बोरियो के पूर्व विधायक ताला मरांडी को आजसू से वापस लाकर राजमहल में झामुमो के सामने ताला को खड़ा कर दिया है. उधर सिंहभूम में लंबे समय तक मजबूत प्रत्याशी की तलाश आखिरी समय में खत्म हुई. लोकसभा चुनाव का बिगुल बजने से पहले सिंहभूम से कांग्रेस की सांसद गीता कोड़ा को भाजपा में शामिल कराके कांग्रेस को फंसाने का दांव खेल दिया गया है.

खास बातें

- 4 साल की फिल्डिंग के बाद सिंहभूम के लिए भाजपा को मिला प्रत्याशी
- हेमलाल से हताश भाजपा ने ताला पर लगाया है दांव

हांसदा को हराने मैदान में उतरेंगे ताला

राजमहल लोकसभा सीट पर झामुमो का कब्जा है. 2014 व 2019 के चुनाव में विजय हांसदा यहां से चुनाव जीते. भाजपा ने दोनों बार विजय हांसदा के सामने हेमलाल मुर्मू को खड़ा कर चुनौती देने की कोशिश की, लेकिन हेमलाल दोनों ही बार चुनाव हार गये. इसके बाद भाजपा ने राजमहल में 2024 के लिए नये उम्मीदवार की तलाश शुरू कर दी. भाजपा की नजरें जाकर पूर्व विधायक ताला मरांडी पर ठहर गई. 2019 के विधानसभा चुनाव से पहले नाराज होकर आजसू में चले गये थे, लेकिन चुनाव हार गये और आजसू में अलग-थलग पड़ गये थे. इसके बाद भाजपा ने ताला से संपर्क कर उन्हें वापस पार्टी में शामिल कराया. ताला के आने के बाद हेमलाल को यह समझ आ गया कि इस बार भाजपा उन्हें राजमहल से टिकट नहीं देने वाली. मौके देखते ही उन्होंने पाला बदल लिया और फिर से झामुमो में शामिल हो गये. महेशपुर से भाजपा के पूर्व विधायक मिस्त्री सोरेन, पाकुड़ के जिला परिषद अध्यक्ष बाबूधन मुर्मू और साहिबगंज की जिला परिषद अध्यक्ष रेणुका मुर्मू साहिबगंज सीट से चुनाव लड़ने की तैयारी में थे.

भाजपा में शामिल होते ही हफ्ते भर के अंदर गीता को मिला टिकट

पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा की पत्नी गीता कोड़ा ने 2014 के लोकसभा चुनाव में सिंहभूम सीट से जय भारत समानता पार्टी से चुनाव लड़कर भाजपा को कड़ी टक्कर दी थी. 2019 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने कांग्रेस से चुनाव लड़ा और भाजपा प्रत्याशी लक्ष्मण गिलुआ को 8.21 फीसदी वोटों से हराया. 2019 के चुनाव के लक्ष्मण गिलुआ का निधन हो गया। इसके बाद भाजपा सिंहभूम सीट से चुनाव लड़ने के लिए नये उम्मीदवार की तलाश कर रही थी. पहले चक्रधरपुर के पूर्व विधायक शशिभूषण सामड को भाजपा में लाया गया. इसके बाद पूर्व मंत्री और सिंहभूम सीट से भाजपा की टिकट पर चुनाव लड़ चुके बड़कुंवर गगराई को दोबारा पार्टी में शामिल कराया गया. जनवरी 2023 में केंद्रीय मंत्री अमित शाह सिंहभूम के नेताओं-कार्यकर्ताओं की नब्ज टटोलने चाईबासा आये, लेकिन कोई नेता उनकी अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरा. तब फिर से नये भावी प्रत्याशी की तलाश शुरू हो गई. इसी बीच गीता कोड़ा और मधु कोड़ा के कांग्रेस से अनबन की खबरें आने लगी. भाजपा के कान खड़े हो गये और फिल्डिंग सेट की गई. उधर झामुमो ने सिंहभूम सीट पर अपना दावा पेश कर दिया. सिंहभूम के सभी कांग्रेस विधायक एकजुट हो गये और दावा किया कि सिंहभूम लोकसभा क्षेत्र में आने वाले 6 विधानसभा सीटों में से 5 पर झामुमो का कब्जा है इसलिए लोकसभा सीट पर झामुमो का ही दावा बनता है.

छोटानागरा के मुंडा की बेटी की शादी में पहुंचे मधु कोड़ा

संवाददाता।किरीबुरु

नक्सल प्रभावित सारंडा जंगल स्थित छोटानागरा गांव के मुंडा बिनोद बारीक की बेटी किर्ती बारीक की शादी कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा पहुंचे. उन्होंने किर्ती बारी को आशीर्वाद तेते हुये उनकी खुशहाल, सुखमय व स्वस्थ वैवाहिक जीवन हेतु शुभकामनाएं दी.मधु कोडा. के छोटानागरा पहुंचने से मुंडा बिनोद बारीक के अलावे तमाम ग्रामीण काफी प्रभावित हुये. मुंडा ने कहा कि यह हमारे लिये गर्व की बात है कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सुदूरवर्ती जंगल क्षेत्र में स्थित हमारे घर पहुंचे. उन्होंने कहा कि यह उनके लिये नयी बात नहीं है बल्कि वह एवं सांसद गीता कोड़ा भी हमेशा हम ग्रामीणों के सुख-दुख में सदैव खडे.रहते हैं तथा जनता के लिये आसानी से उपलब्ध रहते रहे हैं. उनके आने व बेटी को आशीर्वाद देने से हम बारीक परिवार व छोटानागरा के ग्रामीण धन्य हुये.

डीवीसी की रौनक खत्म होती जा रही हैः अरूप चटर्जी

संवाददाता।मैथन

मैथन। मासस का जोनल कार्यकर्ता सम्मेलन रविवार को मैथन रिक्रिएशन क्लब में हुआ. सम्मेलन की शुरुआत में कामरेड एके राय, शहीद गुरूदास चटर्जी एवं तापस नाग के तस्वीर पर माल्यार्पण किया गया. मौके पर उपस्थित मुख्य अतिथि मासस के केन्द्रीय कार्यकारी अध्यक्ष पूर्व विधायक अरूप चटर्जी ने कहा कि धनबाद के सांसद ने धनबाद क्षेत्र के विकास के लिए कोई काम नहीं किया. यहां की योजनाएं दूसरे जिलों में चली गई. डीवीसी की रौनक खत्म होती जा रही है. यहां दुकानदारों को जबरन हटाया जा रहा है. लेकिन सांसद ने यहां के ज्वलंत मुद्दों को कभी भी संसद में उठाने का काम नहीं किया. श्री चटर्जी ने कहा कि मोदी जी गारंटी की बात करते हैं, लेकिन महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार खत्म करने की गारंटी की बात कभी नहीं करते हैं. आज जनता महंगाई से त्राहि त्राहि कर रही है, बेरोजगारी बढ़ती जा रही है. जिन मुद्दों पर भाजपा चुनाव लड़ा था, उसे उठाने पर वे धार्मिक और साम्प्रदायिक मुद्दों को उठाकर जनता को गुमराह कर रहे हैं. कहा कि मजदूरों के अधिकारों पर लगातार हमला हो रहा है. सार्वजनिक उद्योगों का निजीकरण किया जा रहा है. संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर विपक्षी दल के नेताओं को परेशान किया जा रहा है.

साप्ताहिक नि:शुल्क कार्यक्रम इंद्रधनुष की 821वीं कड़ी का आयोजन

जमशेदजी ने समझी थी वक्त की नजाकत

संवाददाता।चाईबासा

नेशनल बुक ट्रस्ट इंडिया द्वारा सम्मानित गैर सरकारी संस्था दर्शन मेला म्यूजियम डेवलपमेंट सोसायटी का प्रमुख उपलब्धि पाठक मंच का साप्ताहिक निःशुल्क कार्यक्रम इन्द्रधनुष की 821वीं कड़ी का आयोजन रविवार को चाईबासा में सचिव शिवानी दत्ता की अध्यक्षता में किया गया. कार्यक्रम में बताया गया कि 3 मार्च 1839 में गुजरात के एक छोटे से कस्बे नवसारी में नौशेरवानजी टाटा के पुत्र के रूप में जमशेदजी टाटा का जन्म हुआ. जमशेदजी के माता का नाम जीवनबाई टाटा था. अपने खानदान में नौशेरवानजी पहले व्यवसायी थे. जमशेदजी 14 साल की उम्र में ही पिताजी का साथ देने लगे. 1868 में जमशेदजी ने अपना खुद का व्यवसाय शुरू किया. 1874 में रुई का एक कारखाना लगाया. महारानी विक्टोरिया उन दिनों भारत की रानी का खिताब हासिल किया था. उस वक्त जमशेदजी ने वक्त की नजाकत समझते हुए कारखाने का नाम इम्प्रेसस मिल रखा. इम्प्रेसस का मतलब महारानी है. जमशेदजी का मानना था कि आर्थिक स्वतंत्रता ही राजनीतिक स्वतंत्रता का आधार है. देश के सफल औद्योगिकीकरण के लिए इन्होंने इस्पात कारखाना की महत्वपूर्ण योजना बनाई. इसके लिए बिहार के जंगलों में स्थित सिंहभूम जिले में उपयुक्त स्थान खोज निकाला. 1907 से पहले यहां आदिवासियों का एक गांव था साकची यही साकची अब टाटानगर का प्रमुख व्यापारिक केंद्र है. यहां की मिट्टी काली होने का कारण यहां का रेलवे स्टेशन का नाम कालीमाटी पड़ा. 1907 में टाटा आयरन एंड स्टील कंपनी (टिस्को) की स्थापना जमशेदपुर से नगर की बुनियाद पड़ी. इस नगर की स्थापना को पारसी व्यवसायी जमशेदजी नौशेरवानजी टाटा के नाम से जोड़ा जाता है. कालांतर में विश्व प्रसिद्ध औद्योगिक घराने टाटा समूह के संस्थापक जमशेदजी नौशेरवानजी टाटा के सम्मान में कलीमाटी रेलवे स्टेशन का नाम टाटानगर कर दिया गया.

धार्मिक स्थल का अतिक्रमण करने पर लोगों ने किया हंगामा

संवाददाता।जमशेदपुर

जमशेदपुर के बिरसानगर थाना अंतर्गत जोन नंबर 8 में मंदिर के नाम पर रविवार को आदिवासियों के धार्मिक स्थल का अतिक्रमण किए जाने के विरोध में बस्ती वासियों ने जमकर हंगामा हुआ. बस्ती वासियों का आरोप है कि स्थानीय भागीरथ नामक व्यक्ति द्वारा 10 दिन पूर्व मां काली की प्रतिमा स्थापित कर दी थी उस दौरान कहा गया था कि यह मंदिर सार्वजनिक है और सभी लोग मां काली की पूजा कर सकेंगे लेकिन मंदिर के आड़ में उसके द्वारा नशीली पदार्थ का सेवन और बिक्री कर अड्डा बाजी कराता था. इसी बीच उसने मंदिर के आसपास के जमीन को कंक्रीट से घेराबंदी करने लगा जिसे लेकर बस्ती वासियों ने अपने धार्मिक पारंपरिक झंडा लेकर वहां पहुंचे और गाड़ने का प्रयास किया जिसे लेकर दोनों पक्षों में जमकर हंगामा हुआ सूचना मिलने पर बिरसानगर थाना के प्रभारी नेमधारी रजक दलबल के साथ पहुंचे जहां उनके द्वारा कार्रवाई किए जाने का आश्वासन देने और धार्मिक झंडा गाड़ने के बाद लोग शांत हुए.

झारखंड कबड्डी लीग का समापन

कार्तिक उरांव राइनोस बना चैंपियन

संवाददाता।रांची

झारखंड राज्य कबड्डी एसोसिएशन के तत्वाधान में आयोजित झारखंड कबड्डी प्रीमियर लीग का रंगारंग समापन रविवार को मोरहाबादी के ऑक्सीजन पार्क में हुआ. प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में कार्तिक उरांव राइनोस की टीम ने तेलंगा खड़िया वारियर को कड़े मुकाबले में 35-31 से हराकर खिताब अपने नाम किया. फाइनल मैच के समापन समारोह में स्थानीय बच्चों ने रंगारंग प्रस्तुति कर दर्शकों का मन मोहा. कार्यक्रम में समापन समारोह में अतिथि के रुप में बीजेपी नेता रमेश सिंह, आशा लकड़ा रांची के पूर्व मेयर, विजेता वर्मा, अरुण सिंह,अजय झा शामिल हुए. अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर पुरस्कार वितरण किया. विजेता टीम को 51 हजार व उपविजेता टीम को 31 हजार रुपये मिले. फाइनल मुकाबले निशांत कुमार को बेस्ट रेडर व अदित्य सिंह बेस्ट कैचर का पुरस्कार मिला. मौके पर बोकारो जिला के अध्यक्ष ललन मांझी सहित सभी जिलों के अध्यक्ष,सचिव व प्रशिक्षक गुंजन झा, हकीम अंसारी मौजूद थे. प्रतियोगिता के सफल संचालन के लिए झारखंड राज्य कबड्डी संघ के अध्यक्ष तपन राउत महासचिव संजय झा, कोषाध्यक्ष हरीश कुमार, मोनू कुमार, रोहित शर्मा, दिव्यांश, शिव सागर,शिव कुमार महतो, सत्यानंद किस्कू, विक्की कुमार, ने अहम भूमिका निभायी.

सीयूईटी-यूजी 2024 | नाज के सहयोग से नवोदय के पूर्व छात्रों ने किया वेबिनार का आयोजन

विद्यार्थियों को मिले तैयारी और सफलता के टिप्स

संवाददाता।जमशेदपुर

नाज के सहयोग से नवोदय के पूर्व विद्यार्थियों ने रविवार को एक वेबिनार का आयोजन किया. इसमें गम्हरिया क्षेत्र के नवोदय विद्यालय के पूर्व छात्रों ने भारत के सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों में प्रवेश के लिए आयोजित की जाने वाली सीयूईटी-यूजी 2024 परीक्षा के बारे में जानकारी दी. उन्होंने सीयूईटी परीक्षा का पूरा विवरण, जिसमें पात्रता, पाठ्यक्रम, प्रश्न पत्र प्रारूप, अंकन विधि, आवेदन प्रक्रिया, और काउंसलिंग प्रक्रिया के बारे में बताया.

सीयूईटी परीक्षा की तैयारी के लिए सर्वोत्तम रणनीतियां, जिसमें समय प्रबंधन, प्रश्न पत्रों का विश्लेषण, अभ्यास परीक्षाएं, और टिप्स और ट्रिक्स पर चर्चा की.पूर्व छात्रों ने बताया कि सीयूईटी परीक्षा के बाद के विकल्प एवं भारत के प्रमुख केंद्रीय विश्वविद्यालयों के बारे में जानकारी दी, जिसमें उनके कोर्सेज, फीस, प्लेसमेंट, और रैंकिंग शामिल हैं. इस दौरान बच्चों को अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के बारे भी बताया गया.

दो घंटे का यह वेबनार उन उम्मीदवारों के लिए उपयोगी साबित हुआ, जो सीयूईटी परीक्षा के लिए आवेदन करना चाहते हैं या जो इस परीक्षा के बारे में अधिक जानना चाहते हैं. इस वेबनार का उद्देश्य भारत के युवा छात्रों को सीयूईटी परीक्षा के बारे में जागरूक और प्रेरित करना था, जो उनके शैक्षिक और कैरियर के लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करेगी. इस वेबनार के दौरान, छात्रों के सभी संदेहों और प्रश्नों का उत्तर दिया गया और उनको एक मौका मिला अपने साथी उम्मीदवारों और विशेषज्ञों के साथ बातचीत करने का.

इस दौरान देश के अलग-अलग नामी विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी व नवोदय विद्यालय के शिक्षक विशेषज्ञों के रूप में जुड़े, प्रतिभागियों के रूप 12वीं कक्षा में पढ़ रहे 300 से अधिक विद्यार्थी जुड़े. वेबिनार में सभी बच्चों को आश्वासन दिया गया कि टीम बच्चों को मदद करने के लिए हरसंभव प्रयास करेगी. साथ ही आगे भी इसी तरह का वेबिनार का आयोजन किया जाता रहेगा.

बैद्यनाथ पैलेस में समीक्षा बैठक का आयोजन

वहरागोड़ा। बहरागोड़ा भाजपा की और से जिलाध्यक्ष चंडी चरण साव के अध्यक्षता बहरागोड़ा के बैद्यनाथ पैलेस में एक बैठक का आयोजन हुआ .इस बैठक में मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पुर्व मंत्री बडकुंवर गागराई उपस्थित हुए. जिसमें बहरागोड़ा विधानसभा के चारो मंडल अध्यक्ष राजकुमार कर, आसिष महापात्र, बाघराय मांडी एबं शतदल महतो से लोकसभा विस्तारक विनय सांडिल्य ने स्कॉर्पियो चलाए जा रहे हैं आयोजित कार्यक्रमों के संचालन की स्थिति के जानकारी प्राप्त किये.इस कार्यक्रम में जिला महामंत्री बापतु साव, जिला संयोजक सुमन कल्याण मंडल, पुर्व जिलाध्यक्ष दिनेश साव, जिला परिषद सुभाष सिंह, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीबत्स घोष आदि उपस्थित थे.

अवकाश तालिका को निरस्त करेंः आदिवासी शिक्षक संघ

संवाददाता।रांची

आदिवासी झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के आह्वान पर संघ भवन दुमका में नंद किशोर बास्की की अध्यक्षता में बैठक हुई. इसमें निम्न बिंदुओं पर विचार विमर्श कर निर्णय लिया गया. निदेशक झारखंड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद रांची के ज्ञापांक के आदेशानुसार वर्ष 2024 के लिये सभी कोटि के विद्यालयों के लिए एक समान वार्षिक अवकाश तालिका बनाया गया है. इस पर आदिवासी झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ ने क्षोभ व्यक्त किया, क्योंकि अवकाश तालिका में झारखंड प्रदेश के मुख्य आदिवासी संतालों का पर्व त्योहारों में एकमात्र त्योहार सम्मिलित किया गया है. वह भी 14 जनवरी रविवार को दिया गया है. जबकि उक्त तिथि को मकर संक्रांति मनाई जाती है. हम संतालों का पर्व -त्योहारों में सोहराय, माघ, बाहा, हरियाड़, दासांय, जन्थाड़ आदि प्रमुख है.

मीडिया की साख का सवाल

तीन टीवी एंकरों को नफरत फैलाने के लिए दोषी माना गया है. उनके कार्यक्रमों पर पहले से ही नफरत फैलाने का आरोप लगता रहा है. न्यूज ब्रॉडकास्टिंग एंड डिजिटल स्टैंडर्ड अथॉरिटी ने 3 टीवी चैनलों पर दिखाए गए नफरती शो पर कार्रवाई करते हुए उन पर जुर्माना और वीडियो हटाने का निर्देश जारी किया है. इनमें एंकर अमीश, अमन और सुधीर चौधरी के शो शामिल हैं. जाहिर है मीडिया को आत्ममंथन का समय आ गया है. साख, निष्पक्षता और संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप पत्रकारिता को ले कर अनेक सवाल उठते रहे हैं. एनबीडीएसए का यह फैसला निश्चय ही एक महत्वपूर्ण कदम है, लेकिन पर्याप्त नहीं है. सामाजिक तानेबाने को नुकसान पहुंचाने वालों के साथ कड़ाई से पेश आने की जरूरत है. ध्यान देने वाली बात है कि सुप्रीम कोर्ट के सबसे निष्पक्ष एवं बेदाग छवियों वाले न्यायाधीशों की जब भी बात चलती है तो उनमें पूर्व जस्टिस जोसेफ कूरियन का ज़िक्र हमेशा होता रहा है, उन्होंने भारत की मीडिया के बारे में जो टिप्पणी की है, उस पर स्वयं देश के मीडिया से जुड़े लोगों द्वारा विचार करने की आवश्यकता है. उन्होंने साफ कहा कि 'मीडिया देश के लोकतंत्र, संविधान एवं सच की रक्षा करने में पूर्णतः विफल रहा है.' कैंपेन फॉर ज्युडिशियल एकाऊंटिबिलिटी एण्ड रिफॉर्म्स (सीजेएआर) की ओर से आयोजित एक परिचर्चा को संबोधित करते हुए जस्टिस कूरियन ने कहा कि 'किसी को भी तथ्यों की सच्ची व निडर जानकारी नहीं मिलती. लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा झटका यह है कि मीडिया ने देश को हताश किया है. 'उनकी निराशा निर्मूल नहीं है. जो उनकी भावना है, लगभग वैसी ही देश के उन सभी लोगों की है, जो संविधान में आस्था रखते हैं और लोकतंत्र को कायम रखना चाहते हैं. उन्होंने देश के लिए आशा की अंतिम किरण उन व्हिसलब्लोअरों को बताया, जो अब भी लोगों को जाग्रत करने का काम कर रहे हैं और व्यवस्था की खामियों को उजागर कर रहे हैं. उन्होंने ऐसे लोगों के साथ खड़े होने की ज़रूरत बताई. देश की सबसे बड़ी अदालत में न्यायदान करने वाले एक जस्टिस का अगर ऐसा सोचना है तो यह मीडिया संस्थानों और उससे जुड़े सभी लोगों के लिए यह भी सोचने का अवसर है कि आखिर उन्हें (कूरियन को) ऐसा बयान क्यों देना पड़ा है. दरअसल जस्टिस कूरियन की यह व्यथा पिछले करीब एक दशक के घटनाक्रमों का निचोड़ है, जिसे हम मौजूदा शासकों की देन भी कह सकते हैं. दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र कहे जाने वाले भारत में ऐसी परिस्थितियां पहले भी आई हैं. सबसे बड़ा उदाहरण है 1975 में लाया गया आपातकाल. देश के उस कालखंड में भी मीडिया का एक बड़ा हिस्सा उसके खिलाफ खड़ा रहा. उसने इंदिरा गांधी जैसी ताकतवर, लोकप्रिय और उस दौरान तानाशाह बन गयी इंदिरा गांधी का भी मुकाबला किया था. हालांकि खुद इंदिरा जान गयी थीं कि यह मुल्क निरंकुशता को बर्दाश्त करने वाला नहीं है. लेकिन आज मीडिया की खुद्दारी और आजादी की जरूरत हर तरफ महसूस की जाती है.

> कैंपेन फॉर ज्युडिशियल एकाऊंटिबिलिटी एण्ड रिफॉर्म्स (सीजेएआर) की ओर से आयोजित एक परिचर्चा को संबोधित करते हुए जस्टिस कूरियन ने कहा कि 'किसी को भी तथ्यों की सच्ची व निडर जानकारी नहीं मिलती.

सुभाषित

वदनं प्रसादसदनं सदयं हृदयं सुधामुचो वाचः।
करणं परोपकरणं येषां केषां न ते वन्द्याः।।

सदैव प्रसन्न-चित्त दिखने वाले, हृदय में दया की भावना रखने वाले, अमृत के समान मीठे वचन बोलने वाले, नित्य दान करने वाले तथा परोपकार में लिप्त रहने वाले व्यक्ति भला किसके लिए प्रशंसनीय नहीं होंगे? अर्थात ऐसे लोग सबों के लिए सराहनीय होते हैं.

नई संसद तो मिली, लेकिन आंकड़े अच्छे नहीं

भविष्य में देश की सबसे बड़ी पंचायत के सामने 17वीं लोकसभा का इतिहास तीखे सवाल बनकर जरूर चुभेंगे. तमाम उपलब्धियों के बीच कुछ बातों को गौर करें तो 17वीं लोकसभा में डिप्टी स्पीकर की नियुक्ति की गई जो आम तौर पर विपक्ष की ओर से किसी नेता को चुना जाता है. 17वीं लोकसभा में सांसदों की उपस्थिति अब तक सबसे कम दर्ज की गई है. नए आपराधिक कानूनों के साथ-साथ 70 फीसदी से ज्यादा बिल उस समय पास कर दिए गए, जब विपक्षी सांसद मौजूद नहीं थे.

• देश-काल

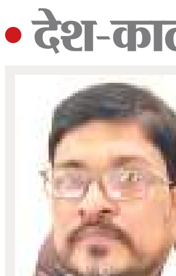

बृजेंद्र दूबे

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में निचले सदन यानी 17वीं लोकसभा का कार्यकाल अब खत्म होने को है. माना जा रहा है कि कुछ ही दिनों में आम चुनाव का एलान हो जाएगा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी रेडियो पर प्रसारित होने वाले कार्यक्रम मन की बात को अगले तीन महीने तक के लिए स्थगित कर दिया है. 2019 लोकसभा चुनाव में प्रचंड बहुमत के साथ दूसरी बार पीएम बने नरेंद्र मोदी के बीते 5 साल कई फैसलों के लिए जाने जाएंगे. जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 खत्म करने का फैसला, अयोध्या में राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा और भारत को नई संसद इसी कार्यकाल में मिली. साथ ही अब नागरिकता कानून भी लागू करने की तैयारी है, जिसके खिलाफ पूरे देश में आंदोलन हो चुका है. कृषि से जुड़े तीन कानूनों के विरोध में आंदोलन भी इसी कार्यकाल में हुआ है. सरकार को इन कृषि कानूनों को वापस भी लेना पड़ा. किसान अब न्यूनतम समर्थन मूल्य को लेकर फिर मैदान में हैं. लेकिन बात करें संसदीय कार्यप्रणाली की तो देश की सबसे बड़ी पंचायत में इस कार्यकाल में जिस तरह से काम हुआ, उसके आंकड़े लोकतांत्रिक व्यवस्था के मुताबिक बिल्कुल नहीं हैं. भविष्य में देश की सबसे बड़ी पंचायत के सामने 17वीं लोकसभा का इतिहास तीखे सवाल बनकर जरूर चुभेंगे.

तमाम उपलब्धियों के बीच कुछ बातों को गौर करें तो 17वीं लोकसभा में डिप्टी स्पीकर की नियुक्ति की गई जो आम तौर पर विपक्ष की ओर से किसी नेता को चुना जाता है. 17वीं लोकसभा में सांसदों की उपस्थिति अब तक सबसे कम दर्ज की गई है. नए आपराधिक कानूनों के साथ-साथ 70 फीसदी से ज्यादा बिल उस समय पास कर दिए गए, जब विपक्षी सांसद मौजूद नहीं थे. इसके साथ ही पीएम मोदी ने किसी भी सवाल का जवाब अपने भाषण के जरिए नहीं दिया. एक बार उन्होंने लिखा हुआ जवाब जरूर पढ़ा है. 1990 के पहले सभी लोकसभाओं में औसतन बैठक 550 बार हुईं. इन सबका औसत 3500 घंटे है. 90 का दशक आते-आते बैठकों का औसत 345 दिन आ गया और घंटों का औसत 1800 तक गिर गया. 17वीं लोकसभा में 274 बैठकें हुईं. हालांकि इस दौरान कोरोना संक्रमण ने भी असर डाला.

भारत की संसद के दोनों सदनों में स्पीकर आधे घंटे की चर्चा की इजाजत देते हैं. लोकसभा के नियम 55 के तहत यह चर्चा होती है. इसमें कोई भी सांसद जनता से जुड़े सवाल उठा सकता है, जो हाल ही में हाल ही के प्रश्न , तारांकित, अतारांकित या अल्प सूचना प्रश्नम का मुद्दा रहा हो. 90 के दशक से पहले औसतन 88 बार इस तरह की चर्चा हुई. 90 के दशक के बाद इस तरह की चर्चा औसतन 11 घंटे ही हुई है. लेकिन 17वीं लोकसभा में सिर्फ एक बार इस तरह की चर्चा हुई. जनता से जुड़े मुद्दों को तुरंत उठाने के लिए नियम 193 के तहत अल्पकालिक चर्चा की व्यवस्था की गई है. इसमें बिना किसी औपचारिक प्रस्ताव या मतदान के अल्पकालिक चर्चा उठा सकते हैं. 90 के दशक से पहले इस तरह की चर्चाएं औसतन 46 बार हुईं. बाद के सालों में यह गिरते-गिरते 39 पर आ गई. 17वीं लोकसभा में सिर्फ 13 बार इस तरह की चर्चा हुई. संसद में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव सदस्यों के पास एक ऐसा अधिकार है, जिसके जरिए लोक महत्व के किसी विषय पर मंत्री से सवाल पूछ सकता है, मंत्री एक संक्षिप्त वक्तव्य दे सकता है या बाद में किसी समय अथवा किसी दिन वक्तव्य् देने के लिए समय मांग सकता है. 1957 से 1990 तक औसतन 300 प्रस्ताव दिए गए, लेकिन 1990 के बाद इस तरह के प्रस्ताव औसतन सिर्फ 40 दिए गए, लेकिन 17वीं लोकसभा में सिर्फ एक बार इस तरह के प्रस्ताव पर चर्चा की इजाजत दी गई.

स्थगन प्रस्ताव जनता से जुड़े किसी निश्चित मामले जिसे अध्यक्ष की अनुमति से पेश किया जा सकता है. चर्चा करने के उद्देश्य से सभा की कार्यवाही के स्थगन हेतु प्रक्रिया को स्थगन प्रस्ताव कहते हैं. स्थगन प्रस्ताव स्वीकार होने पर प्रस्ताव में लिखित मामले पर चर्चा करने के लिए सभा के सामान्य कार्य को रोक दिया जाता है. स्थगन प्रस्ताव का उद्देश्य सरकार की हाल ही की किसी चूक अथवा असफलता के लिए, जिसके गंभीर परिणाम हों, सरकार को आड़े हाथ लेना है. इसे स्वीकार किया जाना एक प्रकार से सरकार की निंदा मानी जाती है. 90 के दशक से पहले सभी लोकसभाओं के कार्यकाल को मिला दें तो औसतन 4 बार इस तरह के प्रस्ताव पर चर्चा हुई है. 90 के दशक के बाद औसत घटकर 3 पर आ गया. 16वीं और 17वीं लोकसभा में इस तरह के किसी भी प्रस्ताव की इजाजत विपक्षी सांसदों को नहीं दी गई. बजट पर चर्चा का टाइम भी बहुत तेजी से घटता जा रहा है. इसमें मंत्रालयों के हिसाब से मांग और वित्तीय बिल भी शामिल हैं. 90 के दशक पर औसतन 120 घंटे सालाना था, जो बाद में 35 घंटे तक पहुंच गया है. मंत्रालयों के हिसाब से बजट में मांग को 1952 से अब तक सिर्फ 5 बार बिना चर्चा के पारित किया गया है और ये सभी 1999 के बाद ही हुआ है.

खास बात यह है कि लोकसभा के इस कार्यकाल में जो भी बिल पेश किए गए, वे ज्यादातर पास कर दिए गए. 58 फीसदी बिल तो पेश करने के दो हफ्ते में ही पास कर दिए गए. जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन बिल 2019, महिला आरक्षण बिल 2023 पेश करने के दो दिन के अंदर ही पास कर दिए गए. 35 फीसदी बिल तो एक घंटे से कम समय ही में ही पारित कर दिए गए. राज्यसभा में ये आंकड़ा 34 फीसदी है. साल 2023 में बजट सत्र के दौरान 96 घंटे तक संसद ठप रही. 17वीं लोकसभा में 115 सांसदों को सस्पेंड किया गया. 100 सांसदों को तो साल 2023 में शीतकाल के दौरान ही निलंबित किया गया था. इसी दौरान आपराधिक कानून से जुड़े बिल भी पास किए गए. साल 2023 में लोकसभा और राज्यसभा मिलाकर 146 सांसदों को सस्पेंड किया गया. ये सब बातें इतिहास में जब भी याद की जाएंगी तो लोकतंत्र के सीने पर तीर की तरह चुभेंगी.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

दंभ का तीव्र उदय

एक बादशाह इत्र का बहुत शौकीन था. एक दिन वह दरबार में अपनी दाढ़ी में इत्र लगा रहा था. अचानक इत्र की एक बूंद नीचे गिर गई. बादशाह ने सबकी नजरें बचाकर उसे उठा लिया. लेकिन पैनी नजर वाले वजीर ने यह देख लिया. बादशाह ने भांप लिया कि वजीर ने उसे देख लिया है. दूसरे दिन जब दरबार लगा, तो बादशाह एक मटका इत्र लेकर बैठ गया. वजीर सहित सभी दरबारियों की नजरें बादशाह पर गड़ी थीं. थोड़ी देर बाद जब बादशाह को लगा कि दरबारी चर्चा में व्यस्त हैं तो उसने इत्र से भरे मटके को ऐसे ढुलका दिया, मानो वह अपने आप गिर गया हो. इत्र बहने लगा. बादशाह ने ऐसी मुद्रा बनाई, जैसे उसे इत्र के बह जाने की कोई परवाह न हो. इत्र बह रहा था. बादशाह उसकी अनदेखी किए जा रहा था. वजीर ने यह देखकर कहा- जहांपनाह, गुस्ताखी माफ हो. यह आप ठीक नहीं कर रहे हैं. जब किसी इंसान के मन में चोर होता है तो वह ऐसे ही करता है. कल आपने जमीन से इत्र उठा ली तो आपको लगा कि आपसे कोई गलती हो गई है. आपने सोचा कि आप तो शहंशाह हैं, आप जमीन से भला क्यों इत्र उठाएंगे. लेकिन वह कोई गलती थी ही नहीं. एक इंसान होने के नाते आपका ऐसा करना स्वाभाविक था. लेकिन आपके भीतर शहंशाह होने का जो घमंड है, उस कारण आप बेचैन हो गए. और कल की बात की भरपाई के लिए बेवजह इत्र बर्बाद किए जा रहे हैं. सोचिए आपका घमंड आपसे क्या करवा रहा है. बादशाह लज्जित हो गया. यह मनुष्य की वह मानसिक अवस्था है, जब यह लगने लगता है कि हम लोगों की नजरों में सामान्य मनुष्य की भांति ही हैं तो हमारे भीतर अपने आपको विशिष्ट बताने की प्रवृत्ति उछाल मारने लगती है. तभी हमारे भीतर दंभ का तीव्र उदय होता है और हममें कुछ अधिक प्रदर्शन की भावना जग जाती है और हम लोगों को यह बताने के प्रयास में लग जाते हैं कि हम वह नहीं हैं, जो सभी लोग हुआ करते हैं. तब हमारी चेष्टाओं में विचित्रता आने लगती है और कई बार तो यह बहुत ही हास्यास्पद हो जाती है. हमारे निराधार और काल्पनिक अपमान के भयवश, हमारा दंभ उत्प्रेरित होता है. दर्प का उदय हमारे विवेक को हर लेता है. दंभ से मोहांध बनकर हम उससे भी बडी मूर्खता कर जाते है, जिस मूर्खता के कारण वह काल्पनिक अपमान भय हमें सताता है.

गरीबी में कमी : कितना हकीकत कितना फसाना

• विमर्श

डॉ. ज्ञान पाठक

नेशनल सैंपल सर्वे ऑफिस (एनएसएसओ) द्वारा घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण (एचसीईएसः 2022-23) के प्रकाशन के ठीक बाद, पीएम नरेंद्र मोदी की ओर से लोकसभा चुनाव 2024 की पूर्व संध्या पर गरीबी पर राजनीति शुरू कर दी गई है. सरकारी थिंक टैंक नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बी. वी. आर सुब्रमण्यम ने दावा किया है कि देश में गरीबी 5 प्रतिशत से नीचे आ गई है, खुदरा मुद्रास्फीति को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था के कमजोर होने और भारत का 'कुछ लोगों तक ही सीमित' होने की बात गलत है. जो लोग एचसीईएस के विवरण के बारे में नहीं जानते, उन्हें कभी पता नहीं चलेगा कि बीवीआर सुब्रमण्यम आखिर कह क्या रहे हैं. वह कह रहे हैं कि गरीब लोग वे हैं, जो प्रति दिन 32 रुपये से कम कमाते हैं और ऐसे लोगों का प्रतिशत 5 से भी कम होने की उम्मीद है. गरीबी रेखा के इस बेतुकी स्तर की आलोचना पहले ही 2011-12 में हो चुकी है, और उस समय अधिकांश लोगों ने इसे खारिज कर दिया था, जब तत्कालीन योजना आयोग 32 रुपये प्रतिदिन की कमाई पर गरीबी रेखा का विचार लेकर आया था. अब एक दशक बाद एक शीर्ष सरकारी अधिकारी का 32 रुपये की गरीबी रेखा पर आधारित तर्क दोगुना बेतुका है. यह तर्क देने के लिए उन्होंने हाल के 2022-23 सर्वेक्षण को आधार बनाया. इस दावे का उद्देश्य आगामी लोक सभा आम चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मदद करना है, जब वह और भाजपा अपने तीसरे कार्यकाल के लिए प्रयास कर रहे होंगे और वे मोदी राज में वृद्धि और विकास की कथा को आगे बढ़ा रहे होंगे. अधिकारी ने आगे कहा, 'अगर हम प्रतिदिन 32 रुपये पर जायें, जो कि 2011-12 की अंतिम स्वीकृत गरीबी रेखा थी और तब से मुद्रास्फीति के रुझान को ध्यान में रखते हुए उस स्तर को दोगुना कर लगभग 60 रुपये प्रतिदिन कर दिया जाए तो आप देखेंगे गरीबी 10 प्रतिशत से कम है.' इसका मतलब है कि शीर्ष अधिकारी अपने पहले के दावे का खंडन करते हैं कि गरीबी रेखा 5 प्रतिशत से नीचे चली गई है, जो 2011-12 की कीमतों पर थी, लेकिन मौजूदा कीमतों पर यह 10 प्रतिशत से नीचे होगी. अब आइए एचसीईएस के अनुसार 2022-23 में विभिन्न वर्गों में मासिक प्रति व्यक्ति व्यय (एमपीसीई) औसत पर आते हैं. श्री सुब्रमण्यम ने स्वयं नोट किया कि निचले 5 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों के लिए औसत उपभोग स्तर 1373 रुपये था, जबकि अगले 5 प्रतिशत के लिए यह 1782 रुपये था. कोई कल्पना ही कर सकता है कि यदि कोई व्यक्ति 1373 रुपये या 1782 रुपये प्रति माह पर भी जीवनयापन करता है तो वह गरीब कैसे नहीं है. हाल ही में नीति आयोग के बहुआयामी गरीबी सूचकांक ने 11 फीसदी लोगों को गरीबी रेखा के नीचे रखा था, पीएम मोदी ने दावा किया था कि उनके शासन में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है, लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि पीएमजीकेएवाई के तहत 80 करोड़ गरीब लोगों को मुफ्त अनाज दिया जाता है, जबकि सरकार को खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के तहत अनुमानित 81.4 करोड़ गरीबों में से 1.4 करोड़ गरीबों की पहचान करना बाकी है. इसमें प्रवेश करने वाले और बाहर जाने वाले गरीबों की संख्या एक पहेली बनी हुई है. अब हम एचसीईएस 2022-23 परिणाम पर आते हैं. सर्वेक्षण पद्धति में महत्वपूर्ण परिवर्तन किया गया. एचसीईएस 2011-12 में 347 आइटम थे, जबकि 2022-23 में कई नए आइटम जोड़े और कई हटा दिए गये. वर्तमान सर्वेक्षण में कुल मिलाकर 405 आइटम थे. एक प्रश्नावली के स्थान पर तीन प्रश्नावली का प्रयोग किया गया - 1. खाद्य पदार्थों पर 2. उपभोग्य सामग्रियों एवं सेवाओं की वस्तुओं पर, और 3. टिकाऊ वस्तुओं पर. इसके अतिरिक्त, घरेलू विशेषताओं के साथ-साथ घरों के सदस्यों के जनसांख्यिकीय विवरण पर जानकारी एकत्र करने के लिए एक और प्रश्नावली थी. डेटा संग्रह का तरीका पेन-एंड-पेपर पर्सनल इंटरव्यू (पीएपीआई) से बदलकर कंप्यूटर-असिस्टेडपर्सनल इंटरव्यू (सीएपीआई) कर दिया गया. सर्वेक्षण स्वयं चेतावनी देता है कि पिछले सर्वेक्षणों के साथ एचसीईएस 2022-23 के परिणामों की तुलना करते समय इन परिवर्तनों पर ध्यान दिया जाना आवश्यक है.एमपीसीई के अनुमान, जिसके आधार पर श्री सुब्रमण्यम ने तर्क दिया है, में विभिन्न सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों के माध्यम से परिवारों द्वारा मुफ्त में प्राप्त और उपभोग की जाने वाली कई वस्तुओं की खपत की मात्रा पर जानकारी एकत्र करने के लिए एक अलग अतिरिक्त प्रावधान भी है.

> गरीबी रेखा के इस बेतुकी स्तर की आलोचना पहले ही 2011-12 में हो चुकी है, और उस समय अधिकांश लोगों ने इसे खारिज कर दिया था, जब तत्कालीन योजना आयोग 32 रुपये प्रतिदिन की कमाई पर गरीबी रेखा का विचार लेकर आया था. अब एक दशक बाद एक शीर्ष सरकारी अधिकारी का 32 रुपये की गरीबी रेखा पर आधारित तर्क दोगुना बेतुका है.

क्या लोकतंत्र को धनबल से बचाया जा सकेगा !

• लोकतंत्र

जगदीप एस. छोकर

पंद्रह फरवरी, 2024 का दिन भारत के लोकतंत्र के इतिहास में एक अहम दिन के रूप में याद रखा जाएगा. इस दिन सर्वोच्च न्यायालय ने इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम (ईबीएस) को असंवैधानिक करार दे दिया. अदालत ने अपने फैसले में कहा कि भविष्य में बैंक इलेक्टोरल बॉन्ड जारी न करे. यह फैसला अभूतपूर्व है, क्योंकि यह उस स्कीम को बंद करता है जिसके तहत विभिन्न राजनीतिक दलों को मार्च, 2018 से 2024 के बीच 16,518 करोड़ रुपये चंदे के रूप में मिला, इसका बड़ा हिस्सा केंद्र में सत्तासीन दल को गया है और शायद अपवादस्वरूप सत्तारूढ़ प्रशासन के अलावा किसी को नहीं पता कि किसने किसको कितना चंदा दिया. ईबीएस स्कीम की घोषणा फरवरी, 2017 में तत्कालीन वित्त मंत्री द्वारा अपने बजटीय भाषण के दौरान की गई थी. इसको शुरू करने के पीछे वजह बताई कि चुनाव चंदा प्राप्ति में पारदर्शिता बढ़ेगी. लेकिन जब स्कीम का विवरण पता चला तो यह साफ था कि ईबीएस से व्यवस्था में रही-सही पारदर्शिता भी जाती रहेगी. अदालत के फैसले ने स्पष्ट किया है कि अदृश्य या चुनींदा या आंशिक पारदर्शी या फिर चुनींदा आंशिक अपारदर्शिता वाली चंदा व्यवस्था इस देश में कतई अस्वीकार्य है, क्योंकि यह लोकतंत्र की नैतिकता के विरुद्ध है. न्यायालय ने चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने वाले सबको समान अवसर मिलने के सिद्धांत को विशेष रूप से ज़हन में रखा है. अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे का स्रोत जानने का देश के नागरिकों को पूरा हक है. यह सूचना के अधिकार को मजबूती प्रदान करता है, जिसकी फौरी जरूरत है. सालों से सरकारें और प्रशासन इस महत्वपूर्ण नागरिक हित केंद्रित कानून को हल्के में लेते आए हैं, यहां तक कि न्यायपालिका भी इसको लेकर सुस्त रही. यह फैसला इस कानून को कानूनन वैधता और सम्बल प्रदान करता है, जिसकी सख्त जरूरत थी. देखा जाए तो न्यायालय ने जिस सबसे अहम मुद्दे को छेड़ा है वह है राजनीतिक दलों को कॉर्पोरेट्स द्वारा दिया जाना वाला चंदा, यह उपाय ईबीएस का नींव का पत्थर है या इस व्यवस्था को बनाने के पीछे का मुख्य मनोरथ. इस स्कीम के अंश के तौर पर, कंपनी एक्ट में संशोधन करते हुए उस प्रावधान को हटा दिया गया, जिसमें पहले नियम था कि कोई कंपनी अपने पिछले तीन सालों के औसत मुनाफे का केवल 7.5 प्रतिशत ही राजनीतिक चंदे के रूप में दे सकती है. इस संशोधन ने ऐसी स्थिति बना दी कि कोई कंपनी जितना चाहे उतना चंदा राजनीतिक दलों को दे सकती है, भले ही वह खुद घाटे में क्यों न चल रही हो. इसी के समांतर विदेशी अंशदान नियंत्रण कानून (एसीआरए) में भी संशोधन किया गया, जिसके जरिए विदेशी कंपनियों को भारत में अपनी उप-इकाइयां बनाना संभव हुआ और इनके माध्यम से राजनीतिक दलों को चंदा देना आसान बना. इसका एक संभावित चिंताजनक पहलू यह है कि इस ढंग का उपयोग करके विदेशी कंपनियां भारत में राजनीतिक दलों को विशाल चंदा देकर असल में मनमाफिक साध सकती हैं. संभवतः न्यायालय ने इस खतरे को भांप लिया और कहा कि कॉर्पोरेट्स पर अहद 7.5 फीसदी वाली सीमा को हटाना असंवैधानिक था. अदालत ने भारतीय स्टेट बैंक को कहा है कि वह खरीदे गए प्रत्येक इलेक्टोरल बॉन्ड्स की विस्तृत जानकारी चुनाव आयोग को सौंपे. इस विवरण में हरेक इलेक्टोरल बॉन्ड की खरीद तारीख, खरीदने वाले का नाम और किस मूल्य का है, यह बताना पड़ेगा. इलेक्टोरल बॉन्ड के रूप में किस राजनीतिक दल को कितना चंदा मिला, इसका विवरण भी संलग्न किया चाहिए. न्यायालय ने भारतीय स्टेट बैंक को कहा है कि वह राजनीतिक दलों द्वारा भुनाए प्रत्येक इलेक्टोरल बॉन्ड का विवरण जमा करवाए, जिसमें भुनाने की तिथि और उसका मूल्य शामिल हो. शीर्ष न्यायालय ने 6 मार्च तक यह तमाम सूचना चुनाव आयोग को सौंपने का निर्देश दिया है. आगे यह भी कहा है कि भारतीय स्टेट बैंक से जानकारी मिलने के एक हफ्ते के अंदर यानी 13 मार्च तक, चुनाव आयोग अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित करे. यह फैसला पारदर्शिता के हितार्थ बहुत बड़ा प्रोत्साहन है, क्योंकि पिछले छह सालों से नागरिकों की नज़रों से जो कुछ छिपाकर रखा गया था, वह अब देखने को मिलेगा. इसमें कॉर्पोरेट-राजनीतिक गठजोड़ और कई सालों से इनके बीच की संभावित सौदेबाज़ी की सारी न सही, कम-से-कम कुछ तो जानकारी उजागर होगी.

> इलेक्टोरल बॉन्ड के रूप में किस राजनीतिक दल को कितना चंदा मिला, इसका विवरण भी संलग्न किया चाहिए. न्यायालय ने भारतीय स्टेट बैंक को कहा है कि वह राजनीतिक दलों द्वारा भुनाए प्रत्येक इलेक्टोरल बॉन्ड का विवरण जमा करवाए, जिसमें भुनाने की तिथि और उसका मूल्य शामिल हो. शीर्ष न्यायालय ने 6 मार्च तक यह तमाम सूचना चुनाव आयोग को सौंपने का निर्देश दिया है.

मीडिया में अन्यत्र

वैश्विक वित्तीय स्थितियों में सख्ती के रुझान

महामारी के बाद से भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधार उम्मीद से कहीं ज्यादा मजबूत रहा है. वर्ष 2021-22 में 9.7 प्रतिशत और वर्ष 2022-23 में 7 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज करने के बाद राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के दूसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार, भारतीय अर्थव्यवस्था में वर्ष 2023-24 में 7.6 प्रतिशत की दर से वृद्धि की उम्मीद है. एनएसओ ने अपने पहले अग्रिम अनुमान में चालू वर्ष के लिए 7.3 प्रतिशत वृद्धि दर का अनुमान लगाया था. इसका मतलब यह है कि अर्थव्यवस्था लगातार तीसरे साल 7 प्रतिशत या उससे अधिक की दर से बढ़ेगी, जिसे एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि माना जाना चाहिए क्योंकि वैश्विक आर्थिक माहौल बिल्कुल अनुकूल नहीं रहा है. उदाहरण के तौर पर विकसित अर्थव्यवस्थाएं अब भी उच्च मुद्रास्फीति की चुनौतियों से जूझ रही हैं जिसके परिणामस्वरूप वैश्विक वित्तीय स्थितियों में सख्ती के रुझान देखे गए हैं. दूसरी तरफ वृद्धि के महत्त्वपूर्ण कारकों, विनिर्माण और निर्माण क्षेत्र में क्रमशः 8.5 प्रतिशत और 10.7 प्रतिशत की दर से वृद्धि की उम्मीद है. कृषि और इससे जुड़ी गतिविधियों में वृद्धि पिछले वर्ष के 4.7 प्रतिशत की तुलना में बेहद कम करीब 0.7 प्रतिशत रहने की उम्मीद है. चालू वर्ष के दूसरे अग्रिम अनुमानों के साथ, एनएसओ ने पिछले वर्षों के लिए संशोधित आंकड़े और चालू वर्ष की तीसरी तिमाही के अनुमान भी जारी किए. वर्ष 2022-23 के लिए वृद्धि अनुमान घटाकर संशोधित किया गया है जिससे कुछ हद तक चालू वर्ष की वृद्धि में मदद मिली है.इस बीच, अर्थव्यवस्था में अक्टूबर-दिसंबर की तीसरी तिमाही में 8.4 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि देखी गई और इस वजह से विनिर्माण क्षेत्र में भी दो अंकों की वृद्धि देखी गई. संशोधनों के बाद, चालू वित्त वर्ष की पहली तीन तिमाहियों में वृद्धि 8.2 प्रतिशत रही जो यह दर्शाता है कि चालू तिमाही में इसकी गति कमजोर होने की उम्मीद है. लगातार तीन वर्षों से भारतीय अर्थव्यवस्था के मजबूत गति से बढ़ने के अनुमान से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार का आत्मविश्वास बढ़ेगा, जो आम चुनाव के लिए तैयार है. लेकिन मुद्दा यह है कि क्या यह गति निरंतर बनी रह सकती है. भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को उम्मीद है कि वर्ष 2024-25 में अर्थव्यवस्था 7 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी. निष्पक्ष रूप से कहा जाए तो कई चीजें नई सरकार के स्वरूप और उसकी प्राथमिकताओं पर निर्भर होंगी. लेकिन राष्ट्रीय खाते एक बड़ी अंतर्निहित खामियों का संकेत देते हैं. **(बिजनेस स्टैंडर्ड)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

इत्तफाक/इत्तिफाक

जिंदगी इत्तिफाक है, तुम भी इत्तिफाक हो, मैं भी इत्तिफाक हूं. यह 1969 में आयी आदमी और इंसान फिल्म के एक गाने का मुखड़ा है, जिसमें गीतकार ने यह बताने की कोशिश की है दुनिया में जो कुछ भी है या होता है, वह सब इत्तिफाक ही है.किसी से मिलना, बिछड़ना, सुख-दुःख, मुहब्बत, नफरत वगैरह सबकुछ इत्तिफाक ही है, लेकिन सवाल है कि यह इत्तिफाक किस बला का नाम है. इत्तिफाक हिंदी में कम, लेकिन उर्दू भाषा में अधिक प्रयोग में आनेवाला अरबी मूल का संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. इसका मतलब है संयोग, मौका. ऐसा तो कई बार इत्तिफाक हुआ कि हम एक दूसरे से मिलते रहे हैं. यह इत्तिफाक ही तो है कि हम आराम से बैठ कर शब्द विशेष पर चर्चा में मशगूल हैं, लेकिन अगर आप इस शब्द से भली-भांति परिचित हो जायेंगे तो यह इत्तिफाक नहीं होगा. अरबी भाषा में ऐसा ही एक शब्द इत्तफाक है. दरअसल अरबी भाषा में इत्तिफाक शब्द को ही इत्तफाक भी कहा जाता है. यह अलग बात है इत्तफाक का मतलब कुछ और भी होता है. इसका मतलब है मेल, मिलाप, एकता. इसका मतलब सहमति भी होता है. इसी अर्थ को लिए हुए मुहावरा है इत्तफाक रखना. ऐसा भी इत्तफाक हो सकता है कि आप मेरी राय से इत्तफाक नहीं रखते हों. इस शब्द का मतलब संयोग, मौका और अवसर तो होता ही है. यह भी इत्तफाक है कि हम और आप एक साथ बैठ कर इत्तफाक शब्द पर माथापच्ची कर रहे हैं, वरना आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में किसके पास वक्त है. मुहावरा है इत्तफाक पड़ना यानी संयोग उपस्थित होना. मुझे अकेले सफर करने का इत्तफाक कभी नहीं पड़ा. इत्तफाक से मुझे एक और मुहावरा याद आ गया-इत्तफाक से. इसका मतलब है संयोगवश, अचानक, अकस्मात. मैं स्टेशन जा रहा था, इत्तफाक से वे भी रास्ते में मिल गये. इस शब्द का क्रिया विशेषण शब्द है इत्तफाकन. इसका मतलब है संयोगवश, अचानक.

मिला तो पौ-बारह, नहीं मिला तो बंटाधार

• तीर-तुक्का

रवि प्रकाश

नेताजी इधर से उधर टहल रहे हैं अर्थात कभी इसके घर जा रहे हैं ,कभी उसके घर जा रहे हैं. देखने से तो पता चलता है कि जनता के बीच सक्रिय हैं, लेकिन वास्तव में उनका मिशन-टिकट चल रहा है. चुनाव में टिकट सबसे बड़ी चीज होती है. जनता का क्या है, उसे तो मतदान से पंद्रह दिन पहले संभाल लिया जाएगा, लेकिन अगर टिकट में चूक गए तो फिर अगले पांच साल बाद मौका मिलेगा. "एक अनार सौ बीमार" वाली बात टिकट के साथ है. एक सीट पर इतने लोग लगे हुए हैं कि संख्या गिनना मुश्किल. सबका भविष्य टिकट पर टिका है. मिला तो पौ-बारह! नहीं मिला तो बंटाधार. पूरी ताकत लगाकर टिकट के लिए जोर-आजमाइश चल रही है. नेताजी सुबह को खद्दर का कुर्ता-पाजामा पहन कर निकलते हैं. दिन-भर टिकट के लिए हाथ-पैर मारते रहते हैं. टिकट मिलने की सारी अर्हताएं इनके पास हैं. सबसे बड़ी बात तो यह है कि जितना पैसा कहो, यह खर्च करने के लिए तैयार हैं. चुनाव में निर्धारित सीमा से चार गुना खर्च करेंगे. साथ ही टिकट लेने में जो "ऊपर का खर्च" आता है, उसे भी देने से पीछे नहीं हैं. रोजाना सुबह, दोपहर, शाम नाश्ता-भोजन आदि का फाइव स्टार खर्च टिकट-प्रदाताओं के साथ यह उठा रहे हैं. खैर, ये तो छोटी-छोटी बातें हैं. असली बात यह है कि जातिगत समीकरण इनके साथ है. सच पूछिए तो इनके पास सिवाय जाति के और कुछ है ही नहीं. उसी के बलबूते पर यह टिकट मांग रहे हैं. कहते हैं कि जातिवाद फैला देंगे और जीत पक्की है. हाईकमान इनके दावों पर गंभीरता से विचार कर रहा है. यह स्वयं को संभावित प्रत्याशी लिखने से नहीं चूक रहे हैं. विधानसभा क्षेत्र में जगह-जगह हाथ जोड़कर इनके फोटो होर्डिंग के रूप में लगे हुए हैं. नीचे नाम लिखा है. उसके बाद "संभावित प्रत्याशी विधानसभा क्षेत्र" अंकित है. सबसे दिलचस्प दौर वह आएगा, जब नेता जी को टिकट नहीं मिलेगा. मिल गया तब तो ठीक है. पार्टी के वफादार हैं, पार्टी के सिद्धांतों पर अडिग हैं. लेकिन जैसे ही टिकट की घोषणा होगी और इनका पत्ता कटेगा, यह मेंढक की तरह अपनी पार्टी से उछलकर किसी दूसरी पार्टी के मंच पर जा पहुंचेंगे. ये जो मेंढक-छाप नेता होते हैं, यह उछलते बहुत जल्दी हैं. जब तक टिकट की आशा है, एक पार्टी से घोषित संबंध बनाए रखते हैं. यद्यपि अंदर-खाने की खबर यह भी है कि यह अंदर-खाने ही दूसरी पार्टियों के संपर्क में भी हैं. बस चुनाव की घोषणा होना तथा टिकट घोषित होने की देर है. उसके बाद इन्हें न अपनी टोपी का रंग बदलने में शर्म आएगी, न कुर्ते का रंग. यह अपने प्रेरणा स्रोत महापुरुषों तक को बदल देंगे. पार्टी का झंडा बदल लेना कौन सी बड़ी बात है.

सुकून

मोटिवेशन

बॉडी शेमिंग से कैसे बाहर आएं

- कुछ क्रीम-श्रीम काहें नहीं लगाती हो जी, काली तो हो ही और करिया होती जा रही हो.
- एकदम फुटबॉल हो गई हो, लगता है फट जाओगी.
- तुम इतने नाटे हो, तुमसे दरवाजा बंद होता है या स्टूल लगाना पड़ता है.
- हे भगवान, इसी उम्र में टकला हो गए, कौन लड़की शादी करेगी जी तुमसे ?
- अरे ओ हवा पहलवान, कुछ पकड़ कर खड़ा हो, वरना उड़ जाओगे.

अगर आप मोटे, पतले, काले, लंबे हैं तो आपको अक्सर इस तरह के कमेंट सुनने को मिलते होंगे. ऐसे कमेंट्स जो किसी की शारीरिक बनावट पर किए जाते हैं, बॉडी शेमिंग के अंतर्गत आते हैं. हमारे समाज में शारीरिक सुंदरता को अत्यधिक अहमियत दिया जाता है. किसी की शारीरिक बनावट पर उल्टे-सीधे कमेंट करना आम बात है. कालू मोटू फुटबॉल पतलू नटरू लंबू टकला आदि शब्दों से किसी को बुलाना काफी कॉमन है. इस तरह से किसी को बुलाना, किसी का मज़ाक उड़ाना बहुत ही गलत बात है, गिरी हुई हरकत है. जो लोग ऐसा करते हैं, वे बहुत छोटी सोच वाले व्यक्ति होते हैं. अगर ये कमेंट्स स्कूल या कॉलेज के बच्चों पर किया जाता है, तो उनमें हीन भावना आ जाती है. वे घर से बाहर जाने में कतराते हैं. लोगों से मिलना नहीं चाहते, पार्टी-प्रोग्राम को अवॉइड करते हैं. बॉडी शेमिंग का सामना कैसे किया जाए, अपना आत्मविश्वास कैसे कायम रखा जाए, आज इसी पर बात करने जा रहा हूं.

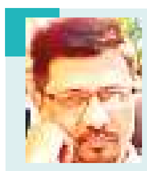

डॉ कुमार संजय
शिक्षाविद

1. जो लोग इस तरह के कमेंट पास करते हैं, वे गंदे कीचड़ के समान होते हैं. कीचड़ देखकर हम क्या करते हैं? कीचड़ में उछलने या कूदने तो नहीं लगते, बल्कि अपना रास्ता बदल देते हैं. बस यही आपको करना है. दिमाग में रखिए कि ये गंदे कीचड़ है, इनसे दूर रहना है. कोई प्रतिक्रिया मत दीजिए, उनकी तरफ देखिए ही मत. बॉडी शेमिंग करने वाले सैडिस्ट होते हैं. इनका उद्देश्य होता है लोगों को हर्ट करना, उन्हें लो महसूस कराना, उनसे खुशी छीनना. आप जब कोई प्रतिक्रिया नहीं देंगे, इनका मुंह लटक जाएगा. जब ये देखेंगे कि उनके बोलने का कोई असर नहीं हो रहा, तो ये खुद ही चुप हो जाएंगे.

2. बॉडी शेमिंग करने वाले गोरे लोग, सुंदर लोग क्या बाजी मार ले जाते हैं जी! सिर्फ सुंदरता के बल पर कोई ऊंचा मुकाम हासिल नहीं कर सकता. दुनिया को सुपर ब्रेन वाले चला रहे हैं, सुंदर चेहरे वाले नहीं. बिल गेट्स, सुंदर पिचाई, मुकेश अंबानी, गौतम शंकर अडानी, नरेंद्र मोदी ये सभी सुपर ब्रेन वाले हैं, स्मार्ट हैं, दूरदर्शी हैं. ये अपने क्षेत्र के सुपर एक्सपर्ट हैं. दुनिया उनकी सुंदरता की नहीं, इनकी काबिलियत की दीवानी है. आप भी अपनी काबिलियत, अपने स्मार्टनेस पर फोकस करें. अपनी सफलता को बोलने दें. यह बॉडी शेमिंग करने वाले वहीं के वहीं रह जाएंगे, आप बहुत आगे निकल जाएंगे.

3. सात दिन में गोरा करने वाली क्रीम, दो सप्ताह में वजन कम करें, एक महीने में लंबाई बढ़ाए, गंजेपन की अचूक दवा. यूट्यूब पर ऐसे वीडियो भरे पड़े हैं. कंपनियां ऐसे विज्ञापनों से करोड़ों लोगों को लुभाती हैं, और अरबों कमाती हैं. एक बात बताइए, आप थोड़े गोरे हो ही जाएंगे, दो इंच लंबाई बढ़ ही जाएगी, सिर पर थोड़े बाल आ ही जाएंगे, तो क्या कयामत आ जाएगी! क्या आप बहुत कामयाब हो जाएंगे? आप परीक्षा में टॉप कर जाएंगे या कोई आपको लाखों की नौकरी दे देगा? कृपया इन बकवास के वीडियो और विज्ञापनों के मायाजाल से बाहर आएं. आप जैसे हैं, बहुत अच्छे हैं. इसे स्वीकार कीजिए. अपनी पढ़ाई, अपने काम पर फोकस करें. इन्हीं से आप ऊंचा मुकाम हासिल करेंगे.

मूल मंत्र : कीचड़ से दूर रहिए. स्वस्थ खाएं, स्वस्थ रहें. और सबसे जरूरी है आप खुश रहें. अपने व्यक्तित्व में आत्मविश्वास का तेज जलाएं. अपने आत्मविश्वास के प्रकाश को कभी मद्धिम न होने दें. अपनी बॉडी को स्वीकार करें और अपने आप में गर्व महसूस करें. आप जैसे हैं, आप बेस्ट हैं.

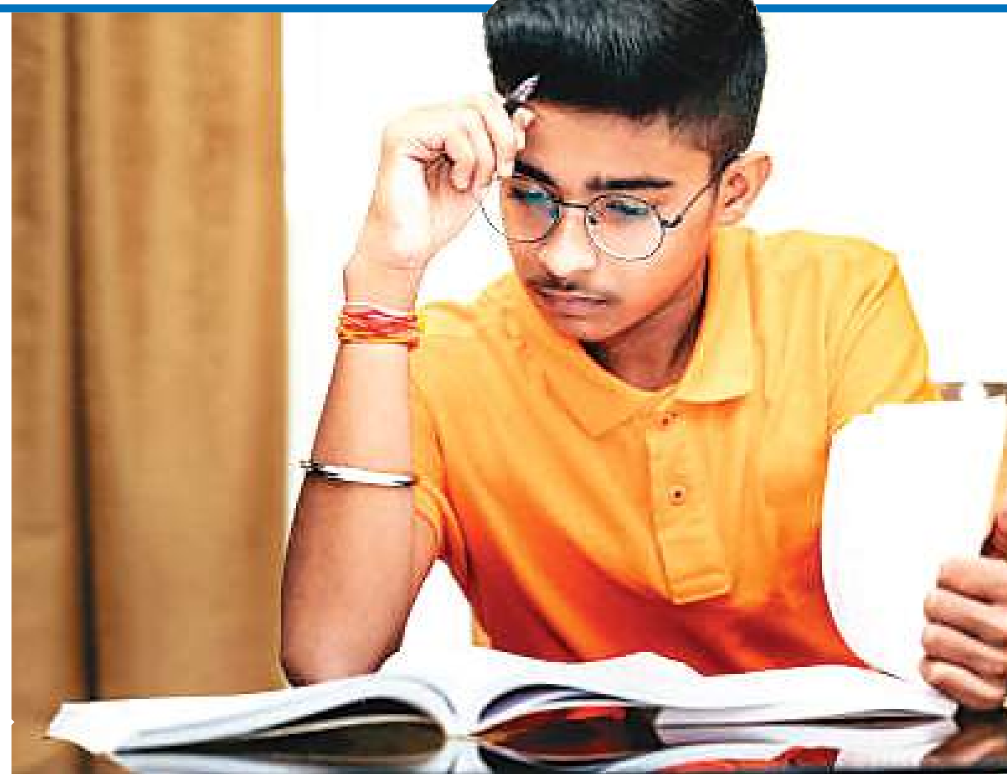

खुली किताबों के संग परीक्षा

हाल के वर्षों में सीबीएसई ने बोर्ड परीक्षा पैटर्न में काफी बदलाव किए हैं. ओपन बुक एग्जाम सिस्टम इसी कड़ी की नवीनतम पेशकश है. सीबीएसई ने साल के अंत में कक्षा 9वीं के लिए अंग्रेजी, गणित और विज्ञान जबकि 11वीं और 12वीं के लिए अंग्रेजी, गणित और बायोलॉजी के लिए कुछ स्कूलों में ओपन बुक परीक्षा करवाने का प्रस्ताव दिया है जिससे इसमें लगने वाले समय का मूल्यांकन किया जा सके और यह प्रयोग सफल रहा तो इसे आगे की सभी परीक्षाओं में लागू किया जा सकता है. फिलहाल बोर्ड ने सीबीएसई स्कूलों में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में ओपन बुक एग्जाम आयोजित करने का प्रस्ताव दिया है. ओपन बुक एग्जाम यानी किताब खोलकर परीक्षा की बात आते ही बच्चों सहित अभिभावकों और शिक्षकों के मन में कई तरह के सवाल उठ रहे हैं. क्या है ओपन बुक एग्जाम सिस्टम, क्या होंगे इसके फायदे और क्या नुकसान की आशंका, कहां-कहां लागू हुआ है यह सिस्टम और क्या सोचते हैं इसके बारे में शिक्षाविद्आइए जानें-

क्या है ओपेन बुक एग्जाम सिस्टम

जैसा कि नाम से ही जाहिर है, ओपन बुक एग्जाम सिस्टम में छात्र परीक्षा हॉल में किताब ले जा सकेंगे और उसे खोलकर परीक्षा दे सकते हैं. सीबीएसई बोर्ड ने 9वीं से 12वीं कक्षा तक के स्टूडेंट्स के लिए ओपन बुक एग्जाम कॉन्सेप्ट शुरू करने की का प्रस्ताव दिया है. ओपन बुक एग्जाम कॉन्सेप्ट में स्टूडेंट्स परीक्षा के दौरान पेपर में पूछे गए सवालों के जवाब बुक्स, नोट्स या अन्य स्टडी मटीरियल से ढूंढकर लिख सकते हैं. इसके पीछे सीबीएसई की मंशा है कि बच्चे को रट्टामार एग्जाम सिस्टम से मुक्त करें और उन्हें रचनात्मक व खोजी प्रवृति की ओर उन्मुख करें. इस रह की परीक्षा का उद्देश् स्टूडेंट की टॉपिक पर समझ और उसकी प्रैक्टिकल नॉलेज को परखना है.

पहले भी हुआ है ओपन बुक एग्जाम

ओपन बुक एग्जाम हालांकि कोई नया कॉन्सेप्ट नहीं है. मैनेजमेंट व प्रोफेशनल कोर्स के हायर एजुकेशन में भी व्यवहारिक तौर पर यह कॉन्सेप्ट लागू नजर आता है जहां कई प्रोफेशनल केवल एग्जाम के लिए इंस्टीट्यूट पहुंचते हैं और किताबें खोल कर ही परीक्षाएं देते हैं. नियम की बात करें तो साल 2019 में ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन ने कॉलेज में ओपन बुक एग्जाम्स की अनुमति दी थी. उत्तर प्रदेश में भी 1985-86 में इसे आजमाया गया था जब उत्तर प्रदेश बोर्ड ने कक्षा नौ के लिए ओपन बुक एग्जाम करवाया था. लेकिन इसका फीडबैक ठीक नहीं था. कोविड काल में दिल्ली यूनिवर्सिटी, जामिया मिलिया, जेएनयू और अलीगढ़ यूनिवर्सिटी में ओपन बुक टेस्ट से ही मूल्यांकन किया गया था. सीबीएसई ने पहले 2014-15 से 2016-17 तक तीन साल के लिए कक्षा 9 और 11 की वार्षिक परीक्षाओं के लिए एक ओपन टेक्स्ट आधारित मूल्यांकन (ओबीटीए) प्रारूप का इस्तेमाल किया था, लेकिन नकारात्मक प्रतिक्रिया के आधार पर इसे आगे नहीं बढ़ाया जा सका.

कॉपी करने पर नंबर नहीं

ओपन-बुक एग्जाम में नोट्स से टीचर के लिखाए गए पैराग्राफ को ज्यों का त्यों कॉपी करने, किसी भी स्टडी मटीरियल से जवाब कॉपी करने के नंबर नहीं मिलते हैं. इसमें स्टूडेंट को तब नंबर मिलते हैं, जब वह उन नोट्स या स्टडी मटीरियल को अच्छी-तरह से समझकर अपनी भाषा में जवाब लिखे. इसका मतलब है कि आपको पता होना चाहिए कि वह सवाल कहां से पूछा गया है, उसका कॉन्सेप्ट क्या है और उसे अपने शब्दों में लिख पाने की कला भी हो.

रट्टा मारने से मिलेगी छुट्टी

अब तक की व्यवस्था में रट्टामार प्रवृति कई बच्चों ने अपनाई थी .कई स्टूडेंट्स किसी टॉपिक को समझने के बजाय उसे रटकर चले जाते हैं. लेकिन ओपन बुक एग्जाम सिस्टम से बच्चों को रट्टामार पढ़ाई से छुटकारा मिल सकता है. ओपन बुक एग्जाम होने से स्टूडेंट्स टॉपिक को समझने पर फोकस करेंगे. कहीं फंसने पर वह अपने शिक्षकों, अभिभावकों, सीनियर्स या दोस्तों की मदद लेंगे. इस तरह से परीक्षा देने पर रटने का ऑप्शन नहीं रहेगा.

विदेशों में पहले से है लागू

शिक्षाविदों से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1800 के दशक में यूरोप के लॉ कॉलेज में ओपन बुक कॉन्सेप्ट के आधार पर परीक्षा हुई थी. फिर 20वीं सदी में कई कॉलेज और यूनिवर्सिटी में यह व्यवस्था लागू थी. यूनाइटेड किंगडम में ओपन बुक एग्जाम ए लेवेल परीक्षाओं में आम है. वहीं, नीदरलैंड की ज्यादातर यूनिवर्सिटीज और अमेरिका के कुछ कॉलेज और यूनिवर्सिटी भी ओपन बुक एग्जाम कराते हैं. सिंगापुर और हांगकांग के कुछ कॉलेजों, कनाडा के कुछ राज्यों में हाईस्कूल स्तर पर यह कॉन्सेप्ट अपनाया जाता है.

क्या कहते हैं रिसर्च रिपोर्ट

1. कैंब्रिज यूनिवर्सिटी में 2020 में किए गए शोध के मुताबिक़ ओपन बुक एग्जाम सिस्टम छात्रों को तनाव से राहत दिलाता है.
2. साल 2021 में धनंजय आशरी और विभू पी साहू के शोध में बताया गया कि दिल्ली यूनिवर्सिटी में हुए ओपन बुक एग्जाम में हिस्सा लेने वाले विद्यार्थियों ने पारंपरिक परीक्षा की तुलना में ज्यादा अच्छा प्रदर्शन किया.
3. एम्स भुवनेश्वर की ओर से भी इससे संबंधित एक शोध कराया गया जिसमें देखा गया कि ओपन बुक एग्जाम छात्रों का तनाव घटाने में मदद कर सकता है.

शिक्षाविद का कहना है

अंशु तिवारी
प्रिंसिपल, विकास पब्लिक स्कूल, रांची

"हायर एजुकेशन के लिए बेशक परीक्षा की यह व्यवस्था सही साबित हो सकती है, लेकिन स्कूल परीक्षा के लिए मेरी समझ से अधिक लाभकारी नहीं. इस निर्णय के पीछे सीबीएसई की मंशा छात्रों की चिंतन व लेखन क्षमता को बेहतर बनाना है, लेकिन बच्चों की जो वर्तमान स्थिति है, वे नोट बेस्ड परीक्षा देने के अभ्यस्त हैं. ऐसे में इस व्यवस्था को लागू करने में कई चुनौतियां हैं. बच्चों को ऐसी परीक्षा के लिए पहले प्रशिक्षण देना होगा. सवाल सेट करते समय भी खास सजग रहने की दरकार है."

डॉ अनिता शर्मा
सहायक शिक्षिका, उत्क्रमित उच्च विद्यालय, लक्ष्मीनगर, जमशेदपुर

"सीबीएसई के इस निर्णय का कोई सकारात्मक प्रभाव आने वाले पांच वर्षों में तो मुझे नहीं नजर आता. बच्चों की जो पढ़ने की व्यवस्था है, उन्हें सबकुछ रेडिमेड चाहिए. उधर मार्केट तैयार बैठा रहता है कि कब कैसी आपूर्ति करें. ऐसे में इस निर्णय का कोई सकारात्मक असर हाल के वर्षों में दिखेगा, ऐसा नहीं लगता. हां कुछ वर्षों बाद बच्चे इस व्यवस्था के अनुसार प्रशिक्षित होंगे, तब इसका असर दिख सकता है."

मुक्ति शाहदेव
वरिष्ठ शिक्षिका, रांची

"ओपन बुक एग्जाम सिस्टम बच्चों में तनाव को कम करने के लिए कारगर जरूर है पर इस पद्धति से बच्चों की विश्लेषण क्षमता का विकास नहीं होता है. साथ ही गुणवत्तापूर्ण प्रश्नपत्र का निर्माण करना हमारी एक बड़ी जिम्मेदारी होगी. बच्चों को रटने की प्रवृत्ति से बाहर निकालने में यह सिस्टम कारगर होगी. इसे संभवत: 2014 में कक्षा नवम के लिए प्रारंभ किया गया था पर बंद कर दिया गया."

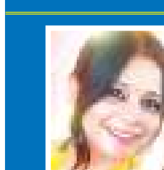

स्मिता नारायण
पीजीटी, इकोनॉमिक्स, बीआईटी प्लस टू स्कूल मेसरा

"मैं ओपन बुक एग्जाम के पक्ष में बिल्कुल नहीं हूं. इससे परीक्षा का महत्व ही खत्म हो जाएगा. विद्यार्थियों में नकल करने की प्रवृत्ति में वृद्धि हो जाएगी. प्रतिस्पर्द्धा की भावना में कमी आने से सीखने मे भी कमी आएगी. प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये भी तैयार नहीं हो पाएंगे."

इंदू प्रसाद
वरिष्ठ शिक्षिका, एसआर डीएवी, रांची

"ओपन बुक सिस्टम छात्रों में चीटिंग की प्रवृति को बढ़ावा देगा. यह उनके स्वतंत्र चिंतन को बाधित करेगा, उनकी चिंतन प्रक्रिया इससे प्रभावित होगी. सबसे बड़ी बात कि यह बच्चों के स्मृति क्षमता को सीमित करेगा क्योंकि उन्हें भान होगा कि सबकुछ तो परीक्षा के दौरान सामने रहेगा ही. बच्चों की रचनात्मक और तार्किक चिंतन की क्षमता को खत्म कर देगा.
ओपेन बुक एग्जाम सिस्टम कोई नया कॉन्सेप्ट नहीं. वर्ष 2014 में भी सीबीएसई ने ऐसी कोई कोशिश शुरू की थी जो बिग फ्लॉप शो साबित हुआ था. यहां तक कि दिल्ली यूनिवर्सिटी ने भी अगस्त 2020 में ओपन बुक टेस्ट प्रारंभ किया था, इसे भी सराहा नहीं गया था.
कोविड के दौरान बच्चों का बहुत नुकसान हो चुका है. सच पूछिए तो अब तक बच्चे पुराने ट्रैक पर नहीं लौट पाए हैं. ऐसे में यह प्रयोग बच्चों के भविष्य पर भारी पड़ सकता है."

म्यूनिख : खूबसूरत और खुशहाल शहर

यूरोप की 27 दिनों की यात्रा अब समाप्त होने वाली थी. चेक रिपब्लिक से होती हुई मैं म्यूनिख पहुंच गई थी. मैं बुरी तरह थक गई थी. फिर भी नयी जगहों को देखने, लोगों से मिलने, बात करने, स्थानीय खाना खाने का लालच छूट नहीं रहा था.

यात्रा वृतांत

डॉ किरण निशांत

परदेश में कोई अपना

म्यूनिख दोपहर तक पहुंची थी. यहां मेरे स्कूल की दोस्त अनीता लगभग चार सालों से रह रही थी. उसके पति यहाँ बीएमडबल्यू बेल्ट में काम करते हैं. थोड़ा आराम, थोड़ा खाना और अपनी पसंदीदा अदरक वाली चाय पीकर मैं अनीता और अपनी गाइड सोफिया के साथ घूमने निकल गयी. जब यहां आने का प्लान बनाया था, तब यह मालूम नहीं था कि अनीता यहां हैं, तो मेरी ट्रेवल एजेंट ने मेरे लिए गाइड तय कर दिया था, जिसे मुझे यहां आकर छोड़ना अच्छा नहीं लगा. तो हम तीनों साथ में घूमने निकाल पड़े. मेरे यहां आने के लगभग एक सप्ताह पहले पता चला कि अनीता यहां है, मैं तो खुशी से झूम ही उठी थी. चूंकि अनीता के पति बीएमडबल्यू में ही काम करते थे, तो वह सबसे पहले मुझे 'बीएमडबल्यू' बेल्ट ही दिखाने ले गई. शो रूम में फिलहाल 130 गाड़ियां थीं. क्लासिकल कलेक्शन में भी कुछ गाड़ियां थीं. 'बीएमडबल्यू' बेल्ट बहुत बड़ा था और इसे देखने में भी बहुत समय लग रहा था. जब यहां आ गए तो इसे पूरी तरह देखना ही था. बीएमडबल्यू बेल्ट के सामने ही 'बीएमडबल्यू म्यूजियम' था, जहां इस कार का इतिहास बड़े ही रोचक तरीके से दर्शाया गया था. मैं ईमानदारी से महसूस कर रही थी कि कारों में अपनी रुचि नहीं होने के बावजूद यहां सब कुछ देखना बहुत जानकारी भरा और अच्छा था. मुनिख बवेरिया स्टेडियम भी यहां से नजदीक ही था. आगे हम वहां चले गए. हम किला स्टेडियम बाज़ार भी देखने गए, जो बड़ा न होते हुए भी दर्शनीय था.

अगले दिन हम रेसिडेंज न्य्म्फेंबर्ग पैलेस, देखने गए, जो आज भी शाही महल है. इसके अंदर जाने की इजाजत नहीं है. यह पैलेस बहुत बृहत, और कई एकड़ में फैला हुआ था. अनेक हरे-भरे पार्क थे, कई झीलें भी. इसके बाद हम इंगलिश गार्डेन गए. शहर से थोड़ी दूर पर है, पर है बहुत खूबसूरत है. सबसे अच्छी बात तो यह कि इसके अंदर एक नदी बह रही थी.

द्वितीय विश्व युद्ध के चिन्ह

दूसरे दिन हम फिर सबेरे-सबेरे घूमने निकल पड़े. इस देश में भी द्वितीय विश्व युद्ध के परिणाम जगह-जगह दिखाई देते हैं. इतिहास का हिस्सा बने इस शहर में एक सड़क विसकरवीगासे नाम से थी. कहते हैं यह वही सड़क थी, जहां लोग जर्मनों से (हिटलर की सेना) छिप जाते थे, ताकि हिटलर की सेना को सलूट न करना पड़े. यह लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण छिपने की जगह थी. मैं इसे हर कीमत पर देखना चाहती थी. आंधी तूफान हो या बारिश; और सचमुच उस दिन मूसलाधार बारिश हो रही थी, जो रुकने का नाम नहीं ले रही थी. 1930 में हिटलर की सेना जर्मनी की सड़कों पर परेड करती थी और चाहती थी कि लोग उनका सम्मान करें, सलूट मारें. ऐसे नहीं करने पर सजा मिलती थी. अब यह सजा क्या होगी, यह उस समय सेना के मूड पर निर्भर होता था. यहां के एक क्रांतिकारी (अनीता को उसका नाम याद नहीं आ रहा था, और आज गाइड भी साथ नहीं थी) ने हिटलर के अत्याचारों से लोगों के पीड़ित और प्रताड़ित होने के कारण, उसे मारने की कोशिश की थी, लेकिन वह कोशिश नाकाम हो गई थी.

अपनत्व की बयार

म्यूनिख जर्मनी का तीसरा सबसे बड़ा शहर है. यह जर्मनी के बवेरिया राज्य की राजधानी है, जो बवेरिया के एल्प्स पहाड़ों के उत्तर में है. यूरोप के ज़्यादातर देशों की तरह यहां भी एक साफ-सुथरी नदी 'ईसार' बहती है, जिसके किनारों पर शहर फैला है. यह जर्मनी के सबसे सुंदर शहरों में एक शहर माना जाता है. न केवल शहर की मूलभूत संरचना अच्छी है, बल्कि यहाँ के लोगों का जीवन स्तर भी बहुत अच्छा है. एक अच्छी या यों कहें कि आश्चर्य की बात यह थी कि बवेरिया राज्य रूढ़िवाद से मुक्त राज्य है. यहां केथोलिक धर्मावलम्बियों की संख्या बहुत कम है. यह एक महानगर है, जिस कारण यहां के निवासी हों या बाहर से आने वाले, सभी इसे अपना घर जैसा महसूस करते हैं. एक आत्मीयता है इस शहर की हवा में. अपनत्व की भावना से भरे यहां के लोग दूसरों के साथ व्यवहार में सरल होते हैं. यह सब कुछ मुझे अनीता बता रही थी, जिस पर विश्वास नहीं करने का कोई कारण या शंका नहीं था. इस शहर का इतिहास गौरवपूर्ण तो है ही, अब चूंकि इन्होंने अपना वर्तमान भी श्रेष्ठ बना लिया है, तो यह शहर जर्मनी के इतिहास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा भी बन गया है.

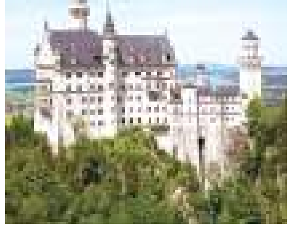

अद्भुत वास्तु कला

म्यूनिख कई मायनों में दर्शनीय है. शहर की वास्तु कला अद्भुत है. यादों में बसाने योग्य. विश्व के मशहूर शिल्पकारों के सहयोग से यहां की वास्तुकला को उन्नत और समृद्ध किया गया है. यहां अनेक विश्व स्तरीय, कई महत्वपूर्ण सम्मेलन होते रहते हैं. यह पुस्तकों के प्रकाशन का बड़ा केंद्र भी है. यहां रहते हुए एक विशिष्टता का अहसास होता है, सुख और शांति का अनुभव होता है. यहां का खाना भी बहुत अच्छा है. दो दिनों के लिए म्यूनिख आई थी. यह समय मेरी थकान के बावजूद कब और कैसे बीत गया, पता ही नहीं चला.

इन दिनों मेरी किताब

पीढ़ियों के बदलाव को दर्शाती दास्तां

अंकुश्री

हर परिवार में सास और बहू होती हैं, मगर उनके बीच का रिश्ता एक जैसा नहीं होता. कहीं सास के साम्राज्य में बहू खलल पैदा करती नज़र आती है तो कहीं बहू के सपनों पर सास के कारण पानी फिरने जैसा लगता है. ध्यान दें तो पता चलता है कि न सास बुरी है न बहू. पीढ़ीगत अंतराल और उससे उत्पन्न सोच ही समस्या की जड़ है. इस तथ्य को गीता चौबे गूंज ने अपने उपन्यास 'लम्बी होती हुई परछाइयां' में बड़ी सूक्ष्मता से दर्शाया है. उपन्यास में कई पात्र हैं और रिश्ते के प्रति सबकी अपनी-अपनी सोच.

कहानी पार्वती के इर्द-गिर्द घूमती हुई आगे बढ़ती है. बिना मां की बेटी पार्वती को चाची कामों में इस तरह उलझाए रखती है कि वह पढ़ नहीं पाए. जिंदगी भर परबतिया बनी रही. मगर बुढ़ापे में शहर आने पर दुर्गा से मिलने के बाद एक बार फिर उसे पार्वती बनने का मौका मिलता है. तब वह खुशी से इतरा जाती है और उसमें एक उत्साह समा जाता है. अपनी हमउम्र दुर्गा और फिर माला रस्तोगी की संगत में आने के बाद उसका उत्साह और स्वभाव दोनों बदल जाता है. मगर बहू को यह सब देख कर ठेस लगती है. पार्वती को लोग पार्वती देवी के रूप में जानने लगे थे, जबकि बहू सोचती थी कि लोग उन्हें उसकी सास के रूप में जानें. परिवार की एक बड़ी विशेषता है कि बच्चे घरेलू बिखराव को कम कर देते हैं. दुर्गा की पोती रूही ने मां से सवाल किया, ''मम्मी ! मेरी दादी हमारे साथ क्यों नहीं रहती हैं ?'' इसी के बाद कहानी आगे बढ़ती है. दुर्गा की बहू सोमा सास जैसी सुंदर नहीं थी. नई-नवेली बहू की मुंह-देखाई के समय किसी ने इस सत्य को उजागर कर दिया तो उसी समय से वह अपनी सास से ईर्ष्या करने लगी. ईर्ष्या की आग उसके अंदर आजीवन सुलगती रही. इसका परिणाम हुआ कि वह सास से अलग रहने लगी.

उपन्यास में पात्रों के मर्म को बड़ी सजगता से दर्शाया गया है, जिससे जगह-जगह पाठक की चेतना जागृत हो उठती है. बुढ़ापा अकेले में काटने दौड़ती है, मगर समूह में रहने से वह शक्ति बन जाती है. यह जीने की एक कला है. उपन्यास में जगह-जगह ऐसी जीवन-कला दिखाई देती है. पूरे उपन्यास में सीख और नीति की बातें भरी पड़ी हैं. मगर वे इतनी सहजता से कही गई हैं कि शिक्षित करने जैसी नहीं लगतीं. पार्वती देवी देहाती महिला हैं. मगर जब परिवार का माहौल बिगड़ने लगता है तो वह सबकी पसंद का स्वादिष्ट हलुआ बना कर सबको खिलाती हैं और बिगड़े हुए माहौल को संभाल लेती हैं. पुरानी पीढ़ी अपनी कला को बताने-दिखाने में संकोच करती है. इसलिए उनकी कला छिपी रह कर विलुप्त हो जाती है. कला और हूनर को सहेजने के लिए उसे अगली पीढ़ी में हस्तांतरित करना आवश्यक है. इससे रोजगार तो बढ़ेगा ही, विकास भी होगा. गांव-घर से बाहर रहने वाले लोगों को अपने परिवार-समाज के रस्म-रिवाजों और पर्व-त्योहारों की जानकारी तक नहीं हो पा रही है. बुजुर्गों के संपर्क में नहीं रहने या अपने को अधिक जानकार साबित करने के प्रयास में वे किसी से कुछ पूछना-सीखना अपनी तौहिनी समझते हैं और छोटी-बड़ी हर बात के लिए गूगल पर आश्रित होते जा रहे हैं. लेखिका ने पारिवारिक रिश्ते को बहुत बारिकी से गंभीरतापूर्वक चित्रित किया है. उपन्यास इस सहजता से आगे बढ़ता है कि पाठक उसमें डूबता चला जाता है.

उपन्यास : लम्बी होती परछाइयां
उपन्यासकार : गीता चैबे गूँजरी
प्रकाशक : इंडिया नेटबुक्स
पृष्ठ : 138 मूल्य : रु 295/-

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

मैक्सिको ओपन टेनिस : रोमांचक फाइनल में कैस्पर रुड हारे

लगातार दूसरी बार चैंपियन बने मिनौर

भाषा । अकापुल्को (मैक्सिको)

ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डी मिनौर ने बेहतरीन खेल का नजारा पेश करते हुए कैस्पर रुड को सीधे सेटों में हराकर लगातार दूसरे साल मैक्सिको ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीता. डी मिनौर ने रोमांचक फाइनल में रुड को 6-4, 6-4 से हराया. यह 2012 के बाद पहला अवसर है जबकि किसी खिलाड़ी ने यहां अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया. तीसरी वरीयता प्राप्त डी मिनौर का यह आठवां एटीपी खिताब है. वह चौथे खिलाड़ी हैं जिन्होंने मैक्सिको ओपन में अपने खिताब का बचाव किया. उनसे पहले डेविड फेरर ने 2010 से 2012 तक लगातार तीन खिताब जीते थे. ऑस्ट्रेलिया का यह 25 वर्षीय खिलाड़ी मैक्सिको ओपन में लगातार 10 मैच जीत चुका है. उन्होंने इस जीत से एटीपी प्रतियोगिताओं के फाइनल में लगातार चार हार का क्रम भी तोड़ा.

- मिनौर ने कैस्पर रुड को 6-4, 6-4 से हराया
- 2012 के बाद पहली बार किसी खिलाड़ी ने किया खिताब का बचाव
- 8वां एटीपी खिताब जीता डी मिनौर ने
- मैक्सिको ओपन में लगातार 10 मैच जीत चुके हैं डी मिनौर

सैन डिएगो ओपन

मार्टा कोस्ट्यूक और केटी बौल्टर फाइनल में

सैन डिएगो । यूक्रेन की छठी वरीयता प्राप्त मार्टा कोस्ट्युक ने शुरू में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करके शीर्ष वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को हराकर सैन डिएगो ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया. कोस्ट्युक ने पेगुला को 7-6(4), 6-1 से पराजित किया. फाइनल में उनका सामना क्वालीफायर केटी बौल्टर से होगा, जिन्होंने दूसरे सेमीफाइनल में तीसरी वरीयता प्राप्त एम्मा नवारो को 6-3, 6-1 से हराया. अमेरिकी खिलाड़ी पेगुला ने पहले सेट में अच्छी शुरुआत करके एक समय 5-1 से बढ़त हासिल कर ली थी. कोस्ट्युक अगले चार गेम जीत कर स्कोर 5-5 के बराबर कर दिया और फिर अपनी सर्विस बचा कर 6-5 से बढ़त हासिल कर ली. पेगुला ने अपनी सर्विस बचा कर सेट को टाइब्रेकर तक खींच दिया लेकिन इसमें उन्होंने काफी गलतियां की जिनका कोस्ट्युक ने पूरा फायदा उठाया. कोस्ट्युक ने इसके बाद दूसरे सेट के शुरू में ही पेगुला की सर्विस तोड़ी और फिर यह सेट और मैच आसानी से अपने नाम किया.

- कोस्ट्युक ने पिछड़ने के बाद की शानदार वापसी
- कोस्ट्युक ने पेगुला को 7-6, 6-1 से हराया
- बौल्टर ने एम्मा नवारो को 6-3,6-1 से हराया

रणजी ट्रॉफी : शार्दुल ठाकुर ने की शानदार बल्लेबाजी, जड़ा शतक

मुंबई ने 207 रन की बढ़त बनायी

सेमीफाइनल - 1

भाषा । मुंबई

शार्दुल ठाकुर की 109 रन की शतकीय पारी और तनुष कोटियान की नाबाद 74 रन की अर्धशतकीय पारी आर साई किशोर के छह विकेट के शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन पर भारी पड़ गयी, जिससे मुंबई ने रविवार को यहां रणजी ट्राफी सेमीफाइनल के दूसरे दिन तमिलनाडु पर पहली पारी के आधार पर 207 रन की बढ़त बना ली. मुंबई ने एक समय 106 रन पर सात विकेट गंवा दिये थे जिसके बाद ठाकुर ने महज 104 गेंद में 13 चौके और चार छक्के की मदद से शतकीय पारी खेलकर टीम को वापसी करायी. तमिलनाडु के पहली पारी में 146 रन के जवाब में स्टंप तक मुंबई ने नौ विकेट गंवाकर 353 रन बना लिये थे जिसमें साई किशोर ने उसके छह बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा. मुंबई ने सुबह दो विकेट पर 45 रन से आगे खेलना शुरू किया. इसके बाद श्रेयस अय्यर को छोड़कर साई किशोर (97 रन देकर छह विकेट) ने मुंबई के पांच विकेट झटके दिये. अय्यर (03) तेज गेंदबाज संदीप वारियर का शिकार हुए जिससे तमिलनाडु मेजबान टीम की बराबरी पर लग रही थी. लेकिन ठाकुर ने तमिलनाडु के प्रत्येक गेंदबाज पर दबाव बनाया और महत्वपूर्ण साझेदारी की बदौलत मुंबई को बढ़त दिलायी. ठाकुर ने हार्दिक तमोर (35 रन) के साथ मिलकर आठवें विकेट के लिए 105 रन की शतकीय साझेदारी के बाद कोटियान के साथ नौवें विकेट के लिए 79 रन की भागीदारी की. ठाकुर ने इच्छानुसार रन जुटाये और गेंद को सीमारेखा पार कराने का एक भी मौका नहीं छोड़ा जिससे इस दौरान उन्होंने छक्के से सभी प्रारूपों में अपना पहला शतक भी जड़ दिया. हालांकि वह इस दौरान टखने संबंधित समस्या से परेशान रहे और अंत में तीसरे सत्र में कुलदीप सेन (65 रन देकर दो विकेट) का शिकार हुए. इससे पिछले मैच में शानदार उपलब्धि अपने नाम कर चुकी कोटियान और तुषार देशपांडे की जोड़ी फिर से एक साथ क्रीज पर मौजूद थी. पिछले मैच में 10वें विकेट के लिए 232 रन की साझेदारी निभाने वाले कोटियान और देशपांडे ने फिर 10वें विकेट के लिए नाबाद 63 रन जोड़ लिये हैं.

मुंबई ने पहली पारी में नौ विकेट पर 353 रन बनाए

- **207** रन की बढ़त बनायी मुंबई की टीम ने
- **109** रन बनाए शार्दुल ठाकुर ने
- **74** रन बनाकर नाबाद है तनुष कोटियान
- **06** विकेट लिए तमिलनाडु के साई किशोर ने

सेमीफाइनल - 2

हिमांशु के शतक से मध्यप्रदेश मजबूत

नागपुर । हिमांशु मंत्री ने रविवार को यहां रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल के दूसरे दिन विदर्भ के खिलाफ धैर्य और तकनीक का शानदार सामंजस्य दिखाते हुए शतक जड़ा जिससे मध्यप्रदेश ने अपनी पहली पारी में 252 रन बनाये. हिमांशु ने 265 गेंद की पारी में 13 चौके और एक छक्के की मदद से 126 रन बनाये. मौजूदा सत्र में उनके तीसरे शतक से मध्यप्रदेश ने पहली पारी में 82 रन की अहम बढ़त हासिल की. पहली पारी में 170 रन बनाने वाले विदर्भ ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक अपनी दूसरी पारी में अथर्व तायडे का विकेट गंवाकर 13 रन बना लिये हैं. विदर्भ की टीम अब भी 69 रन से पीछे है. हिमांशु की पारी के महत्व का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि टीम में उनके बाद दूसरा सर्वोच्च स्कोर 30 रन सारांश जैन के नाम था.

- 252 रन बनाए मध्यप्रदेश ने पहली पारी में
- 126 रन बनाए हिमांशु मंत्री ने
- मप्र ने बनायी 82 रन की बढ़त

पुकोवस्की के सिर में फिर लगी चोट

होबार्ट । ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज विल पुकोवस्की को रविवार को यहां तस्मानिया के खिलाफ शेफील्ड शील्ड मैच में विक्टोरिया की तरफ से खेलते हुए सिर में चोट लगने के कारण मैदान छोड़ना पड़ा. तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे पुकोवस्की ने तब खाता भी नहीं खोला था जब रिले मेरडिथ का बाउंसर उनके हेलमेट पर लगा. यह केवल दूसरी गेंद थी जिसका वह सामना कर रहे थे. यह 26 वर्षीय खिलाड़ी इससे पहले भी कई बार सिर में चोट लगने के कारण 'कनकसन' (हल्की बेहोशी की स्थिति) का शिकार बन चुका है. मेरडिथ की उठती हुई गेंद उनके हेलमेट के बाएं हिस्से में लगी. पुकोवस्की चोट लगने के बाद घुटनों के बल बैठ गए. उन्हें तुरंत ही चिकित्सा मदद मुहैया कराई गई.

बॉब जोन्स पुरस्कार के लिए चुने गए गोल्फर टाइगर वुड्स

फार हिल्स (अमेरिका)

दिग्गज गोल्फर टाइगर वुड्स को अमेरिकी गोल्फ एसोसिएशन (यूएसजीए) के सर्वोच्च सम्मान बॉब जोन्स पुरस्कार के लिए चुना गया है. वुड्स ने पीजीए टूर में अपने करियर में 82 जीत हासिल की, जिनमें 15 मेजर खिताब भी शामिल हैं. वुड्स नौ बार के यूएसजीए चैंपियन हैं. वुड्स को 2022 में विश्व गोल्फ हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया था. उन्हें 2019 में डोनाल्ड ट्रम्प से प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम सम्मान मिला था. वुड्स ने बयान में कहा कि बॉब जोन्स जिस निष्ठा के साथ खेलते थे, उसके कारण वह हमारे खेल का एक स्तंभ थे और मैं उनके नाम पर

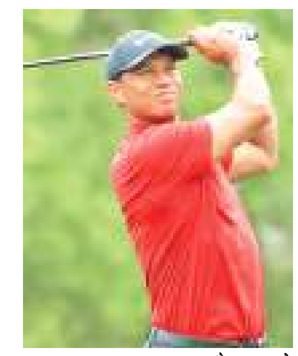

यह पुरस्कार पाकर और इससे पहले यह पुरस्कार पाने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल होकर वास्तव में गौरवान्वित हूं. वुड्स को 12 जून को उत्तरी कैरोलिना में यूएस ओपन के दौरान सम्मानित किया जाएगा.

आईपीएल डेब्यू से पहले रॉबिन मिंज का एक्सीडेंट

संवाददाता । रांची

झारखंड के उभरते हुए विकेटकीपर बल्लेबाज रॉबिन मिंज आईपीएल 2024 के शुरू होने से पहले रोड एक्सीडेंट के शिकार हो गये हैं. जानकारी के अनुसार जेएससीए स्टेडियम से प्रैक्टिक कर वापस घर लौटने के दौरान उनकी बाइक दूसरी बाइक से टकरा गई. हादसे में रॉबिन मिंज घायल हो गये. वहीं उनकी बाइक के परखच्चे उड़ गये. रॉबिन के पिता ने उनके घायल होने की पुष्टि की है. रॉबिन के पिता ने बताया है कि रॉबिन को हल्की चोट आई है, चिंता की बात नहीं है. फिलहाल रॉबिन डॉक्टरों की निगरानी में है. रॉबिन के घुटने में चोट लगने की बात सामने आ रही है. हादसे के बाद रॉबिन का आईपीएल को लेकर संशय की स्थिति बन गई है. सबकुछ ठीक रहा तो ही रॉबिन आईपीएल डेब्यू कर पाएंगे.

खास बातें

- फिलहाल डॉक्टर की निगरानी में है रॉबिन मिंज
- रॉबिन मिंज के घुटने में लगी है हल्की चोट

प्रवीण चित्रावेल का निराशाजनक प्रदर्शन

ग्लास्गो । एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता प्रवीण चित्रावेल अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के करीब भी नहीं पहुंच पाए और यहां विश्व एथलेटिक्स इंडोर चैंपियनशिप में पुरुषों की त्रिकूद स्पर्धा में 16.45 मीटर की छलांग लगाकर 11वें स्थान पर रहे. इस 22 वर्षीय एथलीट के नाम पर 17.37 मीटर के साथ राष्ट्रीय रिकॉर्ड दर्ज है लेकिन वह उसे दोहराने में नाकाम रहे. प्रवीण ने पहले प्रयास में 15.76 मीटर कूद लगाई. इसके बाद उन्होंने अपने प्रदर्शन में कुछ सुधार किया तथा दूसरे और दूसरे प्रयास में क्रमशः 16.29 और 16.45 मीटर कूद लगाई. चित्रावेल का यह सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है. बुर्किनाबे के ह्यूजेस फैब्रिस जैंगो (17.53 मीटर), अल्जीरिया के यासर मोहम्मद त्रिकी (17.35 मीटर) और पुर्तगाल के टियागो परेरा (17.08 मीटर) पहले तीन स्थान पर रहे.

चाइनीज रेस वाकिंग ग्रां प्री

विदेश में प्रियंका का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

भाषा । दिल्ली

भारत की राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी प्रियंका गोस्वामी ने रविवार को चीन के ताईकांग में 'चाइनीज रेस वाकिंग ग्रां प्री' की 20 किमी स्पर्धा में विदेश में अपना सर्वश्रेष्ठ समय निकालकर सातवां स्थान हासिल किया. विश्व एथलेटिक्स पैदल चाल टूर में गोल्ड स्तर की इस प्रतियोगिता में शीर्ष स्तर की एथलीट हिस्सा ले रही थीं.

पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुकी गोस्वामी ने एक घंटे 29 मिनट और 48 सेकेंड का समय निकाला. यह देश के बाहर उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन और करियर का तीसरा सर्वश्रेष्ठ समय है. इससे पहले उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2021 में 1:28:45 सेकेंड (राष्ट्रीय रिकॉर्ड) और 2023 में 1:28:50 सेकेंड का रहा था. ताइकांग में पैदल चाल स्पर्धा की कुछ शीर्ष एथलीट हिस्सा ले रही थी. शीर्ष छह में चीन की पांच एथलीट शामिल रहीं. हांगझोउ एशियाड की रजत पदक विजेता झेनजिया एमए ने 1:26:07 सेकेंड के समय से खिताब जीता. झेनजिया की हमवतन और हांगझोउ एशियाड की स्वर्ण पदक विजेता जियायु यांग 1:26:07 सेकंड के समय से दूसरे स्थान पर रहीं जबकि 36 वर्षीय चार बार की विश्व चैंपियन और 2016 ओलंपिक स्वर्ण तथा 2020 तोक्यो ओलंपिक की कांस्य विजेता हांग लियू 1:26:47 सेकंड के समय से तीसरे स्थान पर रहीं.

खास बातें

- प्रतियोगिता में सातवें स्थान पर रहीं प्रियंका गोस्वामी
- गोस्वामी ने अपने करियर का तीसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया

गोल्फ : अदिति अशोक 21वें स्थान पर रहीं

सिंगापुर । भारतीय गोल्फर अदिति अशोक पहले दो दिन शीर्ष 10 में बने रहने के बाद रविवार को यहां अंतिम दौर में दो अंडर 70 का कार्ड खेलने के कारण महिलाओं की विश्व चैंपियनशिप में 21वें स्थान पर रहीं. अंतिम दौर के शुरू में ही बोगी करने के बावजूद अदिति ने पांचवें, आठवें और 13वें होल में तीन बर्डी लगाकर वापसी की. लेकिन 18वें होल में समापन में वह बोगी कर बैठीं. इस तरह टूर्नामेंट में पदार्पण कर रही अदिति ने 72, 69 और 73 के कार्ड के बाद 70 का कार्ड बनाया. ऑस्ट्रेलिया की हनाह ग्रीन कुल 13 अंडर के स्कोर से खिताब जीतने में सफल रहीं. एक हफ्ते पहले पांच बार की लेडीज यूरोपीय टूर विजेता अदिति होंडा एलपीजीए में संयुक्त 31वें स्थान पर रहीं थीं.

लिवरपूल ने चार अंक की बढ़त बनायी

भाषा । लंदन

लिवरपूल ने उरुग्वे के स्ट्राइकर डार्विन नुनेज के 'इंजरी टाइम' के नौवें मिनट में हेडर से किए गए गोल की मदद से फॉरेस्ट को 1-0 से हराकर इंग्लिश प्रीमियर फुटबॉल लीग प्रतियोगिता में चार अंक की बढ़त हासिल कर ली. लिवरपूल की यह सभी प्रतियोगिताओं में लगातार छठी और पिछले 11 दिन में चौथी जीत है. इससे उसके 27 मैच में 63 अंक हो गए हैं और उसने मैनचेस्टर सिटी पर चार अंक की बढ़त बना ली है.

मैनचेस्टर सिटी 26 मैच में 59 अंक लेकर दूसरे जबकि आर्सेनल 26 मैच में 28 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है. इस बीच चेल्सी ने ब्रैंटफोर्ड के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेला जबकि एस्टन विला ने लुटन को 3-2 से हराकर टोटेनहैम के साथ चौथे स्थान की दौड़ को दिलचस्प बना दिया. टोटेनहैम ने एक अन्य मैच में क्रिस्टल पैलेस को 3-1 से पराजित किया. एस्टन विला 27 मैच में 55 अंक लेकर चौथे स्थान पर है जबकि टोटेनहैम के 26 मैच में 50 अंक हैं और वह पांचवें स्थान पर है.

इंग्लिश प्रीमियर लीग

- इंजरी टाइम में नुनेज ने गोल दागकर लिवरपूल को जीत दिलायी
- लीवरपूल ने फॉरेस्ट को 1-0 से हराया

- **63** अंक के साथ शीर्ष पर है लिवरपूल
- **59** अंक के साथ दूसरे स्थान पर है मैनचेस्टर सिटी

रैंकिंग : लगातार तीसरी बार फाइनल खेलने की भारतीय टीम की उम्मीद बढ़ी

डब्ल्यूटीसी तालिका में शीर्ष पर पहुंची भारतीय टीम

भाषा । दुबई

दो बार का फाइनलिस्ट भारत रविवार को जारी नवीनतम रैंकिंग में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की तालिका में न्यूजीलैंड की जगह शीर्ष पर काबिज हो गया. रांची में चौथे टेस्ट मैच में इंग्लैंड को 5 विकेट से हराकर पांच मैच की शृंखला में 3-1 से अजेय बढ़त हासिल करने वाला भारत 64.28 प्रतिशत अंकों के साथ न्यूजीलैंड को शीर्ष से हटाने में सफल रहा. भारत के अब तक आठ मैच में पांच जीत, दो हार और एक ड्रॉ से 62 अंक हैं जबकि न्यूजीलैंड की टीम के पांच मैच में तीन जीत और दो हार से 36 अंक है. उसका अंक प्रतिशत 60.00 है. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वेलिंगटन में खेले गए पहले टेस्ट मैच से पूर्व न्यूजीलैंड की टीम 36 अंक और 75 अंक प्रतिशत के साथ शीर्ष पर काबिज थी. डब्ल्यूटीसी 2021 की विजेता न्यूजीलैंड की टीम को इस मैच में 172 रन से करारी हार का सामना करना पड़ा, जिससे उसका अंक प्रतिशत 60 हो गया और वह तालिका में दूसरे स्थान पर खिसक गई. ऑस्ट्रेलिया की टीम तीसरे स्थान पर है. उसे वेलिंगटन टेस्ट मैच में जीत से 12 महत्वपूर्ण अंक मिले. इससे उसके 11 मैच में सात जीत, तीन हार और एक ड्रॉ से 78 अंक हो गए हैं. उसका अंक प्रतिशत 55 से बढ़कर 59.09 हो गया है.

ऑस्ट्रेलिया के पास दूसरे स्थान पर पहुंचने का मौका

ऑस्ट्रेलिया 2023 का चैंपियन है तथा अगर वह क्राइस्टचर्च में 8 मार्च से शुरू होने वाले दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच में भी जीत दर्ज करता है तो वह न्यूजीलैंड की जगह दूसरे स्थान पर काबिज हो जाएगा. भारत इस बीच 7 मार्च से इंग्लैंड के खिलाफ धर्मशाला में पांचवा और अंतिम टेस्ट मैच खेलेगा.

डब्ल्यूटीसी तालिका

टीम	मैच	जीत	हार	ड्रॉ	अंक	पीसीटी
भारत	8	5	2	1	62	64.58
न्यूजीलैंड	5	3	2	0	36	60.0
ऑस्ट्रेलिया	11	7	3	1	78	59.09
बांग्लादेश	2	1	1	0	12	50.0
पाकिस्तान	5	2	3	0	22	36.66
वेस्टइंडीज	4	1	2	1	16	33.33
द. अफ्रीका	4	1	3	0	12	25.0
इंग्लैंड	9	3	5	1	21	19.44
श्रीलंका	2	0	2	0	0	0.0

लियोन की फिरकी में फंसा न्यूजीलैंड

टेस्ट मैच : पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया ने दर्ज की बड़ी जीत

भाषा । वेलिंगटन

ऑफ स्पिनर नाथन लियोन ने अपनी फिरकी का जादू दिखा कर मैच में 10 विकेट लिए, जिससे ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को यहां पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में न्यूजीलैंड को 172 रन से करारी शिकस्त देकर लेकर दो मैच की शृंखला में 1-0 से बढ़त बनाई. न्यूजीलैंड के सामने 369 रन का लक्ष्य था.

उसने चौथे दिन सुबह अपनी दूसरी पारी तीन विकेट पर 111 रन से आगे बढ़ाई लेकिन उसके बल्लेबाज लियोन के सामने टिक नहीं पाए और उसकी पूरी टीम 196 रन पर आउट हो गई. लियोन ने 64 रन देकर 6 विकेट लिए. इस तरह से उन्होंने मैच में 108 रन देकर 10 विकेट हासिल किये. अपने करियर में लियोन ने पांचवीं बार मैच में 10 या इससे अधिक विकेट लेने का कारनामा किया. उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में नाइट वॉचमैन के रूप में 41 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली थी. न्यूजीलैंड ने ऑस्ट्रेलिया को दूसरी पारी में 164 रन पर आउट करके अपनी उम्मीद जगाई थी. ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 204 रन की बढ़त हासिल की थी और इसतरह से उसकी कुल बढ़त 368 रन की हो गई थी. न्यूजीलैंड की उम्मीद रचिन रविंद्र पर टिकी थीं जिन्होंने सुबह अपनी पारी 56 रन से आगे बढ़ाई. वह हालांकि दिन के सातवें ओवर में 59 रन बनाकर आउट हो गए.

- 369 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 196 पर सिमटा न्यूजीलैंड
- 06 विकेट चटकाए लियोन ने दूसरी पारी में
- 10 विकेट चटकाए लियोन ने मैच में

ब्रीफ खबरें

किशनगंज:नाले में मिला लापता युवक का शव

किशनगंज । वीर कुंवर सिंह बस स्टैंड के समीप रेलवे लाइन के किनारे रविवार को नाले में लापता युवक का शव मिला. शव सड़ी गली अवस्था में मिला है. मृतक के पिता रुईधाशा निवासी राजकुमार सिंह उर्फ राजा सिंह व मां कंचन सिंह ने चप्पल व कपड़े से शव की पहचान रिशु कुमार सिंह के रूप में की है. प्रथम दृष्ट्या हत्या की आशंका जतायी जा रही है. युवक ऋषभ 25 जनवरी से लापता था. सूचना मिलने पर सदर थाना के थानाध्यक्ष संदीप कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच कर घटना की छानबीन में जुट गए.

87 बोतल शराब के साथ एक गिरफ्तार

नवादा । नवादा जिले के रजौली थाना क्षेत्र के चितरकोली स्थित बिहार-झारखण्ड के सीमावर्ती समेकित जांच चौकी पर उत्पाद एसआई पिन्टू कुमार ने रविवार एक टेंपो से 87 बोतल विदेशी शराब के साथ एक शराब धंधेबाज को गिरफ्तार किया. होली त्यौहार को लेकर बिहार के शराब धंधेबाज प्रतिदिन शराब की खेप को बिहार पहुंचाने के लिए तरह-तरह के उपाय अपनाते रहते हैं. किन्तु उत्पाद विभाग शराब धंधेबाजों पर नकेल कसने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है. शुक्रवार से लगातार उत्पाद विभाग टेंपो में बने तहखानों से शराब बरामद कर रही है. पुलिस मामले की जांच में जुट गयी है.

अपनी गति बढ़ाएं तभी विजयश्री मिलेगी : मोहन

पटना । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन राव भागवत ने रविवार को कहा कि अनुकूल परिस्थितियों में विश्राम करने वाला हार जाता है जबकि अपनी गति बढ़ाकर कार्य करने वाले को विजयश्री मिलती है. उन्होंने कहा कि खरगोश और कछुआ की कहानी का सारांश यही है. पटना के राजेंद्र नगर स्थित शाखा मैदान में प्रातः काल आयोजित गणवेशधारी स्वयंसेवकों के एकत्रीकरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सरसंघचालक ने कहा कि संघ के स्वयंसेवक गमले के पुष्प नहीं, बल्कि वन के फूल हैं जो अपने पोषण की व्यवस्था स्वयं करता है.

तेजस्वी यादव ने जनविश्वास महारैली को किया संबोधित, बोले

राजद का मतलब अधिकार रोजगार और विकास है

जन विश्वास महारैली विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन की पहली संयुक्त रैली है

वर्तमान सरकार पर किया हमला

- महागठबंधन सरकार ने बिहार में पिछले 17 महीनों में जो किया भाजपा से हाथ मिलाने वाले नीतीश जी पिछले 17 वर्षों में नहीं कर सके.
- तेजस्वी ने कहा कि वर्तमान में बिहार में दो उपमुख्यमंत्री हैं जिनमें से एक उप मुख्यमंत्री अभद्र भाषा इस्तेमाल करने वाले हैं और दूसरे बड़बोले हैं.

संवाददाता। पटना

पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने भाजपा पर झूठ की फैक्ट्री होने का आरोप लगाते हुए रविवार को कहा कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) का मतलब अधिकार, रोजगार और विकास है. पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित जनविश्वास महारैली को संबोधित करते हुए तेजस्वी ने आरोप लगाया कि भाजपा नेता हमेशा जुमलेबाजी करते हैं, लेकिन हम इस देश और बिहार के लोगों के अधिकारों और नौकरियों के लिए लड़ते हैं.

उन्होंने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि राजद मुस्लिम और यादव (एमवाई) की पार्टी है, लेकिन असल में यह एम-वाई और 'बाप' (बीएएपी) की पार्टी है जिसमें बी से बहुजन, ए से अगड़ा, ए से आधी आबादी (महिलाएं) और पी से गरीब है. वहीं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा, महागठबंधन सरकार ने बिहार में पिछले 17 महीनों में जो किया भाजपा से हाथ मिलाने वाले नीतीश जी पिछले 17 वर्षों में नहीं कर सके. कुमार ने हाल में राजद की अगुवाई वाले महागठबंधन को छोड़कर भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल हो गए थे. नीतीश के बार-बार पलटी मारने पर एक हिंदी फिल्म के मशहूर गाने इधर चला मैं उधर चला, ना जाने मैं किधर चला को दोहराते हुए तेजस्वी ने कहा, नीतीश चाचा भी इस गाने की तरह ही काम करते हैं और बार-बार अपना पाला बदलते हैं.

नीतीश कैबिनेट में शामिल बिहार भाजपा नेताओं पर हमला करते हुए तेजस्वी ने कहा कि वर्तमान में बिहार में दो उपमुख्यमंत्री हैं जिनमें से एक उप मुख्यमंत्री अभद्र भाषा इस्तेमाल करने वाले हैं और दूसरे बड़बोले हैं. जो बड़बोले उपमुख्यमंत्री हैं, उन्होंने पिछले 14 वर्षों में एक भी चुनाव नहीं लड़ा है और आखिरी बार उन्होंने राजद के टिकट पर ही चुनाव जीता था. भाजपा नीत राजग पर विधायकों की खरीद-फरोख्त में शामिल होने का आरोप लगाते हुए तेजस्वी ने कहा, इससे महागठबंधन पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा. आने वाले चुनावों में जनता उनके भाग्य का फैसला करेगी.

राजद के पांच विधायक हाल ही में भाजपा में शामिल हुए हैं. मुख्यमंत्री कुमार द्वारा महागठबंधन से नाता तोड़ने और भाजपा के साथ सरकार बनाने के बाद जन विश्वास महारैली विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन की पहली संयुक्त रैली है. रैली के अवसर पर राजद कार्यकर्ताओं द्वारा राज्य की राजधानी पटना में भाजपा हटाओ, देश बचाओ नारे वाले पोस्टर और बैनर बड़ी संख्या में लगाए गए हुए थे. मुख्यमंत्री के महागठबंधन से अचानक अलग होने और भाजपा नीत राजग के साथ नई सरकार बना लेने से राजद बिहार की सत्ता से बाहर हो गई. इसके बाद तेजस्वी द्वारा निकाली गयी राज्यव्यापी जन विश्वास यात्रा के समापन के मौके पर इस रैली को आयोजित किया गया है.

देश में बदलाव की शुरुआत बिहार से होगी : राहुल

राजधानी पटना के गांधी मैदान में महागठबंधन की जन विश्वास रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भाजपा और केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला. उन्होंने दावा किया कि देश से भाजपा को हटाकर इंडिया की सरकार बनाएंगे. राहुल गांधी ने कहा कि देश में जब भी बदलाव आता है तो बिहार से तूफान शुरू होता है और यहां से तूफान देश के दूसरे राज्यों तक जाता है. बिहार देश की राजनीति का सेंटर है और बदलाव की शुरुआत बिहार से ही होती है. आज देश में विचारधारा की लड़ाई चल

रही है. राहुल गांधी ने कहा कि देश के नागरिकों के दिल में नफरत नहीं, बल्कि मोहब्बत और एक-दूसरे का आदर है. ऐसे में बड़ा सवाल है कि इस देश में नफरत क्यों फैल रही है. नफरत का सबसे बड़ा कारण देश में अन्याय है. राहुल गांधी ने कहा कि पब्लिक सेक्टर में पहले गरीबों को रास्ता मिलता था. सरकार में रोजगार और नौकरी मिल जाती थी. जैसे बिहार में तेजस्वी और छत्तीसगढ़ में हमारी सरकार ने किया लेकिन केंद्र ने ये सभी रास्ते बंद कर दिए. इस रैली को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, माकपा नेता सीताराम येचुरी, भाकपा नेता डी. राजा और राजद के युवा नेता तेजस्वी यादव ने भी संबोधित किया.

पश्चिम चंपारण और सीतामढ़ी में हुई घटना

ट्रक ने 8 लोगों को रौंदा, 4 की मौत

संवाददाता। पटना

बिहार में आये दिन तेज रफ्तार का कहर देखने को मिलता है. ताजा मामला उत्तर बिहार का है. यहां पश्चिम चंपारण और सीतामढ़ी जिले में रविवार अहले सुबह दो अलग-अलग सड़क हादसे में बेकाबू ट्रक ने आठ को रौंदा दिया. जिनमें से चार लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी. जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गये. पहला सड़क हादसा पश्चिम चंपारण में हुआ है. यहां सीरिसिया थाना क्षेत्र के भटाहा गांव के समीप गिट्टी लदे ट्रक ने सड़क किनारे अलाव ताप रहे छह लोगों को रौंद दिया. इस सड़क हादसे में सास-बहू की मौत हो गयी. वहीं उसकी परिवार के दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गये. वहीं दो राहगीरों को भी गंभीर चोटें लगी है. घटना के बाद ग्रामीणों ने ट्रक चालक को बंधक बना लिया.

ट्रक के रौंदने से मां और बच्चे की मौत : दूसरा सड़क हादसा सीतामढ़ी में हुआ है. यहां नगर थाना क्षेत्र के पासवान चौक के पास ट्रक के रौंदने से मां-बेटे की मौत हो गयी. महिला अपने बच्चों को लेकर डॉक्टर के पास जा रही थी. वहीं हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने ट्रक ड्राइवर को बेरहमी से पीटा. इतना ही नहीं स्थानीय लोगों ने देर से पहुंचने पर पुलिस को भी खदेड़ा. लोगों ने आरोप लगाया कि सूचना देने के बाद भी पुलिस देर से पहुंची. पुलिस ने ट्रक ड्राइवर को पकड़कर थाना ले आयी. मृतक महिला और बच्चे की पहचान रीगा थाना क्षेत्र के रामपुर गंगौली निवासी सविता देवी और उनके दो वर्षीय पुत्र आर्यन कुमार के रूप में हुई है.

आज पदभार संभालेंगे

ब्रजेश मेहरोत्रा मुख्य सचिव व चैतन्य प्रसाद बने विकास आयुक्त

संवाददाता। पटना

आईएएस ब्रजेश मेहरोत्रा को बिहार का नया मुख्य सचिव बनाया गया है. उन्होंने आमिर सुबहानी की जगह ली है. वहीं चैतन्य प्रसाद को विकास आयुक्त की जिम्मेवारी सौंपी गयी है. चैतन्य प्रसाद ने विवेक कुमार सिंह की जगह ली है. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के निर्देश पर सामान्य प्रशासन विभाग ने इससे संबंधित अधिसूचना जारी की है.

ब्रजेश मेहरोत्रा और चैतन्य प्रसाद सोमवार से अपना पदभार संभालेंगे. बता दें कि मुख्य सचिव आमिर सुबहानी ने रिटायर्ड (30 अप्रैल) होने से पहले वीआरएस ले लिया था. सुबहानी को बिहार विद्युत नियामक आयोग (बीपीएससी) का अध्यक्ष बनाया जा सकता है.

अतुल प्रसाद के सेवानिवृत होने के बाद यह पद खाली हो गया है. यह अतिरिक्त प्रभार पर चल रहा है. वीआरएस लेने के बाद 1989 बैच के आईएएस अधिकारी ब्रजेश को मुख्य सचिव बनाया गया. इससे पहले ब्रजेश के पास राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के साथ-साथ संसदीय कार्य विभाग के अपर मुख्य सचिव की जिम्मेवारी थी. वहीं चैतन्य प्रसाद को विकास आयुक्त बनाया गया है.

मुख्यमंत्री आज करेंगे क्लाइमेट एक्शन कॉन्क्लेव का उद्घाटन

पटना । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज पटना में बिहार क्लाइमेट एक्शन कॉन्क्लेव का उद्घाटन करेंगे. यहां वे क्लाइमेट रिसाइलेंट एंड लो कार्बन डेवलपमेंट पाथवे फॉर बिहार को प्रस्तुत करेंगे. यह देश के किसी भी राज्य द्वारा विकसित की गई पहली ऐसी दीर्घकालिक रणनीति होगी. इस मौके पर मुख्यमंत्री पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग से 100 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का भी शुभारंभ करेंगे, जिसमें पटना में भारत और एशिया का पहला डॉल्फिन अनुसंधान केंद्र भी शामिल हैं. कार्यक्रम के दौरान सीएम राज्य के सभी 543 ब्लॉक कार्यालयों में स्थापित वायु गुणवत्ता निगरानी सेंसर के लिए डैशबोर्ड का भी अनावरण करेंगे.

बिहार में कानून का राज चलेगा : सम्राट

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 6 मार्च को बेतिया में होगा आगमन, की अपील

संवाददाता। बेतिया

पश्चिम चंपारण बिहार का मुकुट है, जिसने पूरे देश को राजनीतिक, संस्कृति एवं ऐतिहासिक विरासत दिया है. जहां पश्चिमी चंपारण की बेतिया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 6 मार्च को आगमन होने वाला है. मैं चंपारण के लोगों से आग्रह करता हूं कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर उनका स्वागत करें और उनकी आमसभा से लाभ उठाएं.

उक्त बातें मीडिया कर्मियों को संबोधित करते हुए प्रदेश के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने

रविवार को कही. सम्राट चौधरी ने कहा कि जब से हमारी सरकार बिहार में सत्ता संभाली है तब से 70000 करोड़ की योजना युद्ध स्तर पर बिहार में चल रही है. एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि प्रदेश में पूरी तरह से कानून का राज चलेगा अपराधियों का राज का खात्मा कर दिया जाएगा. हमारे शासन में अपराधियों, शराब माफियाओं एवं भू माफियाओं की नहीं चलने दी जाएगी. इनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी. उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस प्रकार से बेगूसराय व औरंगाबाद में लाखों की संख्या में पहुंचकर लोगों ने हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जोरदार स्वागत किया है. मैं उसके लिए उन्हें धन्यवाद देता हूं और अपील करता हूं कि उससे भी अधिक लोग बेतिया में पहुंचकर उनका स्वागत करें.

कारोबार

पान, तंबाकू, नशीले पदार्थों पर खर्च बढ़ा

नयी दिल्ली । पिछले 10 साल में पान, तंबाकू और अन्य नशीले पदार्थों पर खर्च बढ़ा है और लोग अपनी आय का बड़ा हिस्सा ऐसे उत्पादों पर खर्च कर रहे हैं. एक सरकारी सर्वेक्षण में यह बात कही गई. पिछले सप्ताह जारी घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण 2022-23 से पता चलता है कि कुल घरेलू खर्च के एक हिस्से के रूप में पान, तंबाकू और नशीले पदार्थों पर खर्च ग्रामीण और शहरी, दोनों क्षेत्रों में बढ़ गया है. आंकड़ों के मुताबिक, ग्रामीण इलाकों में इन मदों पर खर्च 2011-12 के 3.21% से बढ़कर 2022-23 में 3.79% हो गया है.

हरित बॉन्ड से धन जुटाने की योजना

नयी दिल्ली । एलआईसी की आवास वित्त इकाई एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस की योजना आगामी वित्त वर्ष में हरित बॉन्ड के जरिये धन जुटाने की है. कंपनी का इरादा पर्यावरण अनुकूल आवासीय परियोजनाओं के वित्तपोषण का है. एलआईसी के सीईओ त्रिभुवन अधिकारी ने कहा, हरित वित्तपोषण एक ऐसी चीज है जिसपर हम अगले साल गौर करेंगे और हम हरित आवासीय परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए कोष का इस्तेमाल करेंगे.

अगले सप्ताह तीन कंपनियों के आईपीओ खुलेंगे

1,325 करोड़ रुपये जुटने की उम्मीद

एजेंसी। नयी दिल्ली

प्राथमिक बाजार की गतिविधियों में मार्च में काफी तेजी देखने को मिलेगी. अगले सप्ताह गोपाल स्नैक्स सहित तीन कंपनियां के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) खुल रहे हैं. इनसे सामूहिक रूप से 1,325 करोड़ रुपये की राशि जुटने की उम्मीद है. सप्ताह के दौरान दो और कंपनियों... आरके स्वामी और जेजी केमिकल्स के भी आईपीओ आएंगे. मर्चेंट बैंकिंग सूत्रों ने बताया कि मार्च के महीने में बेंगलुरु के लक्जरी फर्नीचर ब्रांड स्टेनली लाइफस्टाइल्स और क्रिस्टल इंटिग्रेटेड सर्विसेज का भी निर्गम आने की उम्मीद है.

बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि मजबूत वृहद आर्थिक परिस्थितियों तथा हाल में सूचीबद्ध हुए शेयरों से मिले बेहतर रिटर्न की वजह से आईपीओ गतिविधियों में तेजी देखने को मिल रही है. इस साल अबतक 16 कंपनियों ने आईपीओ के जरिये 13,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं. वहीं मुक्का प्रोटींस का 224 करोड़ रुपये आईपीओ चार मार्च को बंद होगा. बीते साल यानी 2023 में 58 कंपनियों ने आईपीओ से 52,637 करोड़ रुपये जुटाए थे. राजकोट की कंपनी गोपाल स्नैक्स का 650 करोड़ रुपये का आईपीओ पूरी तरह बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित होगा. आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 381 रुपये से 401 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है.

गोपाल स्नैक्स का आईपीओ छह मार्च को खुलकर 11 मार्च को बंद होगा. एकीकृत विपणन सेवा कंपनी आरके स्वामी का 423.56 करोड़ रुपये का आईपीओ चार मार्च को खुलकर छह मार्च को बंद होगा. आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 270-288 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है. आईपीओ के तहत 173 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जाएंगे, जबकि इसमें 87 लाख तक इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी शामिल होगी.

बीते साल रुफटॉप सोलर सौर क्षमता 6.25% बढ़ा

नयी दिल्ली : छतों पर स्थापित सौर बिजली (रूफटॉप सोलर) क्षमता बीते साल (2023 में) 6.25 प्रतिशत बढ़कर 1.7 गीगावाट हो गई है. अमेरिकी शोध कंपनी मेरकॉम कैपिटल की ताजा रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है. रिपोर्ट में कहा गया है कि स्थापना लागत में कमी जैसे कारकों की वजह से छतों पर स्थापित सौर क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है. वर्ष 2022 में छतों पर स्थापित सौर क्षमता में वृद्धि 1.6 गीगावाट (जीडब्ल्यू) थी. मेरकॉम इंडिया रूफटॉप सोलर मार्केट रिपोर्ट में कहा गया है कि अक्टूबर-दिसंबर, 2023 में छतों पर 406 मेगावाट सौर बिजली क्षमता जोड़ी गई.

भारत-यूएई का 100 अरब डॉलर का गैर-तेल व्यापार लक्ष्य महत्वाकांक्षी

अबू धाबी । भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच 2030 तक 100 अरब अमेरिकी डॉलर के गैर-तेल व्यापार का लक्ष्य महत्वाकांक्षी है, लेकिन इसे हासिल किया जा सकता है. भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के अध्यक्ष आर दिनेश ने यह बात कही है. उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच कपड़ा, आभूषण और फार्मा जैसे क्षेत्रों में व्यापार बढ़ाने के बड़े अवसर हैं. उन्होंने कहा कि भारत और यूएई के बीच मई, 2022 में लागू मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के चलते द्विपक्षीय व्यापार और निवेश में वृद्धि हुई है.

दिनेश यहां वैश्विक निवेशकों के कार्यक्रम 'इन्वेस्टोपिया' और विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में कई भागीदारों के साथ द्विपक्षीय बैठकों में भाग लेने के लिए आए थे. सीआईआई के अध्यक्ष ने यहां पीटीआई-भाषा से कहा, भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच गैर-तेल व्यापार का 100 अरब डॉलर का लक्ष्य महत्वाकांक्षी है, लेकिन मेरा मानना है कि इसे हासिल किया जा सकता है. इस संबंध में हाल के घटनाक्रम उत्साहजनक हैं. उन्होंने कहा कि यह समझौता, जिसे आधिकारिक तौर पर व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता कहा गया है.

एफपीआई के रुख में बड़ा बदलाव

फरवरी में शेयर बाजार में 1,539 करोड़ डाले

एजेंसी। नयी दिल्ली

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के रुख में एक बड़ा बदलाव देखने को मिला है और उन्होंने फरवरी में भारतीय शेयर बाजारों में 1,500 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है. इससे पिछले महीने जनवरी में उन्होंने शेयरों से जमकर निकासी की थी. कंपनियों के बेहतर तिमाही नतीजों तथा सकारात्मक आर्थिक वृद्धि के बीच एफपीआई एक बार फिर भारतीय शेयर बाजार में निवेश कर रहे हैं. डिपॉजिटरी के आंकड़ों के

अनुसार, इसके अलावा एफपीआई ने फरवरी में ऋण या बॉन्ड बाजार में 22,419 करोड़ रुपये डाले हैं. क्रेविंग अल्फा के प्रमुख भागीदार मयंक मेहरा ने कहा, मार्च के लिए भी एफपीआई का परिदृश्य सकारात्मक नजर आ रहा है.

अर्थव्यवस्था में मजबूती तथा कॉरपोरेट जगत के बेहतर प्रदर्शन की वजह से भारतीय शेयरों के प्रति एफपीआई का आकर्षण कायम रहने की उम्मीद है. आंकड़ों के मुताबिक, एफपीआई ने फरवरी में भारतीय शेयर बाजार में शुद्ध रूप से 1,539 करोड़ रुपये का निवेश किया है. जनवरी में उन्होंने शेयरों से 25,743 करोड़ रुपये निकाले थे. मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि वैश्विक आर्थिक माहौल में सुधार ने एफपीआई को भारत जैसे उच्च वृद्धि वाले बाजारों में निवेश के लिए प्रेरित किया है.

प्रसिद्ध चांदी तारकशी को जीआई टैग मिला

भुवनेश्वर । कटक की प्रसिद्ध चांदी तारकशी को भौगोलिक उपदर्शन (जीआई) टैग दिया गया है. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. ओडिशा राज्य सहकारी हस्तशिल्प निगम लिमिटेड (उत्कलिका) ने एक जुलाई, 2021 को प्रसिद्ध चांदी तारकशी के लिए जीआई टैग का अनुरोध करते हुए आवेदन दिया है. राज्य के मुख्यमंत्री नवीन पटनायाक ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, कटक की चांदी तारकशी को जीआई टैग मिलना ओडिशा के लिए सम्मान की बात है.

गोदरेज एंड बॉयस की छोटे शहरों में विस्तार की योजना

एजेंसी। मुंबई

गोदरेज एंड बॉयस (जीएंडबी) अपने उपभोक्ता ब्रांड के दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों में विस्तार के लिए वितरण नेटवर्क बढ़ाने को अगले तीन साल में 40 करोड़ रुपये का निवेश करेगी.

आंतरिक समाधान, फर्नीचर, उपकरण और ताले बेचने वाली कंपनी की इस नए निवेश से वित्त वर्ष 2026-27 तक पहुंच दोगुना से अधिक होकर 400 शहरों तक हो जाएगी. कंपनी के प्रवक्ता ने पीटीआई-भाषा को बताया, जीएंडबी ने अगले तीन साल तक स्टोर के विस्तार और नवीकरण पर हर साल लगभग 10-15 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना बनाई है. प्रवक्ता ने कहा, कंपनी हर साल अपने कारोबार में 15 से 20 प्रतिशत की वृद्धि का लक्ष्य लेकर चल रही है. स्टोर की संख्या बढ़ाने से उसे अपने इस लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी.

शेयर

अमेरिका में भी मुद्रास्फीति में ढीलापन आ रहा है, डाउ ने भी पिछले सप्ताह 39245 अंकों की नई ऊंचाई बनाई है

वित्तीय वर्ष 23-24 की तीसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 8.4 प्रतिशत पर पहुंची

भारतीय शेयर मार्केट तेजी में तो है ही, शीघ्रता में भी हैं. पिछले सप्ताह किसी आपात स्थिति की दशा में परीक्षण को लेकर शनिवार को भी शेयर मार्केट में दो लघु सत्रों में व्यापार हुआ. इन सत्रों में ही निफ्टी ने स र्वक ालिक 22419 की नई ऊंचाई बना डाली. संकेत है, भारतीय शेयर मार्केट के निवेशकों का आत्मविश्वास तथा मनोबल बहुत ऊंचा है. अच्छा, यह भी नहीं हुआ कि शनिवार को विदेशी अथवा घरेलू संस्थागत निवेशकों की कोई बड़ी खरीदारी आई, उन्होंने तो नकद संभाग में 125 करोड़ के शेयर बेचे ही. भारतीय खुदरा निवेशक पूरे उत्साह में हैं तथा इन ऊंचे स्तरों से भी मध्यम से दीर्घ अवधि को लेकर अच्छी तेजी की अवधारणा में हैं. जिस बड़ी संख्या में निवेशक भारतीय शेयर बाजार में आ रहे हैं, उससे भी यह परिलक्षित होता है. पिछले 8 महीनों में 1 करोड़ नए निवेशकों ने एनएसई में पंजीकरण करवाया है तथा इनकी कुल संख्या 8 करोड़ से अधिक हो चुकी है. इनमें से बड़ी संख्या उत्तर क्षेत्र के निवेशकों की है. शेयर मार्केट के निवेशकों का विस्तार हो रहा है तथा अब यह पश्चिम क्षेत्र के गुजरात, महाराष्ट्र तथा कुछ बड़े महानगरों तक सीमित नहीं रह रहा है. यह भी एक नए भारत का संकेत है. आत्मविश्वासी भारत का क्योंकि शेयर मार्केट में सुदृढता उस राष्ट्र की अच्छी आर्थिक स्थिति के प्रमुख आत्मविश्वासी कारकों में से एक होती है.यद्यपि तेजी को समर्थन देने के लिए उसके अनुरूप आर्थिक कारक भी होने चाहिए अथवा होने की आशा होनी चाहिए. वित्तीय वर्ष 23-24 की तीसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 8.4 प्रतिशत आई. इससे पूरे वित्तीय वर्ष में आर्थिक वृद्धि दर 7.6 प्रतिशत होने की संभावना हो गई. यह बहुत ही सकारात्मक है. इससे विदेशी निवेशकों का भारतीय शेयर मार्केट में निवेश बहुत अधिक बढ़ सकता है. घरेलू निवेशक लगातार खरीद रहे ही हैं, विदेशी निवेशक भी आक्रामक खरीदार हो गए तो कितनी बड़ी तेजी आ सकती है. इसका सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है. मध्यम तथा लघु श्रेणी के शेयरों में तो बहुत बड़ा उछाल आया ही है. अब बड़े शेयरों में भी अच्छी खरीदारी दिख सकती है, परंतु ध्यान रखें, बहुत अधिक पीई के शेयरों में अपेक्षाकृत बढ़त नहीं देखने मिल सकती है. जो बड़े शेयर उचित पीई पर हैं, उनमें ही अच्छी तेजी की संभावना है. भारत में खुदरा मुद्रास्फीति दर जनवरी में 5.1 प्रतिशत रही. इस आधार पर यदि वार्षिक मुद्रास्फीति 5 से 6 प्रतिशत रहती है तो वास्तविक आर्थिक वृद्धि दर, जीडीपी वृद्धि दर तथा मुद्रास्फीति को मिलाकर, 13 प्रतिशत के निकट हो सकती है. यह भारतीय कंपनियों के व्यापार तथा लाभ में 15 से 20 प्रतिशत की वृद्धि ला सकता है. ऐसा हुआ तो निफ्टी की पीई वर्तमान स्तर के आधार पर 20 प्रतिशत सस्ती हो जायेगी तथा निफ्टी के 22000-22500 के स्तरों पर भी मार्केट का मूल्यांकन आकर्षक हो जायेगा. तब निफ्टी 22700 से 23000 की ओर भी बढ़ सकता है, परंतु ध्यान रखें, मार्केट में कितनी भी तेजी रहे, निवेश के लिए शेयरों का चयन सावधानी से ही करने से लाभ अधिकतम होता है.

शशांक भारद्वाज
वीपी व्वॉइस ब्रोकिंग

अमेरिका में भी मुद्रास्फीति में ढीलापन आ रहा है. डाउ ने भी पिछले सप्ताह 39245 अंकों की नई ऊंचाई बनाई. विश्व के अधिकांश प्रमुख शेयर मार्केट अच्छे बनें हुए हैं. एक बार जब ब्याज दरों के कमी का क्रम आरंभ होगा तो बड़ा धन शेयर मार्केट की ओर लौटेगा ही. भारत चूंकि विकासशील शेयर मार्केट है तथा अभी भी बहुत सम्भावना शेष है. अतः यहां सबसे अच्छा प्रतिफल दिख सकता है. आर्थिक कारक ऊंची विकास दर, कंपनियों का अच्छा लाभ, लोगों की आय में वृद्धि आदि के साथ राजनीतिक स्थिरता, अच्छा लोकतंत्र, प्रति व्यक्ति खपत में तीव्र वृद्धि की संभावना आदि भी भारतीय शेयर मार्केट की अत्यंत आकर्षक बनाती हैं. पिछले सप्ताह मंडाडियों में शक्ति लगाई थी.अच्छे समाचारों के बाद भी निफ्टी को दो दिन 22000 के नीचे बंद रखने में सफल रहे थे. परंतु शुक्रवार को तेजड़ियों के बड़ा प्रत्यक्रमण किया तथा निफ्टी में 356 अंकों की भारी बढ़त देखने को मिली. क्रूड ऊपरी स्तरों से नीचे आ 81.42 डॉलर प्रति बैरल पर है. यूएस डॉलर इंडेक्स तथा बॉन्ड यील्ड भी नीचे की ओर है. युद्ध तथा राजनीतिक तनावों की अवहेलना तो शेयर मार्केट सीख ही गया है. भारतीय शेयर बाजार में तो निवेशित रहना ही चाहिए. हां,अत्यधिक बढ़ चुके ऊंची पीई के शेयरों में लाभ ले लेना चाहिए. अब वैल्यू वाले शेयरों में निवेश अधिक प्रतिफल देगा. दो पहिया वाहनों की बिक्री के अच्छे आंकड़े दर्शा रहे हैं कि आर्थिक समृद्धि विस्तार की ओर है. एक प्रमुख अमेरिकी आर्थिक संस्थान ने कहा है कि भारत अत्यधिक निर्धनता की स्थिति से ऊपर चुका है. भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में नगरीय क्षेत्रों की तुलना में अधिक विकास दर है. निर्धनता रेखा से नीचे रहने वाली जनसंख्या 2012-13 के 12 प्रतिशत से घटकर 22- 23 में 2 प्रतिशत रह गई है. ग्रामीण निर्धनता 2.5 प्रतिशत तथा शहरी निर्धनता 1 प्रतिशत ही रह गई है. निर्धनता जितनी कम होगी,निवेश योग्य राशि उतनी ही अधिक उपलब्ध होगी.

ब्रीफ खबरें

डॉ. हर्षवर्धन ने राजनीति से संन्यास की घोषणा की

नयी दिल्ली । शनिवार को बीजेपी ने जो टिकटों की घोषणा की थी उनमें डॉ. हर्षवर्धन का टिकट भी काट दिया था. अब उन्होंने एक्स पर लिखा कि, 'तीस साल से अधिक के शानदार चुनावी करियर में मैंने सभी पांच विस और दो संसदीय चुनाव लड़े, जो मैंने बड़े अंतर से जीते, और पार्टी संगठन और राज्य और केंद्र की सरकारों में कई प्रतिष्ठित पदों पर काम किया. अब मैं अपनी जड़ों की ओर वापसी के लिए अनुमति चाहता हूं.

प्रधानमंत्री ने भाजपा को दिए दो हजार रुपये

नयी दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा के 'राष्ट्र निर्माण के लिए दान' अभियान को लेकर रविवार को 2,000 रुपये का योगदान दिया. मोदी ने 'एक्स' पर योगदान के रसीद की तस्वीर साझा की. उन्होंने लिखा, मुझे भाजपा के अभियान में योगदान करने और एक विकसित भारत के निर्माण के हमारे प्रयासों को मजबूत बनाने को लेकर खुशी हो रही है मैं सभी से नमो ऐप के माध्यम से राष्ट्र निर्माण के लिए दान अभियान का हिस्सा बनने का भी आग्रह करता हूं!

मिनिकॉय द्वीप समूह में बनाया नौसेना बेस

नयी दिल्ली । भारत ने एशिया के सबसे छोटे देश मालदीव में चीन की पहल के कारण अपनी पकड़ खो दी है लेकिन हिंद महासागर क्षेत्र में अपनी नजर बनाए रखने के लिए भारतीय नौसेना ने लक्षद्वीप द्वीप समूह में एक नौसैनिक हवाई अड्डा बनाया है. यह अरब सागर में भारतीय मिनिकॉय द्वीप मालदीव से सिर्फ 507 किमी दूर है, जहां भारतीय नौसेना 06 मार्च को आईएनएस जटायु को तैनात करेगी. यह रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण लक्षद्वीप समूह में नौसेना की महत्वपूर्ण उपलब्धि है.

उत्तराखंड में चार धाम यात्रा की तैयारियां शुरू

देहरादून । उत्तराखंड में चारधाम यात्रा को सुगम और सुरक्षित बनाने में स्वास्थ्य महकमा की ओर से तैयारियां शुरू कर दी गई हैं. यात्रा से पहले बदरीनाथ और केदारनाथ में अस्पताल शुरू हो जाएंगे. इस बार मानक संचालन प्रक्रिया 11 भाषाओं में जारी की जाएगी. ताकि देश के विभिन्न हिस्सों और देशों से आने वाले श्रद्धालु यात्रा संबंधी जरूरी सूचनाएं पढ़ सकें. स्वास्थ्य सचिव ने तीर्थयात्रियों से अपील की है कि वह चारधाम यात्रा से पहले अपने स्वास्थ्य का परीक्षण जरूर करा लें.

एनआईए को सौंपने पर विचार करेंगे : सीएम

चिक्कामगलुरु । कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने रविवार को कहा कि सरकार जरूरत पड़ने पर रामेश्वरम कैफे विस्फोट मामले की जांच राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को सौंपने पर विचार कर सकती है. ब्रूकफील्ड इलाके में एक मार्च को एक लोकप्रिय रेस्तरां में हुए विस्फोट के बारे में मुख्यमंत्री ने कहा कि सीसीबी इस मामले में जांच कर रही है. उन्होंने कहा, हम विचार करेंगे. अभी तो जांच शुरू हुई है. अभी तक किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है.

अनंत-राधिका के प्री-वेडिंग फंक्शन में मची धूम

अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के तीन दिनी प्री-वेडिंग फंक्शन 1 मार्च से शुरू हुए. इस इवेंट में अब तक कई सेलेब्स शामिल हो चुके हैं और खूब धमाल भी मचा चुके हैं. कई सेलेब्स पहला फंक्शन करके वापस लौट गए हैं. वहीं, कुछ सेलेब्स ऐसे हैं, जो अनंत और राधिका के आखिरी फंक्शन के लिए 3 मार्च को भी जामनगर पहुंचे. हर रोज धमाकेदार कार्यक्रम आयोजित किए गए.

ग्वालियर जिले में स्थित मोहना में सभा को किया संबोधित

अन्याय के चलते देश में बढ़ रही है नफरत : राहुल गांधी

एजेंसी । ग्वालियर

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को अपनी यात्रा के दौरान 'न्याय' शब्द के महत्व पर जोर दिया और देश में नफरत बढ़ने के लिए मौजूदा अन्याय को जिम्मेदार ठहराया. मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले में स्थित मोहना में एक सभा को संबोधित करते हुए गांधी ने आर्थिक व सामाजिक असमानता और किसानों तथा युवाओं के साथ कथित दुर्व्यवहार को प्रमुख चिंताओं के रूप में चिह्नित किया. अपनी 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के दौरान गांधी ने यहां वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) और नोटबंदी जैसी नीतियों के प्रतिकूल प्रभावों की आलोचना की और इन्हें बेरोजगारी दर में वृद्धि की वजह बताया. उन्होंने दावा किया कि बेरोजगारी दर 40 साल में सबसे ज्यादा है. कांग्रेस सांसद ने दावा किया, जीएसटी और नोटबंदी के कारण बेरोजगारी बेतहाशा बढ़ी है. अब बेरोजगारी दर पिछले 40 वर्षों में सबसे अधिक है. कांग्रेस नेता ने यह भी दावा किया कि भारत की युवा बेरोजगारी दर पाकिस्तान जैसे देशों से भी अधिक है. उन्होंने इसके लिए सरकार की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया, जिसने छोटे व्यवसायों पर बुरा असर डाला है.

अग्निवीरों को पेंशन और कैंटीन की सुविधा भी नहीं मिलेगी

राहुल गांधी ने कहा कि अपनी यात्रा के दूसरे चरण की शुरुआत करते समय उन्होंने न्याय शब्द को शामिल किया, क्योंकि आर्थिक व सामाजिक क्षेत्रों में अन्याय और किसानों तथा युवाओं के खिलाफ अन्याय के कारण देश में नफरत फैल रही है. उन्होंने सैनिकों, विशेष रूप से 'अग्निपथ' योजना के तहत भर्ती युवाओं के लिए कम होते लाभों पर अफसोस जताया. इनके बारे में गांधी ने दावा किया कि उन्हें आवश्यक सहायता से वंचित किया जा रहा है. कांग्रेस नेता ने कहा कि 'अग्निवीरों' को देश के लिए अपनी जान गंवाने पर शहीद का दर्जा नहीं मिलेगा. उन्होंने दावा किया कि इन्हें पेंशन और कैंटीन की सुविधा भी नहीं मिलेगी.

राहुल गांधी ने अन्य पिछड़ा वर्ग, आदिवासियों और दलितों सहित 73 प्रतिशत आबादी के कथित तौर पर हाशिए पर होने का दावा करते हुए इन्हें शासन और व्यापार के अवसरों से वंचित करने का आरोप लगाया. उन्होंने केंद्र सरकार पर किसानों के बजाय उद्योगपतियों को अनुचित लाभ देने का आरोप लगाते हुए चुनिंदा उद्योगपतियों के बड़े पैमाने पर ऋण माफ करने की आलोचना की. लोकसभा चुनाव से पहले गांधी के नेतृत्व में यात्रा ने शनिवार दोपहर को मुरैना जिले से मध्य प्रदेश में प्रवेश किया. यह राज्य के शिवपुरी, गुना, राजगढ़, शाजापुर, उज्जैन, धार और रतलाम जिलों से होकर गुजरेगी.

लंदन में वार्षिक 'इंडिया-यूके अचीवर्स'

जोया और अस्मा को मिला सम्मान

एजेंसी । लंदन

फिल्मकार जोया अख्तर और ब्रिटिश भारतीय रसोइया (शेफ) अस्मा खान लंदन में वार्षिक 'इंडिया-यूके अचीवर्स' सम्मान के विजेताओं में शामिल हैं. इस पुरस्कार के तहत भारतीय छात्रों की उपलब्धियों को मान्यता दी जाती है. भारत में ब्रिटिश काउंसिल और ब्रिटेन सरकार के व्यापार विभाग के साथ साझेदारी में नेशनल इंडियन स्टूडेंट्स एंड एलुमनाई यूनियन (एनआईएसएयू) यूके द्वारा पिछले साल इस पहल की शुरुआत की गई थी. ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने बुधवार को कार्यक्रम के लिए एक संदेश में कहा, मुझे यह देखकर खुशी हो रही है कि दूसरे वर्ष, आप ब्रिटेन में विकसित असाधारण भारतीय प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं. 'लक बाय चांस', 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' और हाल में रिलीज 'द आर्चीज' जैसी हिट फिल्म देने वाली फिल्मकार अख्तर को 'लिविंग लीजेंड' पुरस्कार प्रदान किया गया. गीतकार जावेद अख्तर की बेटी जोया अख्तर (51) ने कहा, मैं मानती हूं कि साहित्य और समाजशास्त्र ने मुझे फिल्म बनाने, लिखने और कहानियां सुनाने में काफी मदद की है. लंदन में महिलाओं द्वारा संचालित दार्जिलिंग एक्सप्रेस रेस्तरां को लेकर शेफ अस्मा खान को भी सम्मानित किया गया.

छत्तीसगढ़ के कांकेर में मुठभेड़ में पुलिसकर्मी व नक्सली की मौत

कांकेर । छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में रविवार को मुठभेड़ के दौरान एक पुलिस कांस्टेबल और एक नक्सली की मौत हो गई. एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि नक्सल विरोधी अभियान के तहत संयुक्त बलों के एक दल की कार्रवाई के दौरान छोटेबेठिया पुलिस थाने के तहत हिदुर गांव के पास एक जंगल में मुठभेड़ हुई. उन्होंने बताया कि राज्य पुलिस की इकाई 'बस्तर फाइटर्स' के कांस्टेबल रमेश कुरेठी की मुठभेड़ के दौरान मौत हो गई. उन्होंने बताया कि घटनास्थल से एक नक्सली का शव और एक एके-47 राइफल बरामद की गई है. इलाके में तलाश अभियान जारी है.

भारी बारिश से जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग बाधित

200 से अधिक यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया

एजेंसी । जम्मू/श्रीनगर

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों ने मौसम संबंधी परिस्थितियों में सुधार होने के बाद रविवार सुबह जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात बहाल करने के प्रयास तेज कर दिये. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. अधिकारियों ने बताया कि कश्मीर को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाला एकमात्र राजमार्ग दूसरे दिन भी बंद रहा और पुलिस ने रामबन जिले में 200 से अधिक पर्यटकों सहित बड़ी संख्या में फंसे यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया.

शनिवार को 270 किमी लंबा राजमार्ग बंद कर दिया गया : उन्होंने बताया कि रामबन में डलवास, मेहद-कैफेटेरिया और हिंगनी सहित बनिहाल और नाशरी के बीच एक दर्जन से अधिक स्थानों पर भारी वर्षा के कारण भूस्खलन और पत्थर गिरने के बाद शनिवार सुबह 270 किमी लंबे राजमार्ग को बंद कर दिया गया था.

असम में 500 ग्राम हेरोइन जब्त, दो गिरफ्तार

गुवाहाटी । गुवाहाटी में मादक पदार्थों के दो संदिग्ध तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 500 ग्राम हेरोइन बरामद की गई है. असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को यह जानकारी दी. इस अभियान को एसटीएफ ने अंजाम दिया. शर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि गुवाहाटी में गहन छानबीन के बाद एसटीएफ ने दो लोगों को पकड़ा. मुख्यमंत्री ने कहा, उनके परिसरों पर तलाशी एवं जब्ती की कार्रवाई की गई और साबुन के डिब्बों में रखी गई 500 ग्राम वजन की हेरोइन बरामद की गई.

डोनाल्ड ट्रंप ने इडाहो व मिसौरी कॉकस जीता, निक्की की हार

एजेंसी । कोलंबिया

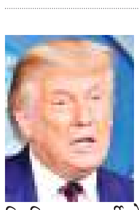

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को इडाहो और मिसौरी में कॉकस जीतकर और मिशिगन में रिपब्लिकन पार्टी के सम्मेलन में सभी डेलिगेट (मतदाताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले पार्टी सदस्य) का समर्थन हासिल कर लिया. इसके साथ ही देश के राष्ट्रपति पद के चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार बनने की अपनी दावेदारी शनिवार को और पुख्ता कर ली. ट्रंप को अब तक 244 डेलिगेट का समर्थन मिल चुका है जबकि उनकी प्रतिद्वंद्वी एवं संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत निक्की हेली मात्र 24 डेलिगेट के समर्थन के साथ उनसे काफी पीछे हैं. राष्ट्रपति पद के चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी का उम्मीदवार बनने के लिए किसी भी दावेदार को कम से कम 1,215 डेलिगेट के समर्थन की आवश्यकता होगी.

बाघ के हमले में विभाग के दो कर्मचारी घायल

उमरिया । मध्य प्रदेश के उमरिया जिले में बांधवगढ़ बाघ अभयारण्य में एक बाघ के हमले में वन विभाग के दो कर्मचारी घायल हो गए. इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना हाल में क्षेत्रीय लड़ाई में एक बाघ की मौत के बाद एक घायल बाघ की तलाश के दौरान शनिवार को हुई. वन विभाग के उपमंडल अधिकारी फतह सिंह निनामा ने बताया कि घायल बाघ की तलाश कर रहे एक दल पर बीटीआर के पनपाठा रेंज में बाघ ने हमला किया और इसमें दो कर्मचारी घायल हो गए. दोनों घायलों को स्वास्थ्य केंद्र में इलाज हो रहा है.

शहबाज शरीफ दूसरी बार पाकिस्तान के पीएम बने

एजेंसी । इस्लामाबाद

पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के वरिष्ठ नेता शहबाज शरीफ न व निर्वाचित संसद में आसानी से बहुमत हासिल करने के बाद रविवार को दूसरी बार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बने. वह गठबंधन सरकार का नेतृत्व करेंगे. पीएमएल-एन और पीपीपी के संयुक्त उम्मीदवार शहबाज (72) को 336 सदस्यीय सदन में 201 वोट मिले. जेल में बंद पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी पीटीआई के उनके प्रतिद्वंद्वी उमर अयूब खान को 92 वोट मिले. इस दौरान पीटीआई समर्थित सांसदों ने नारेबाजी की. शहबाज को सोमवार को राष्ट्रपति निवास ऐवान-ए-सद्र में पद की शपथ दिलाई जाएगी. आम चुनाव कराने के लिए संसद भंग किए जाने से पहले शहबाज ने अप्रैल 2022 से अगस्त 2023 तक पीएम के रूप में गठबंधन सरकार का नेतृत्व किया था.

यमन के हुती विद्रोहियों के हमले के बाद पोत लाल सागर में डूबा

दुबई । यमन के हुती विद्रोहियों ने जिस पोत को निशाना बनाते हुए हमला किया था वह लाल सागर में डूब गया है. अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी. पोत रूबीमर में उर्वरक की खेप और पूर्व में लीक हुआ ईंधन था तथा इसके डूबने से लाल सागर में पारिस्थितिकी तंत्र को क्षति पहुंच सकती है. हुती विद्रोही एशिया और पश्चिम एशिया से यूरोप जाने वाले पोतों को लगातार निशाना बनाते हुए हमले कर रहे हैं जिससे कारोबार की दृष्टि से अहम इस मार्ग पर पहले ही परिवहन बाधित है.

कॅरियर-काउंसिलिंग

कम्युनिकेशंस मैनेजमेंट की पढ़ाई कर बना सकते हैं अपना कॅरियर

रजनीश प्रसाद । रांची

एमबीए कम्युनिकेशंस मैनेजमेंट 2 साल का पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री कोर्स है, जिसमें कुल 4 सेमेस्टर होते हैं. एमबीए कम्युनिकेशन मैनेजमेंट मनोरंजन और मीडिया उद्योगों पर केंद्रित है. कम्युनिकेशन मैनेजमेंट की डिग्री में एमबीए छात्रों को एक तकनीकी और ज्ञान-आधारित संस्कृति के लिए तैयार करता है. यह कोर्स आपको फिल्म और टीवी, विज्ञापन और ब्रांडिंग, प्रिंट और डिजिटल कम्युनिकेशन जैसे विभिन्न डोमेन में संचार और मीडिया पेशेवर के रूप में उभरने में मदद करता है. यह कोर्स उन छात्रों के लिए डिजाइन किया गया है, जो सभी पहलुओं में संचार का अध्ययन करना चाहते हैं.

विदेशी विश्वविद्यालय

- स्टैनफोर्ड ग्रेजुएट स्कूल ऑफ बिजनेस, स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी
- व्हार्टन स्कूल ऑफ बिजनेस, यूनिवर्सिटी ऑफ पेंसिल्वेनिया
- एमआईटी स्लोन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट
- हार्वर्ड बिजनेस स्कूल, हार्वर्ड यूनिवर्सिटी
- एचईसी पेरिस
- इंसेड
- लंदन बिजनेस स्कूल
- कोलंबिया बिजनेस स्कूल, कोलंबिया यूनिवर्सिटी
- आईई बिजनेस स्कूल
- हास स्कूल ऑफ बिजनेस, यूनिवर्सिटी ऑफ क्लीफोर्निया, बर्कले
- द यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो बूथ स्कूल ऑफ बिजनेस
- आईएसआई बिजनेस स्कूल
- एसेड बिजनेस स्कूल
- केलांग स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, नॉर्थवेस्टार्न यूनिवर्सिटी
- यूसीएलए एंडरसन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट

भारतीय विश्वविद्यालय

- सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ मीडिया एंड कम्युनिकेशन, पुणे
- मीडिया और कला के एएएफटी विश्वविद्यालय
- क्राइस्ट कॉलेज, बैंगलोर
- दिल्ली कला और वाणिज्य विश्वविद्यालय, पुणे
- एमिटी यूनिवर्सिटी, मुंबई
- कमला नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
- मद्रास इंस्टीट्यूट कॉलेज
- सावित्री बाई फुले विश्वविद्यालय, पुणे
- किशनचंद चेल्लाराम कॉलेज
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ जर्नलिज्म एंड न्यू मीडिया, बैंगलोर

एमबीए कम्युनिकेशन मैनेजमेंट का

1. कम्युनिकेशन मैनेजमेंट वर्तमान दुनिया में एक बहुत तेजी से विकसित होने वाला क्षेत्र है और इसमें एक कंपनियों के कम्युनिकेशन चैनलों की व्यवस्थित योजना, उसे नियोजित करना और निगरानी करना शामिल है.
2. यह कोर्स छात्रों को कम्युनिकेशन टूल्स और तकनीकों, एनालिटिकल और क्रिएटिव कम्युनिकेशन, बिज़नेस कम्युनिकेशन के सामाजिक और साइकोलॉजिकल पहलुओं आदि के बारे में वैचारिक ज्ञान प्रदान करता है.
3. इस क्षेत्र में नौकरी के कई सुनहरे अवसर हैं, ग्रेजुएट्स कम्युनिकेशन मैनेजर, कम्युनिकेशन एग्जीक्यूटिव, असिस्टेंट मैनेजर, मार्केटिंग मैनेजर, लेक्चरर आदि विकल्प चुन सकते हैं.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)